शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

àß-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 284 | गुवाहाटी | बुधवार, 15 मई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी का निधन, कैंसर से थे पीड़ित पेज 2
चाय श्रमिकों ने पुलिस चौकी का घेराव कर किया जमकर प्रदर्शन पेज 3
मजबूत भारत के लिए मोदी सरकार की जरूरत : केशव प्रसाद मौर्य पेज 5
टी-20 वर्ल्ड कप के लिए बांग्लादेश टीम का एलान : शांतो टीम की कप्तानी करेंगे... पेज 7

पीएम ने देश की सेवा के लिए 400 सीटें मांगी : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा से ही भारत के संविधान को मजबूत करने के लिए कार्य करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि संसद में प्रधानमंत्री द्वारा लाए गए सभी महत्वपूर्ण विधेयकों पर वोटिंग के दौरान 400 से अधिक सांसदों का समर्थन प्राप्त होता रहा। मुख्यमंत्री ने विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी 400 सीटें जीतकर संविधान को बदलेंगे नहीं, बल्कि इसे और अधिक मजबूत करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा आज भुवनेश्वर में एक विशाल चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान में वर्णित प्रावधानों के अनुरूप ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्य किया है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अनुच्छेद 370 को समाप्त किए जाने, महिला आरक्षण विधेयक को पास करने ओबीसी के लिए विशेष आयोग गठित करने से लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 10 वर्षों के कार्यकाल में किए गए कई महत्वपूर्ण कार्यों की चर्चा की। डॉ शर्मा ने कहा कि नरेंद्र मोदी को संविधान बदलने की जरूरत नहीं है, क्योंकि वह जो भी कुछ करना चाहते हैं वह संविधान में पहले से ही वर्णित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान में देश के विकास का दायित्व सरकारों को सौंपा गया है, प्रधानमंत्री ने इस दिशा में बखूबी कार्य किया है। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने भाजपा सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल के दौरान किए गए कई उल्लेखनीय कार्यों की चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने मंगलवार को भुवनेश्वर में एक -शेष पृष्ठ दो पर

आईपीएल : ट्रैफिक विभाग ने यातायात के लिए जारी किए दिशा-निर्देश

गुवाहाटी। गुवाहाटी में 2024 सीजन के बहुप्रतीक्षित आईपीएल मैच से पहले, असम क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) और गुवाहाटी ट्रैफिक पुलिस द्वारा एसीए वर्षापाड़ा में बुलाई गई एक संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की गई। पुलिस उपायुक्त (यातायात) जयंत सारथी बोरा और एसीए महासचिव त्रिदीप कुंवर आईपीएल आयोजन के लिए शहर के सड़क दिशा-निर्देशों को स्पष्ट करने के लिए उपस्थित थे। सम्मेलन में मुख्य रूप से असम क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम, वर्षापाड़ा में 15 और 19 मई, 2024 को होने वाले आईपीएल मैचों के दौरान आम जनता, विशेष रूप से कमजोर सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर केंद्रित था। इसके आलोक में, वाहनों की आवाजाही पर कई प्रतिबंधों की घोषणा की गई- उदाहरण के तौर पर एनएच -27 के अंतर्गत आने वाले गुवाहाटी सिटी, जीएस रोड, बीके काकोति रोड, एके आजाद रोड, एके देव रोड, कुलॉ बसुमतारी रोड, एफए रोड, धुपोलिया रोड, बिष्णुपुर रोड, एमजी रोड, एटी रोड, आरएमसी रोड, जीएनबी रोड और काहिलीपाड़ा रोड पर चार पहिया और उससे ऊपर के वाणिज्यिक माल ले जाने वाले वाहनों का संचालन 15 मई और 19 मई 2024 को दोपहर 3 बजे से रात 12 बजे तक प्रतिबंधित होगा। वहीं 15 और 19 मई 2024 को दोपहर 3 बजे से 12 बजे रात तक बिष्णुपुर रोड, एमजी रोड, एटी रोड, आरएमसी रोड, जीएनबी रोड और काहिलीपाड़ा रोड, -शेष पृष्ठ दो पर

दो माह के चुनावी दौर पर चुनाव आयोग ने संतोष जाहिर किया

नई दिल्ली (हि.स.)। पिछले दो माह के चुनावी अभियान पर मंगलवार को जारी बयान में भारत के निर्वाचन आयोग ने संतोष जाहिर किया है। आयोग ने सोशल मीडिया एक्स पर एक बयान साझा करते हुए लिखा है कि आयोग इस बात से संतुष्ट है कि पिछले दो महीनों में कुल मिलाकर चुनाव अभियान हिंसा-मुक्त, कम शोर-शराबा, कम अव्यवस्थित और न्यूनतम दखल देने वाला, प्रलोभन और आडंबर से मुक्त रहा है। इसके साथ ही चुनाव आयोग ने दोहराया है कि चुनाव में प्रचार के दौरान राष्ट्रीय दलों के स्टार प्रचारकों को अगले -शेष पृष्ठ दो पर

वाराणसी से लगातार तीसरी बार नामांकन कर बेहद उत्साहित हूं : नरेंद्र मोदी

वाराणसी (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी लोकसभा क्षेत्र से लगातार तीसरी बार पार्टी के उम्मीदवार के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इससे जुड़ी तस्वीरों को साझा कर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि काशी के मेरे परिजनों का हृदय से आभार! वाराणसी से लगातार तीसरी बार नामांकन कर बेहद उत्साहित हूं। बीते 10 वर्षों में आप सबसे जो अद्भुत स्नेह और आशीर्वाद मिला है, उसने मुझे निरंतर सेवाभाव और पूरे संकल्प के साथ काम करने के लिए प्रेरित किया है। आपके भरपूर समर्थन और सहभागिता से मैं अपने तीसरे टर्म में भी नई ऊर्जा-शक्ति के साथ यहां के चौतरफा विकास और -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

कोई मनुष्य अगर बड़ा बनना चाहता है, तो छोटे से छोटा काम भी करे, क्यूंकि स्वावलंबी ही श्रेष्ठ होते है।

– ईश्वर चंद्र विद्यासागर

ममता के लिए वोट बैंक हैं रोहिंग्या और घुसपैठिए : अमित शाह

हावड़ा (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के उलूबेरिया में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। आज अपनी दूसरी और आखिरी जनसभा में उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी के लिए घुसपैठिए और रोहिंग्या वोटबैंक हैं। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी प्रधानमंत्री द्वारा भेजे गए पैसों और योजनाओं का नाम बदलकर अपने नाम पर कर देती हैं। मोदी ने हर गांव में पीएम सड़क योजना भेजी, ममता ने उसका नाम बंगाल ग्राम सड़क योजना कर दिया। इसी तरह ममता ने पीएम फसल बीमा योजना, पीएम आवास योजना और जल जीवन मिशन का -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य निर्मित सेमीकंडक्टर अगले वर्ष आ जाएगी बाजार में : सीएम

गुवाहाटी। आत्मविश्वास से भरे मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि टाटा द्वारा संचालित, 27,000 करोड़ रुपए के आकर्षक निवेश से असम में सेमीकंडक्टर्स का उत्पादन करने की महत्वाकांक्षी परियोजना एक साल के भीतर फल देगी। एक साक्षात्कार में, मुख्यमंत्री ने राज्य के लिए अपने दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि असम अब भविष्य की प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए भविष्य में कदम रखना चाहता है। उन्होंने असम को एक अच्छे औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र में बदलने के लिए एक मजबूत नीति के साथ रक्षा-आधारित उद्योग लाने की इच्छा के बारे में बात की। शर्मा ने कहा कि टाटा ने पहले ही अपने कर्नाटक प्लांट से पायलट डिलीवरी शुरू कर दी है। सामग्री देश के बाहर जा चुकी है और विक्रेताओं ने सामग्री स्वीकार कर ली है। असम में वापस आकर टाटा ने पहले ही भूमि पार्सल का कब्जा ले लिया है। यह एक ग्रीनफील्ड परियोजना होगी। लोग जमीन पर मौजूद हैं। मेरा मानना है कि एक साल के भीतर पहला उत्पादन शुरू किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि हमने पिछले लगभग एक साल से टाटा टीम के साथ व्यापक चर्चा की है। हमने जमीनीस्तर पर अच्छा काम किया है। राज्य सरकार और टाटा की टीमें पूरी तरह से एकजुट हैं। इसके लिए कई मंजूरी पहले ही दी जा चुकी हैं, जैसे पर्यावरण मंजूरी आदि। इसलिए, मुझे लगता है इसे लक्ष्य के अनुरूप पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री द्वारा असम में लाए जाने वाले अन्य प्रमुख निवेशों के बारे में पूछे जाने पर, हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि लोग खदानों या अन्य कच्चे माल में निवेश कर रहे हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

मुंबई होर्डिंग मामला 14 लोगों की मौत 88 घायल

मुंबई (हि.स.)। मुंबई के घाटकोपर इलाके में होर्डिंग हादसे में अब तक 14 हो गई है और 88 लोग घायल हैं। घटनास्थल पर मंगलवार सुबह तक फायर ब्रिगेड के जवानों ने करीब 74 लोगों को होर्डिंग के मलबे से सुरक्षित निकाला है। घायलों में 43 लोगों का राजावाड़ी अस्पताल में इलाज चल रहा है। अन्य घायलों को डिस्चार्ज किया जा चुका है। मौके पर बचाव कार्य अभी भी जारी है। मलबे में अभी भी लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। घाटकोपर के पंतनगर पुलिस स्टेशन में इस अवैध होर्डिंग के मालिक भावेश भिड़े और इगो मीडिया कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार सोमवार शाम करीब सवा चार बजे अचानक आए तूफान और बारिश के बीच कई लोगों ने इस पेट्रोल पंप पर शरण ली थी। उसी समय पंप के पास लगा होर्डिंग तेज हवा के कारण सीधे पेट्रोल पंप पर गिर गया। बताया गया कि इस होर्डिंग के नीचे करीब 80 गाड़ियां फंसी हुई थीं। इसके बाद बचाव कार्य तेजी से शुरू हुआ। यहां पेट्रोल पंप, सीएनजी पंप होने के कारण गैस कटर का इस्तेमाल नहीं किया जा सका। होर्डिंग हादसे की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस मौके -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

दिल्ली के अस्पतालों को फिर बम से उड़ाने की मिली धमकी

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली में तीसरी बार फिर से अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिला है। दिल्ली के दीप चंद बंधु अस्पताल, जीटीबी अस्पताल, दादा देव अस्पताल, हेडगेवार अस्पताल तथा कई और अस्पतालों में बम की धमकी वाला ईमेल मिला है। मामले की सूचना मिलने पर सभी जगह दमकल विभाग व दिल्ली पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। समाचार -शेष पृष्ठ दो पर

पीओके के लिए 23 अरब का बजट मंजूर, गुस्सा शांत होने के संकेत नहीं

इस्लामाबाद (हि.स.)। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में लगातार बढ़ती महंगाई से लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग सड़कों पर हिंसक विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इस घटनाक्रम ने शहबाज शरीफ सरकार को घुटनों पर ला दिया है। सरकार ने पीओके के लिए तत्काल 23 अरब रुपए का बजट मंजूर किया और स्थानीय सरकार ने बिजली दरों व ब्रेड की कीमतों में कटौती की घोषणा की लेकिन ये घोषणाएं अबतक लोगों का गुस्सा शांत नहीं कर पाई हैं। पीओके में अभी भी स्थिति तनावपूर्ण है। शुक्रवार से इस क्षेत्र में लगातार विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। एक दिन पूर्व सोमवार को चौथे दिन भी पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प की खबरें हैं। प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ टकराव में अबतक मरने वालों की संख्या तीन हो गई है। -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्र सरकार ने लिट्टे पर प्रतिबंध पांच साल के लिए बढ़ाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) पर लगे प्रतिबंध को मंगलवार को पांच साल के लिए और बढ़ा दिया है। यह प्रतिबंध इसलिए लगाया क्योंकि संगठन लगातार लोगों के बीच अलगाववाद की प्रवृत्ति को बढ़ावा दे रहा है और अपने लिए भारत में, खासकर तमिलनाडु में समर्थन आधार बढ़ा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धारा 3 की -शेष पृष्ठ दो पर

उपराष्ट्रपति ने देशवासियों से देश के हितों को सर्वोपरि प्राथमिकता देने का आग्रह किया

नई दिल्ली (हि.स.)। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने देशवासियों से भगवद्गीता की शाश्वत शिक्षाओं से सीख लेते हुए देश के हितों को सर्वोपरि प्राथमिकता देने का आग्रह किया। अनिश्चितता के बीच एक मार्गदर्शक प्रकाश के रूप में गीता के कालातीत ज्ञान को रेखांकित करते हुए धनखड़ ने इस बात पर जोर दिया कि गीता उदात्तता, आध्यात्मिकता, धार्मिकता, अपने कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्धता और स्वयं से खुद को दूर करने का मार्ग दिखाती है। धनखड़ मंगलवार को लोकसभा के पूर्व महासचिव और प्रसिद्ध संविधान विशेषज्ञ डॉ. सुभाष सी कश्यप -शेष पृष्ठ दो पर

आज का भारत मांगने वाला नहीं, देने वाला है : नड्डा

अमेठी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस के गढ़ रहे अमेठी में मंगलवार को हुंकार भरी। अमेठी के रामलीला मैदान में मंच से चुनावी जनसभा को सम्बोधित करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि यह चुनाव सिर्फ स्मृति ईरानी को सांसद बनाने का नहीं है, यह चुनाव अमेठी से स्मृति जी को सांसद बनाकर उनके माध्यम से मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की संघर्ष यात्रा है। नड्डा ने कहा कि मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प है। प्रधानमंत्री मोदी के 10 वर्ष पहले और प्रधानमंत्री के बनने के बाद दो बातों का बहुत बड़ा अंतर आया है। 2014 के पहले भारत का आम आदमी इस बात से सहमत हो चुका था कि राजनीति से कुछ भी बदलने वाला नहीं है, ऐसे ही चलेगा। सभी राजनेता ऐसे ही हैं। आज 10 साल बाद भारत का यही साधारण नागरिक मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहा है। दूसरा अंतर यह है 10 साल पहले भारत और भारत के राजनीति की परिभाषा तुष्टिकरण, वोट बैंक एवं क्षेत्रवाद की परिभाषा थी। 10 साल में यह राजनीतिक विकासवाद की राजनीति हो गई। आज तुष्टिकरण की राजनीति समाप्त हो गई। उन्होंने कहा कि जो कहा था वह किया है, जो नहीं कहा था वह भी करके दिया है। तुष्टिकरण किसी का नहीं, पुष्टिकरण सबका होगा। भाजपा अध्यक्ष ने -शेष पृष्ठ दो पर

चाबहार बंदरगाह डील से अमेरिका को भी लगी मिर्ची, दे दी धमकी

वाशिंगटन। भारत की चाबहार बंदरगाह डील से भड़के अमेरिका ने चेतावनी दी है कि ईरान के साथ व्यापारिक समझौता किसी भी देश को भारी पड़ेगा। अमेरिका ने कहा है कि ईरान के साथ व्यापारिक सौदे करने वाले किसी भी देश पर *प्रतिबंध लगाए जाने का संभावित खतरा* है। उसने यह भी कहा कि वह जानता है कि ईरान और भारत ने चाबहार बंदरगाह से जुड़े एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। भारत ने सोमवार को सामरिक रूप से महत्वपूर्ण ईरान के चाबहार बंदरगाह को संचालित करने के लिए 10 साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए है, जिससे नयी दिल्ली को मध्य एशिया के साथ व्यापार बढ़ाने में मदद मिलेगी। भारत ने 2003 में ऊर्जा संपन्न ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित चाबहार बंदरगाह को विकसित करने का प्रस्ताव रखा था। इसके जरिए अंतर्राष्ट्रीय -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी का निधन, कैंसर से थे पीड़ित

नई दिल्ली (हि.स.)। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री और पूर्व राज्य सभा सांसद सुशील मोदी का सोमवार को देर रात निधन हो गया। दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में उन्होंने आखिरी सांस ली। वे 72 साल के थे। वे गले के कैंसर से पीड़ित थे और दिल्ली एम्स में उनका इलाज चल रहा था। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स पर पोस्ट कर उनके निधन की जानकारी दी। सुशील कुमार मोदी ने बीते तीन अप्रैल को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा था कि पिछले छह माह से कैंसर से संघर्ष कर रहा हूं। अब लगा कि लोगों को बताने का समय आ गया है। लोकसभा चुनाव में कुछ कर नहीं पाऊंगा। प्रधानमंत्री को सब कुछ बता दिया है। देश, बिहार और पार्टी का सदा आभार और सदैव समर्पित। बता दें कि सुशील कुमार मोदी ऐसा नाम है, जो किसी परिचय का मोहताज नहीं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सदस्य सुशील कुमार मोदी की पहचान एक जुझारू नेता के रूप में रही है। सामान्य परिवार से निकल बिहार के राजनीतिक शिखर का मुकाम बनाने के बीच संघर्ष की लम्बी राह भी रही है। छात्र संघ की राजनीति से उभरे सुशील मोदी जेपी आंदोलन से काफी प्रभावित थे। जेल भी गए। इनकी पहचान निर्भिक नेता की रही। छात्र राजनीति के दौरान लालू प्रसाद यादव सुशील मोदी साथ रहते थे, लेकिन फिर उनकी राहें जुदा हो गईं। बाद में लालू के शासन के समय कई बड़े घोटालों का खुलासा सुशील मोदी ने किया। सुशील मोदी द्वारा दाखिल पीआईएल बिहार ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए चर्चित चारा घोटाले रूप में उजागर हुआ। सुशील मोदी की प्रारंभिक शिक्षा पटना के सेंट माइकल स्कूल से हुई। बीएससी बीएन कॉलेज से की। 1974 में जेपी आंदोलन के आह्वान पर एमएससी की पढ़ाई छोड़ दी और करीब 19 माह जेल में रहे। 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान सुशील काफी सक्रिय रहे और स्कूली छात्रों को शारीरिक फिटनेस और परेड का प्रशिक्षण देने के लिए सिविल डिफेंस में कमांडेंट बने। इसी दौरान उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सदस्यता ली। फिर 1977 में वो अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े और 1983 में परिषद के राष्ट्रीय स्तर पर महासचिव बने। करीब 34 साल राजनीति में सक्रिय रहे सुशील कुमार मोदी राज्यसभा, लोकसभा, विधान परिषद और विधानसभा यानी चारों हाउस के सदस्य रह चुके हैं। सुशील कुमार मोदी से पहले सिर्फ लालू प्रसाद यादव और नागमणि ही चारों सदनों के सदस्य रहे हैं। वर्ष 1990 में पहली बार पटना सेंट्रल से सुशील मोदी ने विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की थी। 2004 में वो भागलपुर सीट से लोकसभा के सदस्य के तौर पर चुने गए। हालांकि 2005 में एनडीए की सरकार बनने के बाद सुशील मोदी को फिर से बिहार विधान मंडल दल का नेता चुना गया। तब उन्होंने लोकसभा से त्यागपत्र दिया था। वर्ष 2012 में वो फिर विधान परिषद सदस्य के तौर पर निर्वाचित हुए।

पीओके : राजनीतिक कार्यकर्ता ने भारत से मांगी मदद

मुजफ्फराबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हिंसक झड़पों के बाद बिगड़े हालात को लेकर यहां राजनीतिक कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा ने भारत सरकार से मदद मांगी है। मिर्जा ने कहा कि मुजफ्फराबाद की स्थिति बहुत गंभीर है। उन्होंने अपील की है कि भारत इस मामले में तुरंत दखल दे और पाकिस्तान के राजदूत को तलब कर उनसे हालात के बारे में स्पष्टीकरण मांगे। मिर्जा ने एक वीडियो बयान में कहा कि आज सुबह लगभग पांच लाख लोग मुजफ्फराबाद और आसपास के शहरों में बिजली बिलों पर करों, सब्सिडी में कटौती का विरोध कर रहे थे। उनकी मांग थी कि कि सरकार प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के भत्तों और विशेषाधिकारों को समाप्त करे। मिर्जा ने वैश्विक समर्थन के लिए आग्रह किया साथ ही भारत सरकार से अनुरोध किया कि संयुक्त राष्ट्र में पीओके का मुद्दा उठाया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि भारतीय विदेश मंत्रालय पाकिस्तान के राजदूत को तलब करे और उनसे पीओके में हो रही हिंसा पर जवाब मांगे। मिर्जा ने दावा किया पीओके में दिनदहाड़े हत्याएं हो रही हैं। हमारी जान खतरे में है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को मुजफ्फराबाद में हजारों स्थानीय लोग प्रदर्शन कर रहे थे तभी पाकिस्तानी रेंजर्स ने गोलीबारी कर दी थी। मिर्जा ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए रेंजर्स ने लाठीचार्ज की लॉन्ग मार्च को रोकने की कोशिश की। हालांकि, जैसे ही प्रदर्शनकारियों ने पलटवार किया, वैसे ही रेंजर्स पीछे हट गए। थोड़ी देर बाद वे भारी संख्या में दोबारा आ गए। मिर्जा ने वीडियो संदेश में बताया कि रेंजर्स की गोलीबारी में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई है। 19 से अधिक घायल हैं। मिर्जा ने आशंका जताई है कि मृतकों वालों की संख्या बढ़ सकती है। क्षेत्र में इंटरनेट पूरी तरह से बंद है। वे एक निराशाजनक स्थिति में हैं।

तीन मवेशी समेत एक चोर गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के कलियाबोर के बरघुली इलाके में तीन मवेशी समेत एक चोर को स्थानीय लोगों ने पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को बोलोरो पिकअप (एएस-12एजी-7235) में तीन मवेशी को लेकर एक चोर कलियाबोर के तीन नंबर बरघुली इलाके में पहुंचा था। चुराई गई मवेशियों को छिपाते समय स्थानीय लोगों ने चोर को रंगे हाथों पकड़ लिया। घटना की जानकारी मिलते ही उलुबानी और सुलूंग पुलिस मौके पर पहुंची और तीन मवेशी समेत चोर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस इस संबंध स्थानीय लोगों द्वारा दर्ज कराई शिकायत का आधार पर मामले की जांच कर रही है।

भारतीय छात्रों को बड़ा झटका देने की तैयारी में सुनक सरकार

लंदन। ब्रिटेन सरकार भारतीय छात्रों को बड़ा झटका देने की तैयारी कर रही है। माडिया रिपोर्ट के अनुसार ऋषि सुनक सरकार की माइग्रेशन एडवाइजरी कमिटी ने ग्रेजुएट वीजा रूट को लेकर ऐसी रिपोर्ट बनाई है जो ब्रिटेन में बसे 25 लाख भारतीय वोटरों को नाराज कर सकती है। ग्रेजुएट वीजा रूट बंद करने को लेकर तैयार की गई यह रिपोर्ट आज सुनक कैबिनेट में पेश की जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार अगर इस योजना के प्रावधान लागू होते हैं तो हर साल करीब 91 हजार भारतीय छात्रों को ग्रेजुएशन रूट से वीजा एंट्री नहीं मिल पाएगी। अभी हर साल करीब 1 लाख 30 हजार भारतीय छात्रों को इसके जरिए एंट्री मिलती है। कटौती के बाद केवल 39 हजार छात्रों को ही एंट्री मिल पाएगी। बता दें कि 2021 में शुरू हुए ग्रेजुएशन वीजा रूट से भारतीय और अन्य अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को मास्टर्स पढ़ाई पूरे होने के दो साल तक ब्रिटेन में रहने और जॉब करने की अनुमति मिलती है।

जंगली हाथी के हमले में बुजुर्ग महिला की मौत

नगांव (हिंस)। कलियाबोर में जंगली हाथी के हमले में एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान लूसिया एक्का के रूप में हुई है। यह घटना कैलिडेन चाय बागान के लाइन नंबर 12 में हुई। घर से बाहर जा रही महिला पर जंगली हाथी ने हमला कर दिया। हाथी के हमले में गंभीर रूप से घायल महिला को तेजपुर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उसने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

तीसरे कार्यकाल में आतंकवाद और नक्सलवाद पर होगा बड़ा प्रहार : मोदी

गिरिडीह (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस के राज में नक्सली सिर उठाते थे। भाजपा की सरकार ने नक्सलियों को ठिकाने लगा दिया। आतंकवाद हो या नक्सलवाद मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में इन पर बहुत बड़ा प्रहार करने का संकल्प ले चुका है। मोदी झारखंड को फिर से नक्सलवाद का गढ़ नहीं बनने देगा। मैं नौजवानों की जिंदगी तबाह नहीं होने दूंगा। मांओं की कोख सूनी नहीं होगी। पूरा आदिवासी बेल्ट खून खराबे से मुक्त होगा। ये मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार को कोडरमा लोकसभा क्षेत्र के बगोदर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पेशम पंचायत के अखवारा मैदान में महाविजय संकल्प सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की कमजोर सरकारों ने देश को नक्सलवाद की आग में झोंका। इस आग में वामपंथियों ने भी अपनी रोटियां सेकीं। मोदी ने कहा कि झारखंड के नेता नोटों के पहाड़ उगा रहे हैं। अफसर और नौकरों के यहां से पैसे निकल रहे हैं। ये जो भी करते हैं शाही परिवार के इशारे पर। ये पैसा मंत्रियों के यहां पहुंच रहा हूं। ये तो शुरुआत है। मैं आगे और खजाने खोजने वाला हूं। चोरों को चैन से सोने नहीं दूंगा। नींद भी उड़ा दूंगा और खजाने खाली कर दूंगा। उन्होंने कहा कि मैं देश हित में काम कर रहा हूं तो झामुमो-कांग्रेस वाले डरे हुए हैं। इंडी गठबंधन के नेता ने मुझे गोली मारने की बात कही थी। ये जो गोली मारने के सपने देख रहे हैं, जरा यहां आइए ये नजारा देखिए। गोली मारने वालों ये भीड़ मेरी सुरक्षा कवच है। मोदी ने कहा मैं सीधे काशी से आपके बीच आ रहा हूं। मुझे आने में विलंब हुआ, आप सब मुझे क्षमा करें। मुझे बताया गया कि आपमें से बहुत लोग सुबह साढ़े आठ बजे ही आकर बैठ गये थे। मैं काशी से भगवान विश्वनाथ का आशीर्वाद लेकर आया हूं। नामांकन दाखिल करने के बाद यह मेरी पहली जनसभा है। मैं देख रहा हूं कि काशी हो या कोडरमा या गिरिडीह एक ही बात ही गूंज रही है, फिर एक बार मोदी सरकार। प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी को चुनौतियों को टालना नहीं, बल्कि उससे टकराना आता है।

पृष्ठ एक का शेष

पीएम ने देश की...

कार्यक्रम को तथा दिल्ली में दो चुनावी रैलियां को संबोधित किया। इस दौरान अपार भीड़ उमड़ती देखी गई। उन्होंने आगे कहा कि हमें एक बात ध्यान रखनी चाहिए कि नरेंद्र मोदी दस साल पीएम रह चुके हैं और आगे भी रहेंगे। हमने संविधान को शक्तिशाली बनाने के लिए कदम उठाए हैं, न कि कमजोर करने के लिए। बहुमत होने पर हमने महिला शक्ति के लिए आरक्षण देने का काम किया। जब देश की महिलाओं को सशक्त बनाएंगे तभी देश सशक्त होगा। असम के सीएम ने कहा कि हमने कभी संविधान के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश नहीं की। बहुमत होने पर हमने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाया, सीएए पारित किया। इसमें अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश में पीड़ितों को नागरिकता देने का प्रावधान किया। हमारे संविधान में ही हिंदू सभ्यता की झलक है। उन्होंने कहा कि लोगों को लगता है कि हमारा देश 1947 से शुरू हुआ, ये गलतफहमी है। हमारी सभ्यता 5 हजार साल से पुरानी है। कांग्रेस सेकुलरिज्म की बात करती है। जब संविधान बना तो ये शब्द था ही नहीं। इसकी हमें इसलिए जरूरत नहीं थी क्योंकि हम हजारों साल से *सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे सन्तु निरामया* की बात करते आए हैं। हमारी सभ्यता ही सेकुलरिज्म की है।

आईपीएल : ट्रैफिक विभाग...

जीएस रोड, बीके काकोति रोड, एके आजाद रोड, एके देव रोड, कुलॉ बसुमतारी रोड, एफए रोड, धुपोलिया रोड पर तिपहिया और इससे ऊपर के वाणिज्यिक माल ढोने वाले वाहनों और धीमी गति से चलने वाले वाणिज्यिक वाहनों/गाड़ियों का संचालन प्रतिबंधित रहेगा। उधर 15 और 19 मई, 2024 को, एके आजाद रोड (आर्य नगर से लोखरा चारियाली) दोपहर 3 बजे से वन-वे रहेगा और वाहनों को बिरूबारी तिनियाली/आर्य नगर की ओर से लोखरा चारियाली की ओर जाने की अनुमति होगी। दर्शकों को इस मार्ग को अपनाने की सलाह दी जाती है। वहीं लोखरा चारियाली से आर्य नगर की ओर आने वाले वाहनों के लिए, लालगणेश तिनियाली बिंदु पर हयात अस्पताल, काहिलीपाड़ा रोड की ओर डायवर्जन किया जाएगा। केवल कार पास वाले वाहनों को लालगणेश तिनियाली से बारसापाड़ा की ओर जाने की अनुमति होगी। साथ ही वर्षापाड़ा तिनिआली से धीरेनपाड़ा तिनियाली तक वर्षापाड़ा रोड कार पास वाले वाहनों के लिए वन-वे रहेगा, बिना कार पास वाले वाहनों को वर्षापाड़ा तिनियाली या धीरेनपाड़ा से प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह प्रतिबंध आपातकालीन वाहनों जैसे फायर टेंडर, एम्बुलेंस, जीवन रक्षक दवाएं, ऑक्सीजन सिलेंडर ले जाने वाले वाहन, स्कूल बसें और स्थानीय निवासियों आदि की आवाजाही में किसी भी तरह से बाधा नहीं डालेगा। उधर बारसापाड़ा तिनिआली से धीरेनपाड़ा तिनिआली (कुलॉ बसुमतारी रोड), साइकिल फैक्ट्री से लाल गणेश तिनिआली (एके आजाद रोड) और अंबारी तिनिआली से चंपावती हाई स्कूल (एके देव रोड) तक सड़क के दोनों ओर किसी भी वाहन को पार्क करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही चंपावती हाई स्कूल से गड़चुक (एके देब रोड) तक, दक्खिनगांव तिनियाली से एनईएफ कॉलेज (दक्खिनगांव रोड) की ओर सड़क पर एक तरफ पार्किंग की अनुमति होगी। इन यातायात नियमों को रेखांकित करने के अलावा, विभिन्न मार्गों से आने वाले दर्शकों के लिए विस्तृत पार्किंग व्यवस्था का भी खुलासा किया गया, जिससे उपस्थित लोगों की आमद को समायोजित करने के लिए पर्याप्त पार्किंग सुविधाएं सुनिश्चित की गईं। इस व्यापक योजना का उद्देश्य सभी हितधारकों के लिए एक सहज अनुभव सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय अधिकारियों और खेल संगठनों के सहयोगात्मक प्रयासों को रेखांकित करते हुए, आईपीएल मैचों के दौरान यातायात प्रबंधन को सुव्यवस्थित करना और सार्वजनिक सुरक्षा को बढ़ाना है।

दो माह के चुनावी ...

चरणों में उदाहरण पेश करना चाहिए। समाज के नाजुक ताने-बाने को खराब नहीं करना चाहिए। आयोग द्वारा जारी बयान के मुताबिक भारत के चुनाव आयोग ने स्वत: संज्ञान लेते हुए दो महीने की दूसरी बार रिपोर्ट जारी की गई। इससे पहली रिपोर्ट 16 अप्रैल, 2024 को जारी की गई थी। मुख्य चुनाव आयुक्त आयुक्त राजीव कुमार ने इसकी पहल की थी। चुनाव आयोग के अनुसार इस दौरान विभिन्न पार्टियों की 425 शिकायतों में से 90 प्रतिशत का निपटारा कर दिया है। वहीं नागरिक केंद्रित सी-विजिल एप पर मिलीं 4 लाख से अधिक शिकायतों का भी तुरंत निपटारा कर दिया गया।

वाराणसी से लगातार ...

जनता-जनार्दन के कल्याण में जुटा रहूंगा। जय बाबा विश्वनाथ! प्रधानमंत्री ने नामांकन में आए सहयोगी दलों के नेताओं का आभार जताया। उन्होंने लिखा कि आज काशी में हमारे मूल्यवान एनडीए सहयोगियों की उपस्थिति से मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं। हमारा गठबंधन राष्ट्रीय प्रगति और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को पूरा करने की प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करता है। हम आने वाले वर्षों में भारत की प्रगति के लिए मिलकर काम करेंगे। इस ऐतिहासिक सीट के लोगों की सेवा करना सम्मान की बात है। जनता के आशीर्वाद से पिछले दशक में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल हुई हैं। आने वाले समय में काम की यह गति और भी तेज होगी। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा काशी के कोतवाल श्री काल भैरव जी के मंदिर में दर्शन-पूजन का सौभाग्य मिला। उनके आशीर्वाद से देशभर के मेरे परिवारजनों का जीवन मंगलमय हो, यही कामना है। काशी में मां गंगा के चरणों में वंदन के साथ आज मेरे दिन का शुभारंभ हुआ। उनके दर्शन और पूजन से बड़ा सौभाग्य मेरे लिए और क्या हो सकता है! मां गंगा से मैंने अपने काशीवासियों के साथ ही देशभर के परिवारजनों के लिए सुख-समृद्धि और आरोग्य की कामना की।

ममता के लिए वोट...

नाम भी बदल दिया। अमित शाह ने कहा कि चार चरण के चुनाव समाप्त हो चुके हैं। इन चरणों में ही मोदी 270 सीट प्राप्त कर बहुमत लेने का काम पूरा कर चुके हैं। अब पांचवें चरण में आपको 400 पार की ओर आगे बढ़ना है। ममता बनर्जी ने घुसपैठियों को खुली छूट दे रखी है। बांग्लादेश से आने वाले इन घुसपैठियों को खुश करने के लिए ममता बनर्जी सीएए का विरोध कर रही हैं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं, ममता दीदी को जितना विरोध करना है, वो करें। एक-एक शरणार्थी को नागरिकता देने का काम नरेंद्र मोदी करेंगे। ममता बनर्जी यह झूठ बोल रही हैं कि जो कोई भी सीएए के तहत नागरिकता के लिए आवेदन करेगा, उसे समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमले तेज करते हुए गृहमंत्री ने कहा कि मां, माटी और मानुष ये ममता दीदी का नारा था, जो अब बदलकर मुल्ला, मदरसा और माफिया हो गया है। ये मस्जिदों के इमाम को वेतन देती हैं, लेकिन मंदिर के पंडितों को नहीं। ताजिया निकल सकता है, लेकिन दुर्गा विसर्जन यहां नहीं हो सकता। ममता दीदी कहती हैं कि भाजपा वाले आएंगे, तो लक्ष्मी भंडार योजना बंद कर देंगे। मैं आपको बताकर जाता हूं कि भाजपा कोई भी योजना बंद करने वाली नहीं है, हम लक्ष्मी भंडार योजना में 100 रुपए और बढ़ाएंगे। उन्होंने एक बार फिर पश्चिम बंगाल में भाजपा की सीटें बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि तीसरी बार नरेंद्र मोदी को देश का प्रधानमंत्री बनाने के लिए भाजपा के पक्ष में जमकर वोटिंग करनी होगी।

राज्य निर्मित सेमीकंडक्टर...

असम में हम पेट्रोलियम पर मजबूत हैं। हम भविष्य की तकनीकों पर विचार कर रहे हैं। अब, सेमीकंडक्टर उनमें से एक है। लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद कुछ महीनों के भीतर, हम रक्षा-आधारित उद्योग पर अपनी नीति जारी करने जा रहे हैं। शर्मा ने कहा कि हम आत्मनिर्भर रक्षा उपकरणों का उत्पादन कर रहे हैं, यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां हम मजबूती से अपनी जड़ें जमाएंगे। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर एक हिस्सा है, लेकिन मोबाइल टेलीफोन की असेंबली जैसे कई क्षेत्र भी हैं। हम कई खिलाड़ियों के साथ विभिन्न स्तरों पर चर्चा कर रहे हैं, लेकिन हम असम को भविष्य की तकनीक के लिए एक राज्य के रूप में पेश करना चाहते हैं। हम भविष्य की प्रौद्योगिकियों पर और अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। उधर जागीरोड में सेमीकंडक्टर उद्योग स्थापित करने के लिए टाटा समूह को असम सरकार से मिले प्रोत्साहन पर चर्चा करते हुए, शर्मा ने आगे कहा कि जैसा कि आप जानते हैं कि सेमीकंडक्टर केंद्र सरकार की एक नीति है, जिसके बाद गुजरात, तमिलनाडु और उत्तर की नीति है। प्रदेश में हमारी नीति सबसे अच्छी है। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि इसमें कहा गया है कि केंद्र सरकार जो भी प्रदान करेगी, हम उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन के मामले में उसका 50 प्रतिशत तुरंत प्रदान करेंगे। और हमने जमीन और अन्य सभी सुविधाएं भी दी हैं। इसलिए, असम बहुत आक्रामक था और हम चाहते हैं कुछ और वर्षों तक आक्रामक बने रहें ताकि हम असम में एक अच्छा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित कर सकें। यह पूछे जाने पर कि राज्य में रक्षा उद्योग स्थापित करने के लिए उनके मन में कितनी राशि होगी, शर्मा ने कहा कि योजनाएं प्रारंभिक चरण में हैं और सरकार सर्वोत्तम नीति के साथ आने के लिए राज्य सरकार की इसी तरह की पहल का अध्ययन कर रही है। उन्होंने कहा कि फिलहाल हम चर्चा के बहुत प्राथमिक चरण में हैं। उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्यों की नीतियों का विश्लेषण करने के बाद हम एक नीति लेकर आएंगे, जिनके पास विशिष्ट रक्षा नीतियां हैं और हम हम बेहतर बदलाव के साथ सामने आएंगे। हम उनके लिए रेड कार्पेट बिछाने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि फिर से आपको यह देखना होगा कि असम की एक विशेष पृष्ठभूमि है। हम उग्रवाद से बाहर आ गए हैं। इसलिए लोग प्रतिक्रिया देने में धीमे होंगे, लेकिन मुझे यकीन है कि हम उन्हें समझाने में सक्षम होंगे। शर्मा ने आगे कहा कि एक और नई बात जो हाल ही में हुई है वह यह है कि भारत सरकार ने उन्नति योजना की घोषणा की है, जो पूर्वोत्तर पर आधारित या केंद्रित एक औद्योगिक नीति है। उन्होंने तुरंत 10,000 करोड़ रुपए रखे हैं, लेकिन अगर हम कर सकते हैं तो यह बढ़ सकता है। अच्छा प्रस्ताव प्राप्त करें, राज्य सरकार की नीति प्रोत्साहन, और विशेष रूप से पूर्वोत्तर के लिए केंद्र सरकार की नीति, और फिर विषयगत क्षेत्र के लिए केंद्र सरकार की नीति, मैं इन सभी तीन पहलुओं को देख रहा हूं और हम एक बेहतर नीति लेकर आएंगे। यह बहुत ही आकर्षक नीति जिसे उद्योग जगत के लिए न कहना मुश्किल होगा।

पीओके के लिए...

जिनमें दो प्रदर्शनकारी और एक एसआई शामिल है। रविवार को झड़प में 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। दरअसल, जरूरी चीजों के दाम बढ़ने और टैक्स में बढ़ोतरी के खिलाफ पीओके में 10 मई से सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारियों और वकीलों द्वारा गठित संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी ने राजधानी मुजफ्फराबाद मार्च करने का आह्वान किया। सोमवार को भी बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों ने मुजफ्फराबाद की ओर लॉन्ग मार्च जारी रखा। पुलिस ने इस मार्च को रोकने के लिए बल प्रयोग किया जिसके कारण प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। लोग संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी के लगभग 70 सदस्यों को गिरफ्तार किए जाने से नाराज थे जिसके बाद हिंसा भड़की। उल्लेखनीय है कि रविवार को भीड़ में किसी ने पुलिस के एसआई अदनान कुरेशी की गोली मारकर हत्या कर दी। जिसके बाद झड़प में 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए, इनमें ज्यादातर पुलिसकर्मी थे। अब तक दो प्रदर्शनकारियों की भी मौत हुई है। इसके साथ ही पीओके के साथ भेदभाव किए जाने का आरोप लगाते हुए स्थानीय लोग अपनी नाराजगी जाहिर करते हैं। बिजली वितरण में इस्लामाबाद सरकार की तरफ से भेदभाव किए जाने के आरोप में नीलम-झेलम परियोजना द्वारा उत्पादित 2,600 मेगावाट जलविद्युत का उचित हिस्सा नहीं मिलने की शिकायतें हैं। इस बीच, प्रदर्शनकारियों को शांत करने के लिए पाकिस्तान सरकार ने तत्काल प्रभाव से 23 अरब रुपए का बजट आवंटित किया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हालात के बारे में चिंता जताई। उन्होंने सोमवार को प्रदर्शनकारियों और स्थानीय सरकार से बातचीत के बाद पीओके को तत्काल प्रभाव से 23 अरब रुपए के बजट की मंजूरी दी। शरीफ सरकार की घोषणा के बाद पीओके के प्रधानमंत्री हक ने बिजली दरों में कटौती की घोषणा की। उन्होंने ब्रेड की कीमतों में भी कटौती की घोषणा की। उल्लेखनीय है कि बिजली और खाद्य पदार्थों की ऊंची कीमतों के विरोध में व्यापारी शुक्रवार को सड़कों पर उतर आए। अगस्त 2023 में भी ऊंचे बिजली दरों के खिलाफ ऐसे ही विरोध प्रदर्शन हुए थे। बढ़ती ऊर्जा लागत के कारण पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था दो साल से अधिक समय से अत्यधिक उच्च मुद्रास्फीति से जूझ रही है।

केंद्र सरकार ने लिट्टे ...

उप-धारा (1) और (3) को लागू करते हुए प्रतिबंध लगाया। गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि केंद्र सरकार की राय है कि लिट्टे अभी भी उन गतिविधियों में लिप्त है जो देश की अखंडता और सुरक्षा के लिए हानिकारक हैं। अधिसूचना में कहा गया है कि मई, 2009 में श्रीलंका में अपनी सैन्य हार के बाद भी, लिट्टे ने *ईलम* (तमिलों के लिए एक स्वतंत्र देश) की अवधारणा को नहीं छोड़ा है और गुप्त रूप से धन जुटाने का काम करके ईलम के लिए काम कर रहा है।

उपराष्ट्रपति ने देशवासियों ...

की पुस्तक *श्रीमद्भगवद गीता- भाष्य* का संसद भवन में लोकार्पण करने के बाद सभा को संबोधित कर रहे थे। धनखड़ ने गीता से प्रेरणा लेते हुए संविधान की मूल प्रति में 22 लघु चित्रों की ओर ध्यान आकर्षित कराया। भाग 4 के राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों पर ध्यान केंद्रित करते हुए उन्होंने भगवद्गीता की शिक्षाओं की गहन तुलना की, जहां भगवान कृष्ण ने कुरुक्षेत्र के युद्ध के मैदान में अर्जुन को ज्ञान दिया था। भारतीय संसदीय लोकतंत्र में डॉ. कश्यप के व्यापक अनुभव पर प्रकाश डालते हुए धनखड़ ने कहा कि डॉ. कश्यप ने गठबंधन की दुर्दशा देखी है, जिससे 2014 में गठबंधन को राहत मिली। उन्होंने आगे कहा कि गठबंधन सरकार के अंत के साथ देश ने डॉ. सुभाष कश्यप को पद्म भूषण से सम्मानित किया। कश्मीर के पर्यटन क्षेत्र में हो रहे परिवर्तनकारी बदलाव पर प्रकाश डालते हुए धनखड़ ने कश्मीर की सुंदर घाटी में पर्यटकों की उल्लेखनीय आमद का उल्लेख किया।

मुंबई होर्डिंग मामला ...

पर पहुंचे और घटना की उच्चस्तरीय जांच का आदेश दिया। मुख्यमंत्री ने इस घटना में प्रत्येक मृतक आश्रितों को 5 लाख रुपए और घायलों का सरकारी खर्च पर इलाज की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने मुंबई के सभी होर्डिंग्स का स्ट्रक्चरल ऑडिट कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अनाधिकृत होर्डिंग्स को तुरंत हटाने का आदेश दिया है।

आज का भारत ...

कहा कि भारत दुनिया की डिस्पेंसरी बन गया है। सबसे सस्ती दवा और सबसे असरदार दवा आज भारत बना रहा है। मोदी के नेतृत्व में कोरोना की वैक्सीन 9 महीने के अंदर एक नहीं दो-दो तरह की वैक्सीन बनी। सबसे अधिक देशों को भारत ने अपनी वैक्सीन पहुंचाई। 48 देश को मुफ्त वैक्सीन पहुंचाई, यही बदलता भारत है। उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू से लेकर राहुल गांधी तक का भारत, मांगने वाला था। आज देने वाला भारत बन गया है। आज भारत ऑटोमोबाइल टेक्निकल में जापान को पीछे छोड़कर तीसरे नंबर का बन गया। आज भारत का साधारण व्यक्ति, गरीब शोषित, वंचित सबको किसी ने ताकत दी है तो मोदी की नीतियों और कार्यों ने ताकत दी है। नड्डा ने कहा कि राहुल बोलते थे डिजिटल गांव नहीं होगा। यहां डिजिटल कोई जानता नहीं है, लेकिन आजकल सब्जी वाला भी डिजिटल ट्रांजेक्शन करता है। भारत के दो लाख गांव में कॉमन सर्विस सेंटर खुल गया है। यह योजना प्रधानमंत्री मोदी ने पहचाना, कांग्रेसी कभी नहीं पहचान पाए। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में गैस सिलेंडर से नहीं, पाइपलाइन से पहुंचेगी। मोदी के नेतृत्व में गरीबों के 4 करोड़ घर बनकर तैयार हो गए हैं। मोदी का संकल्प है कि 3 करोड़ और घर बनेंगे। 5 वर्षों के अंदर आपका बिजली का बिल जीरो हो जाएगा। प्रधानमंत्री हर घर सूर्य योजना से सौर ऊर्जा लगेगी। आपके घर में जो बिजली लगेगी उसके अलावा जो बचेगी, उसे सरकार खरीद लेगी। इससे आपका आय का साधन भी बनेगा। उन्होंने बताया कि मोदी ने तय किया है कि अगले 5 वर्षों में तीन करोड़ लखपति दीदी बनाएंगे। उन्होंने बताया कि मोदी ने यह तय किया है कि इस देश का कोई भी व्यक्ति, कोई भी माता, कोई भी बहन जिसकी उम्र 70 साल से ऊपर हो गई है, सबके लिए मोदी ने आयुष्मान भारत में गंभीर बीमारी से लड़ने के लिए पांच लाख रुपए की व्यवस्था की है। भाजपा नेता ने कहा कि जल जीवन मिशन में 11 करोड़ लोगों के घर तक पानी पहुंचाया गया। जिसमें से 2 करोड़ लोग उत्तर प्रदेश में जिनको हर घर नल योजना के तहत पानी पहुंचाया गया। अमेठी में 3 लाख लोगों के घर को हर घर नल योजना से जोड़ा गया है। 7000 किलोमीटर नेशनल हाईवे बन गया। रेलवे में 19 गुना बजट बढ़ा दिया गया है। सात बंदे भारत ट्रेन चलाने का काम चल रहा है। पहले 74 एयरपोर्ट होते थे, आज 148 एयरपोर्ट बनकर तैयार हो गए। 10 साल पहले अमेठी में पता नहीं चलता था सड़क में गड्ढा है या गड्ढे में सड़क। आज पक्की सड़कों का गांव-गांव तक जाल फैला हुआ है। यह प्रधानमंत्री मोदी की देन है और स्मृति ईरानी की मेहनत है, जिसके कारण संभव हुआ है। नड्डा ने बताया कि विकास की दृष्टि से रीजनल रैपिड ट्रांसपोर्ट का जो काम चल रहा है, उसे पूरा किया जा रहा है। 5 मेट्रो स्टेशन का काम चल रहा है। अमेठी में 11 हजार मीट्रीक टन फर्टिलाइजर के पांच गोदाम बनकर तैयार हो गए हैं। अमेठी में कृषि विज्ञान केंद्र की स्थापना हुई, कोरबा में ऑर्डिनेंस की फैक्ट्री बन गई। भीमराव अंबेडकर स्टेडियम का नवीनीकरण किया जा रहा है। जामों में 50 बेड का अस्पताल बनाया जा रहा है। तिलोई में मेडिकल कॉलेज बना रहा है। आज गांव की तस्वीर बदल रही है महिलाओं का सशक्तिकरण हुआ है। जेपी नड्डा ने कहा कि पहले आप दुर्भाग्यशाली थे पहले आपके कैंडिडेट यहां आते थे जवाहरलाल नेहरू को याद करते थे, इंदिरा गांधी का नाम लेते थे और चुनाव में वोट मांगते थे फिर दिल्ली के एयर कंडीशन में जाकर बैठ जाते थे।

चाबहार बंदरगाह...

उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (आईएनएसटीसी) का इस्तेमाल कर भारत से सामान अफगानिस्तान और मध्य एशिया भेजा जा सकेगा। अमेरिका ने संदिग्ध परमाणु कार्यक्रम को लेकर ईरान पर प्रतिबंध लगा दिए थे, जिसके चलते बंदरगाह के विकास का काम धीमा पड़ गया था। विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हम इन खबरों से अवगत हैं कि ईरान और भारत ने चाबहार बंदरगाह से संबंधित एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। मैं चाहूंगा कि भारत सरकार चाबहार बंदरगाह और ईरान के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों के संदर्भ में अपनी विदेश नीति के लक्ष्यों पर बात करे। सामरिक रूप से महत्वपूर्ण चाबहार बंदरगाह को लेकर ईरान के साथ भारत के समझौते के बारे में एक सवाल पर उन्होंने कहा कि मैं सिर्फ इतना कहना चाहूंगा कि चूंकि यह अमेरिका से संबंधित है, ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंध लागू हैं और हम उन्हें बरकरार रखेंगे। पटेल ने कहा कि आपने हमें कई मामलों में यह कहते हुए सुना है कि कोई भी इकाई, कोई भी व्यक्ति जो ईरान के साथ व्यापारिक समझौते पर विचार कर रहा है, उन्हें संभावित जोखिम और प्रतिबंधों के बारे में पता होना चाहिए। भारत और ईरान ने इस बंदरगाह को 7,200 किलोमीटर लंबे आईएनएसटीसी के एक प्रमुख केंद्र के रूप में पेश किया है।

दिल्ली के अस्पतालों ...

लिखे जाने सर्च ऑपरेशन जारी है। दिल्ली दमकल विभाग के मुताबिक उन्हें मंगलवार सुबह कई अलग-अलग अस्पतालों से कॉल्स मिली हैं। इनमें जीटीबी अस्पताल, दादा देव अस्पताल, हेडगेवार अस्पताल और दीप चन्द बंधु में बम होने की कॉल की गई हैं। दमकल विभाग के मुताबिक सभी कॉल्स को वेरीफाई किया जा रहा है। बम रखे होने की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस के साथ-साथ फायर विभाग बम स्क्वॉड दस्ता भेजा गया और इन अस्पतालों के चप्पे चप्पे की जांच की जा रही है ताकि कोई चूक ना रह जाए। इससे पहले रविवार को भी दिल्ली के कई अस्पतालों में बम रखे होने की सूचना ईमेल के माध्यम से दी गई थी। उस समय जांच के दौरान यह फेक सूचना पाई गई लेकिन पुलिस ऐसी किसी भी सूचना को हल्के में नहीं ले रही है और पूरी सख्ती और गंभीरता से जांच की जा रही है। इससे पहले इसी महीने की एक तारीख को दिल्ली एनसीआर के 100 से अधिक स्कूलों में इसी तरह से ईमेल के माध्यम से बम रखे होने की जानकारी स्कूलों को दी गई थी। उसके बाद दिल्ली एनसीआर के स्कूलों में अफरा तफरी मच गई थी और पुलिस प्रशासन हर एक स्कूलों में बम स्क्वॉड के साथ जाकर जांच करने के बाद यह बताया गया कि कहीं कोई बम नहीं था। हालांकि उस मामले में भी पुलिस के हाथ अभी खाली हैं। अब अस्पतालों में इस तरह से बम रखे होने की जानकारी आई है, जिसको लेकर पुलिस जांच में जुटी है।

चाय श्रमिकों ने पुलिस चौकी का घेराव कर किया जमकर प्रदर्शन

डिब्रूगढ़ (हिंस)। डिब्रूगढ़ जिले के पानीतोला पुलिस चौकी का घेराव का चाय बागान के श्रमिकों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि पानीतोला चाय बागान के सह परिचालक के घर में चोरी की घटना हुई थी। परिचालक द्वारा पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराई गई थी। जिसके बाद पुलिस ने एक महिला और चार पुरुष को चोरी के मामले में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया। इस बात से नाराज चाय बागान के सैकड़ों श्रमिक आज पुलिस चौकी का घेराव कर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। स्थिति अनियंत्रित होते देख पुलिस को कई राउंड हवाई फायरिंग के साथ हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि गिरफ्तार सभी लोगों को विना शर्त जल्द से जल्द रिहा किया जाए। अन्यथा विरोध प्रदर्शन इससे और अधिक तीव्र किया जाएगा।

मणिपुर में सात हमलावर गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर के पाओना बाजार और थंगल बाजार इलाकों और उसके आसपास के क्षेत्रों में अज्ञात बदमाशों द्वारा नागरिकों पर हाल में किए गए हमलों के मामले में मणिपुर पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि इन हमलों के सिलसिले में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान, मणिपुर पुलिस ने इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्वी जिलों के विभिन्न स्थानों से ऐसी घटनाओं में शामिल सात व्यक्तियों की पहचान की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए व्यक्तियों की पहचान खुमुकचम ब्रेनी सिंह (19) और आरके रोनीश सिंह (22) के रूप में की गई है।

डॉ. शर्मा ने सुशील कुमार मोदी के निधन पर जताया शोक

गुवाहाटी (हिंस)। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं भाजपा नेता सुशील कुमार मोदी के निधन पर असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व शर्मा ने अपनी संवेदनाएं व्यक्त की है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि मुझे सुशील मोदी के साथ बहुत करीब से काम करने का सौभाग्य मिला है, खासकर जीएसटी काउंसिल के शुरुआती दिनों में। उन्होंने पूरे राजनीतिक क्षेत्र में सम्मान अर्जित किया और विभिन्न प्रकार की राय को आत्मसात करने की उल्लेखनीय क्षमता प्रदर्शित की। उनका विनम्र व्यवहार कभी-कभी उनके पास मौजूद विशाल बुद्धि और ज्ञान पर पर्दा डाल देता था। उन्होंने कहा कि बिहार का कल्याण हमेशा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रही। चाहे वह उपमुख्यमंत्री के रूप में हो या विभिन्न अन्य क्षमताओं में, यहां तक कि अपनी अंतिम सांस तक भाजपा में एक प्रिय नेता के रूप में या सरकार में एक सक्षम प्रशासक के रूप में उन्होंने लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित किया। उनके निधन के बारे में जानकर मुझे बेहद दुख हुआ है। यह बिहार और शेष भारत के लिए बहुत बड़ी

क्षति है। उनके परिवार, अनुयायियों और शुभचिंतकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

नगालैंड में आवारा कुत्तों को नियंत्रित करने के लिए सख्त निर्देश जारी

कोहिमा (हिंस)। नगालैंड में रेबीज के प्रकोप को देखते हुए राज्य सरकार ने आवारा और पालतू कुत्तों को लेकर सख्त दिशानिर्देश जारी किए हैं। मालिकों को अपने पालतू जानवरों का टीकाकरण कराने और पालतू कुत्तों को लावारिस कुत्तों से दूर रखने का आदेश दिया है। हाल ही में नगालैंड के फेक जिले में रेबीज संक्रमण का प्रकोप हुआ है। पिछले महीने में कई लोगों को आवारा कुत्तों ने काटा है और संभावित रेबीज से संक्रमित हुए हैं। इसे देखते हुए प्रशासन ने फेक जिले में नागरिकों से इस आदेश का सख्ती से पालन करने का आह्वान किया है। इससे पहले 10 मई को ही फेक जिला उपायुक्त रूपफुकुओटुओ नौडी (एनसीएस) ने कुत्तों के मालिकों को अपने पालतू जानवरों का टीकाकरण करने की आवश्यकता के संबंध में निर्देश जारी किया था।

पूसीरे की आरपीएफ खोए मोबाइल फोनों का लगायेगी पता

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के लिए ट्रेनों एवं रेल परिसरों से चोरी तथा खोए हुए मोबाइल फोन का पता लगाना अब आसान हो गया है। एक बार यात्री द्वारा रेल मदद ऐप में अपने खोए/चोरी हुए मोबाइल फोन की रिपोर्ट किये जाने पर दूरसंचार विभाग (डीओटी) के सेंट्रल इक्विपमेंट आईडेनटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल की मदद से पूसीरे की साइबर अपराध शाखा को मोबाइल का पता लगाने में सुविधा मिलती है। फिलहाल, यह पोर्टल असम के दूरसंचार सेवा नेटवर्क में ऐसे खोए हुए उपकरणों का पता लगाने में मदद करेगा। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने आज बताया है कि प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त (पीसीएससी)/ पूसीरे ने गुवाहाटी की स्थानीय पुलिस और विधि प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित किया और पूसीरे के लिए सीईआईआर तक पहुंच योजना तैयार की। पूसीरे के पीसीएससी कार्यालय के

प्रतिनिधि ने नई दिल्ली में संचार मंत्रालय के संबंधित अधिकारियों के साथ भी समन्वय किया। विस्तृत चर्चा और औचित्य के बाद, पायलट प्रोजेक्ट के रूप में असम राज्य के लिए आरपीएफ को सीईआईआर पोर्टल तक पहुंच प्रदान की गई। 19 अप्रैल को दूरसंचार विभाग द्वारा सीएससी/पूसीरे के पक्ष में सीआईडी-मुख्यालय/असम के समन्वय एवं सीईआईआर अधिकारी के माध्यम से एक यूजर आईडी और पासवर्ड तैयार किया गया। 22 अप्रैल को आरपीएफ ने सीईआईआर पोर्टल में खोए/चोरी हुए मोबाइलों का विवरण अपलोड कर कार्रवाई शुरू की। आरपीएफ/पूसीरे द्वारा सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से 09 मई तक खोए/चोरी हुए 36 मोबाइलों को ब्लॉक कर दिया गया। अब तक 15 मोबाइल सक्रिय हो चुके हैं और खोए/चोरी हुए मोबाइलों की सीईआईआर पर ट्रेसेबिलिटी रिपोर्ट प्राप्त हो गई है। आरपीएफ द्वारा 03 अपराधियों और 01 प्राप्तकर्ता की गिरफ्तारी के साथ 15 मोबाइलों में से 07 मोबाइल सफलतापूर्वक बरामद कर लिए गए हैं।

महानगर के भेटापाड़ा में खुली पहली महिला सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शाखा

गुवहाटी। सेंट्रल बैंकऑफ इंडिया द्वारा गुवाहाटी के भेटापाड़ा में पहली महिला शाखा का उद्घाटन पॉपी शर्मा महाप्रबंधक केंद्रीय कार्यालय द्वारा किया गया। इस अवसर पर गुवाहाटी क्षेत्र महाप्रबंधक तथा अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। श्री पॉपी शर्मा ने बताया कि बैंकिंग के क्षेत्र में पहले भी सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने कई क्रांतिकारी कदम सबसे पहले उठाए हैं। इसी को देखते हुए पूरे भारत में सेंट्रल बैंक को 90 महिला शाखा के रूप में परिवर्तित करना है जिनमें 3 असम में खोलना है जिसका शुभारंभ आज असम के गुवाहाटी के भेटापाड़ा से हुआ है, इन बैंक के सभी शाखाओं में महिला प्रबंधक के साथ साथ ही अत्यधिक कर्मचारियों की संख्या महिलाओं की होगी जिसमें सरकार से महिलाओं को मिलने वाली सुविधाओं पर ज्यादा से ज्यादा जोर दिया जाएगा

बंगाईगांव में श्री श्री रविशंकरजी के जन्म दिन पर कई कार्यक्रमों का आयोजन

बंगाईगांव। आर्ट और लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर जी का 68वां जन्मदिन सोमवार को बंगाईगांव में उनके अनुयायियों ने विभिन्न जगह बड़े धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर आर्ट ऑफ लिविंग बंगाईगांव के तत्वाधान में गुरु जी का जन्मदिन डॉ. विरेन्द्र छावछरिया एवं डॉ. सीमा छावछरिया के आवास पर स्थित प्रार्थना सभा कक्ष में बड़े उत्साह के साथ बनाया गया। सर्वप्रथम गुरु की प्रति छवि पर माल्यार्पण किया गया एवं पूरी विधि विधान से पूजा करने के बाद गुरु के सम्मान में एक भजन कीर्तन का कार्यक्रम रखा गया, जिसमें अच्छी संख्या में भक्तों ने हिस्सा लेकर गुरु की दीर्घायु की कामना की। इस दौरान गुरु जी के जन्मदिन के उपलक्ष में गोपाल दास तथा डॉ. वीरेंद्र छावछरिया ने सभी भक्तों के साथ मिलकर एक केक काटा। इस अवसर पर बीपी साह, कृषनानंतो दास, महेश सुरेका, गोपाल हरलालका, महेश कुमार अग्रवाल, श्याम बंसल, संजय डाकलिया के साथ समाज के कई गण मान्य व्यक्तियों के अलावा अच्छी संख्या में मातृशक्ति भी उपस्थित थीं। नोर्थ सालमारा आर्ट और लिविंग के सदस्यों द्वारा

भजनों की इतनी सुंदर प्रस्तुति दी कि उपस्थित सभी भक्त झुमने लगे। प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इसके पहले केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अंतर्गत पंजीकृत नॉर्थ सालमारा के आमतोला में स्थित श्री श्री रविशंकर विद्या मंदिर में भी श्री श्री रविशंकर का जन्मदिन बहुत ही उत्साह एवं उमंग से स्कूल के सभी बच्चों ने बड़े ही भक्ति भाव से मनाया। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री रूद्र पाठक तथा सचिव डॉ. श्रीमती सीमा छावछरिया ने केक काटकर गुरु का जन्मदिन मनाया। इस मौके पर स्कूल के प्रिंसिपल के साथ बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भी हिस्सा लेकर इस जन्मदिन को यादगार बना दिया। सभी बच्चों ने लय से लय मिलाकर भजनों की ऐसी शमां बांधी कि उपस्थित सभी अभिभावकों ने स्कूल द्वारा दिए जा रहे सुसंस्कारों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की । ज्ञात हो कि वर्तमान में कक्षा 10 तक के इस स्कूल में करीबन 430 छात्र अध्ययनरत हैं। इस वर्ष क्लास 10वीं में दूसरा बैच सत प्रतिशत सफलता के साथ उत्तीर्ण हुआ है जिसमें 20 बच्चों ने प्रथम श्रेणी से सफलता अर्जित कर स्कूल का नाम रोशन किया है। दीप ज्योति घोष ने 94 प्रतिशत अंक हासिल कर स्कूल में अव्वल रहे। इस अच्छी सफलता का श्रेय स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों के साथ स्कूल के सभी शिक्षकों को जाता है। स्कूल में उपस्थित सभी के बीच अल्पाहार वितरण के साथ जन्मदिन कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम को सफल करने में डॉ. श्रीमती सीमा छावछरिया के साथ श्रीमती अलका माहेश्वरी का विशेष योगदान रहा है।

संयुक्त काव्य संकलन *ईशान-आलोक* का लोकार्पण

विश्वनाथ/तेजपुर (विभास)। हिंदी भाषा-साहित्य की सेवा में पूर्वोत्तर भारत अब पीछे नहीं है। इस क्षेत्र से आए दिन किसी न किसी पुस्तक के प्रकाशन का समाचार हम सुनते आ रहे हैं। इसी क्रम में डॉ. गोमा देवी शर्मा द्वारा संपादित संयुक्त काव्य संकलन *ईशान आलोक* का ऑनलाईन माध्यम से सफलतापूर्वक लोकार्पण किया गया। यह कार्यक्रम 12 मई 2024 को संपन्न हुआ। कार्यक्रम में डॉ. सीताराम अधिकारी अध्यक्ष, पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी की अध्यक्षा रीतासिंह सर्जना मुख्य अतिथि, नेहू विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. आलोक सिंह मुख्य वक्ता एवं

हरियाणा की स्कूल शिक्षिका निधि पांडे विशेष वक्ता के रूप में उपस्थित थे। ईशान-आलोक में कुल 16 कवियों की काव्य रचनाएं समावेश हैं जिनमें 14 पूर्वोत्तर भारत के, नवीन राणा हरियाणा से और नेपाल के कवि महेश पौड्याल शामिल हैं। पूर्वोत्तर के कवियों में संतोष कुमार महतो, गीता लिंबू, दया शर्मा, सीताराम अधिकारी, कल्पना देवी आत्रेय, डॉ. गोमा अधिकारी, लक्ष्मी सुवेदी, ममता गिनोडिया, हर्क बहादुर लाम्गादे रोहित, आभा कुमारी चौधरी, खुमप्रसाद शर्मा, रोशन दियाली, आनोवरा खातून, दिव्यज्योति बरुवा शामिल हैं। अतिथियों के मंचासन के बाद सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का आरंभ हुआ। कार्यक्रम का संचालन आभा कुमारी चौधरी ने किया। जहां पुस्तक संपादिका ने ईशान-आलोक के रूपांकन एवं प्रकाशन के विषय में प्रकाश डाला वहीं मुख्य वक्ता डॉ. आलोक ने सभी कविताओं की सारगर्भित व्याख्या-आलोचना प्रस्तुत की। विशेष वक्ता एवं मुख्य अतिथि एवं कार्यक्रम अध्यक्ष ने भी इस विशेष पहल की सराहना की और सभी कवियों को शुभकामनाएं दीं। सभी कवियों ने अपनी कविता वाचन करके कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। संपादक के धन्यवाद ज्ञापन के बाद कार्यक्रम समाप्त हुआ।

मछली पकड़ने के दौरान सियांग नदी में डूबा युवक

धेमाजी (हिंस)। धेमाजी जिले के जोनाई के बेरा बंगाली गांव का एक युवक सियांग नदी में मछली पकड़ने के दौरान डूब गया। लापता युवक अपने दो दोस्तों के साथ सियांग नदी में मछली पकड़ने गया था। मंगलवार को युवक नाव से फिसलकर नदी में जा गिरा। घटना के बाद युवक के साथ आए दो दोस्तों ने युवक को बचाने की पूरी कोशिश की। लेकिन नहीं बचा सके। घटना की जानकारी तुरंत परिजनों को दी। परिजन मौके पर पहुंचे और जोनाई पुलिस एवं एसडीआरएफ बलों को सूचना दी। नदी में तलाशी ली गई। खबर लिखने तक युवक का पता नहीं चला। लापता युवक की पहचान जोनाई के बेरा बंगाली गांव के 28 वर्षीय भुवन दास के रूप में हुई है।

बिश्वनाथ के विशाल मुसाहारी ने आईएमएम की लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण

बिश्वनाथ (विभास)। बिश्वनाथ के साकोमठा मंडल के तहत कुंवरी पंचायत के जपौबाड़ी वार्ड 1 के रूली मुसाहारी सैकिया की एकमात्र संतान बिशाल मुसाहारी ने अखिल भारतीय लिखित परीक्षा (आईआईएम) उत्तीर्ण की है और बिहार के बुद्धगया में नामांकन के लिए स्थान प्राप्त किया। विधायक ने आज रूली सैकिया से कहा कि वह छात्र के नामांकन में उनकी मदद करेंगे। रूली शैकिया के बेटे बिशाल मुसाहारी को आईआईएम में स्थान हासिल करने पर बधाई दी गई है। उल्लेखनीय है कि विश्वनाथ के बरकुरा प्राथमिक विद्यालय प्राथमिक शिक्षा प्राप्त करने के बाद मे उसने चारिआलि एकाडेमी में अध्ययन किया और वहां से उसने शोणितपुर के नवोदय विद्यालय में नामभर्ती का मौका प्राप्त हुआ। बाद में उन्होंन डेफनी जूनियर कॉलेज से अपनी उच्च माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण

की और गुवाहाटी कॉमर्स कॉलेज से स्नातक परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके बाद छात्र यह उपलब्धि हासिल करता है।

एसएसबी का स्वास्थ्य जागरूकता एवं नि:शुल्क आयुर्वेद शिविर संपन्न

गुवाहाटी (हिंस)। स्वास्थ्य और जीवन शैली पर सोनापुर में स्थित प्रथम वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) द्वारा की गई एक पहल के रूप में सरकारी आयुर्वेद कॉलेज जालुकबारी और गुवाहाटी के विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ डॉक्टरों के द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता एवं नि:शुल्क आयुर्वेद शिविर आयोजित किया गया। एसएसबी की प्रथम वाहिनी, सोनापुर में स्वास्थ्य जांच शिविर और आयुर्वेद ओपीडी शिविर वाहिनी के कमांडेंट सुनील कौशिक और कमांडेंट (मेडिकल) डॉ. अजीत हेमरॉम के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। शिविर से बल के कर्मियों, परिवार के सदस्यों और स्थानीय ग्रामीणों को लाभ हुआ। टेक्नीशियन नासिर इकबाल के द्वारा एडवांस टेक्निकल मशीन की मदद से फुल बॉडी का फिजिकल फिटनेस चेकअप किया गया। यह चेक-अप प्रदान किए गए परिणामों के आधार पर किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता पैदा करता है और कर्मियों को कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहित करता है जो उन्हें व्यक्तिगत रूप से और कार्यस्थल के भीतर लाभान्वित करेगा।

मणिपुर पुलिस ने 121 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय दंड संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 121 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-37 पर 221 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-2 पर 408 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 126 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

होजाई : रंगाली बिहू सम्मेलन का दो दिवसीय कार्यक्रम शुरू

होजाई (निसं)। रंगाली बिहू सम्मिलन (विष्णुपल्ली), होजाई के 24 वें वर्ष के बिहू का शुभारंभ आज कार्यक्रम के मुख्य अध्यक्ष डॉ. दिवाकर गोस्वामी ने ध्वज फहराकर किया। इस बार उक्त कार्यक्रम गंगा प्रसाद केडिया रोड स्थित भारत फील्ड (रूप कुंवार ज्योतिप्रसाद अगरवाला स्मृति भवन के निकट) में दो दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों के तहत मंगलवार व बुधवार (15 मई 2024) को आयोजित किया जा रहा है। ध्वजारोहण के पश्चात आमंत्रित कलाकारों द्वारा बिहू नृत्य पेश किया गया। जिसका उपस्थित लोगों ने जमकर आनंद लिया। इसके बाद भारत फील्ड से सांस्कृतिक शोभायात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुण: फील्ड परिसर में पहुंची। शोभायात्रा में मातृशक्ति, पुरुष, बच्चे, कई स्कूल के छात्र-छात्राएं काफी उत्साह में नजर आ रहे थे दो दिवसीय रंगाली बिहू के सफल आयोजन हेतू एक आयोजन समिति का गठन किया गया था। जिसमें मुख्य अध्यक्ष डॉ. दिवाकर गोस्वामी, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. साईदूल इस्लाम, तपन कर, सचिव पिंटू देव, कोषाध्यक्ष गाजेन्द्र नाथ

शर्मा के अलावा कई उप समितियां बनाई गई हैं। बिहू के दूसरे दिन यानी 15 मई 2024 बुधवार को सुबह 11 बजे से विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित होगी। संध्या-7 बजे से पुरस्कार वितरण, सांय 7.30 बजे से स्मारिका *रंगाली* का विमोचन के बाद 8 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रारंभ होगा जिसमें प्रसिद्ध गायिका रूपंकृता और अलंकृता व लोकप्रिय सांस्कृतिक समूह *तेजपुरिया थेस्पियन्स* अपनी प्रस्तुति देंगे। समिति के सदस्यों ने सभी होजाई वासियों से अनुरोध किया है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में उक्त कार्यक्रम में पधार कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं।

संपादकीय

पीएम की मुस्लिम अपील

बीते दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ टीवी चैनलों को साक्षात्कार दिए थे। उनमें उन्होंने मुसलमानों को 'आत्मचिंतन' करने की अपील की थी और नसीहत भी दी थी। यह पहला मौका है कि देश के प्रधानमंत्री को मुसलमानों की इस तरह मनुहार करनी पड़ी है। प्रधानमंत्री ने किसी पार्टी का वोट बैंक या बंधक बनने के बजाय खुले दिमाग से सोचने की नसीहत भी दी है। प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि एक सीधी लकीर की तरह वोट देना और वह भी हिंदू वर्चस्व या हिंदू-विरोध के नाम पर भाजपा जैसे राष्ट्रवादी दलों के खिलाफ मुसलमानों का वोट करना एक गलत और पूर्वाग्रही ट्रेंड है। मौजू सवाल है कि चुनावों के दौरान प्रधानमंत्री को मुसलमानों को, एक हद तक, मनाने या अपील करने को बाध्य क्यों होना पड़ा? हिंदू-मुस्लिम का चुनावी विभाजन तो 'जनसंघ' के दौर से रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि एक सीधी लकीर की तरह वोट देना और वह भी हिंदू वर्चस्व या हिंदू-विरोध के नाम पर भाजपा जैसे राष्ट्रवादी दलों के खिलाफ मुसलमानों का वोट करना एक गलत और पूर्वाग्रही ट्रेंड है। मौजू सवाल है कि चुनावों के दौरान प्रधानमंत्री को मुसलमानों को, एक हद तक, मनाने या अपील करने को बाध्य क्यों होना पड़ा? हिंदू-मुस्लिम का चुनावी विभाजन तो 'जनसंघ' के दौर से रहा है। पहले जनसंघ और बाद में भाजपा बुनियादी और वैचारिक तौर पर हिंदूवादी पार्टी रही है। यह दीगर है कि अच्छी तादाद में मुसलमान पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के दौर में भी भाजपा को वोट देते थे और आज प्रधानमंत्री मोदी के सूत्रवाक्य- 'सबका साथ, सबका विकास...' का समर्थन करते हुए 12-15 फीसदी मुसलमान भाजपा के पक्ष में वोट कर रहे हैं।

पहले जनसंघ और बाद में भाजपा बुनियादी और वैचारिक तौर पर हिंदूवादी पार्टी रही है। यह दीगर है कि अच्छी तादाद में मुसलमान पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के दौर में भी भाजपा को वोट देते थे और आज प्रधानमंत्री मोदी के सूत्रवाक्य-'सबका साथ, सबका विकास...' का समर्थन करते हुए 12-15 फीसदी मुसलमान भाजपा के पक्ष में वोट कर रहे हैं, लेकिन वह कभी भी 'निर्णायक' साबित नहीं हुआ। यकीनन देश की आजादी के बाद कांग्रेस अधिकांश समय सत्तारूढ़ रही। 1951 से 1975 तक तो कांग्रेस को कोई चुनौती ही नहीं थी, लिहाजा उसने अपनी चुनावी रणनीति के तहत मुसलमानों को 'वोट बैंक' की तरह बांधे रखा और दलितों, आदिवासियों, कुछ पिछड़ी जातियों में भी कांग्रेस के जनाधार बनाए। हालांकि केंद्र में वाजपेयी सरकार के 6 साल और मोदी सरकार के 10 साल के अलावा या तो कांग्रेस सत्ता में रही है अथवा बाहरी समर्थन से लडख़ड़ाती सरकारें बनवाई हैं। दरअसल जब कांग्रेस से अलग होकर या उसका विरोध करते हुए क्षेत्रीय दलों के उभार का दौर आया, तो मुसलमान सपा, बसपा, राजद और तृणमूल कांग्रेस आदि क्षेत्रीय दलों की ओर भी ध्रुवीकृत हुए। नतीजतन मुस्लिम वोट बंटते रहे हैं, लेकिन मुस्लिम आज भी मानसिक तौर पर कांग्रेस के साथ हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 'आत्मचिंतन' की नसीहत इसलिए दी है, ताकि मुसलमान सोच सकें कि जिन्होंने उन्हें वोट बैंक का बंधक बनाए रखा, उन्होंने आखिर क्या दिया है? मुसलमानों को क्या फायदे मिले हैं? इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी ने 1992 के कथित बाबरी मस्जिद विध्वंस, 2002 के गोधरा सांप्रदायिक दंगों का जिक्र किया है। किसी प्रधानमंत्री ने शायद यह भी पहली बार कहा है कि यदि एक सांप्रदायिक वृत्तांत गढने की कोशिश न की गई होती और मुसलमानों के रहनुमा बनकर अपने खेमे में बांधे रखने की सियासत नहीं की गई होती, तो ये दोनों दौर उतने भयावह न होते! उप्र के मुख्यमंत्री के तौर पर मुलायम सिंह को 'रामसेवकों' पर गोलियों की बौछार नहीं करनी पड़ती! प्रधानमंत्री ने तीन तलाक से लेकर शाहबानो तक के संदर्भ भी उठाए हैं। 'सच्चर कमेटी' के निष्कर्षों का भी जिक्र किया, लेकिन रंगनाथ मिश्रा आयोग का हवाला देने भूल गए अथवा उसे जरूरी नहीं समझा। उसी आयोग ने अनुशंसा की थी कि धार्मिक आधार पर भी आरक्षण दिया जा सकता है। मुसलमानों को अल्पसंख्यक के तौर पर 15 फीसदी में से 10 फीसदी आरक्षण दिया जाए। आयोग ने ओबीसी आरक्षण में से मुसलमानों को आरक्षण मुहैया कराने का भी रास्ता सुझाया था। बहरहाल संसद ने इस आयोग की सिफारिशें पारित नहीं होने दीं। दरअसल आज यह सवाल नहीं, बल्कि हकीकत है कि औसत मुसलमान को गरीबी, अशिक्षा, बदहाली और भुखमरी ही मिली। अब आम चुनाव में मुस्लिम आरक्षण के जरिए वोट बैंक को भुनाने की सियासी कवायद जारी है, जिसके पलटजवाब में प्रधानमंत्री मोदी को अपने दलित, आदिवासी और ओबीसी समर्थक जमातों को विश्वास दिलाना पड़ रहा है कि मोदी मुस्लिम आरक्षण लागू नहीं होने देगा। सारांश यह है कि मौजूदा दौर 'मुस्लिममय' हो गया है और हिंदू-मुस्लिम में विभाजित चुनाव हो गया है, लिहाजा प्रधानमंत्री को 'आत्ममंथन' करने की मनुहार तक करनी पड़ी है। इससे चुनाव के रुझान बदलने वाले नहीं हैं, क्योंकि करीब 90 फीसदी मुसलमान, गोधरा दंगों के दौर से, मोदी और भाजपा के प्रति कट्टर पूर्वाग्रही हो गए हैं।

कुत्सित राजनीति के माध्यम से भारत की जनता के मानस में ऐसे बीज बोने का ही काम करते हैं

लोकसभा चुनाव के दौरान रंग भेद की राजनीति

सुरेश हिंदुस्तानी

राजनेताओं के बयान सुनकर ऐसा लगने लगता है कि ये अपनी हदों को पार कर करने लगे हैं। अभी हाल ही में कांग्रेस के नेता सैम पित्रोदा के बयान की मीमांसा की जा रही है। इसके तारतम्य यही है कि इस नेता ने भारत में भेद पैदा करने के प्रयास किए हैं, जो कभी सफल नहीं होने चाहिए। भारत में जिस प्रकार से सामाजिक विघटन की राजनीति की जा रही है, उससे समाज की शक्ति का लगातार पतन ही हुआ है। कभी तुष्टिकरण तो कभी वोट बैंक की राजनीति के बहाने सामाजिक एकता की राह में अवरोध पैदा करने के प्रयास किये गए, जिसके कारण समाज के कई हिस्से अलग अलग दुकान खोलकर बैठ गए और इसकी आज की राजनीति ने इसे मुंह मांगा इनाम भी दिया।

लोकसभा चुनाव के दौरान राजनेताओं के बयान सुनकर ऐसा लगने लगता है कि ये अपनी हदों को पार कर करने लगे हैं। अभी हाल ही में कांग्रेस के नेता सैम पित्रोदा के बयान की मीमांसा की जा रही है। इसके तारतम्य यही है कि इस नेता ने भारत में भेद पैदा करने के प्रयास किए हैं, जो कभी सफल नहीं होने चाहिए। भारत में जिस प्रकार से सामाजिक विघटन की राजनीति की जा रही है, उससे समाज की शक्ति का लगातार पतन ही हुआ है। कभी तुष्टिकरण तो कभी वोट बैंक की राजनीति के बहाने सामाजिक एकता की राह में अवरोध पैदा करने के प्रयास किये गए, जिसके कारण समाज के कई हिस्से अलग अलग दुकान खोलकर बैठ गए और इसकी आज की राजनीति ने इसे मुंह मांगा इनाम भी दिया। जिसके कारण भारतीय समाज के बीच जो विविधता की एकता को दर्शाने वाली परंपरा रही, उसकी जड़ों में मट्ठा डालने का अनवरत प्रयास किया गया। यह सभी जानते हैं कि जिस देश का समाज कम से कम राष्ट्रीय मामलों पर एक स्वर व्यक्त करता है, वहां किसी भी प्रकार की सामाजिक बिखराव के प्रयास धूमिल ही होते है। लेकिन कुछ राजनीतिक दलों को यह सामाजिक एकता अच्छी नहीं लगती, इसलिए वह अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो वाली नीति अपनाते हुए ही अपनी राजनीति करते हैं। ऐसे लोगों को भारत की सांस्कृतिक एकता खटकती है। ऐसे लोग कुत्सित राजनीति के माध्यम से भारत की जनता के मानस में ऐसे बीज बोने का ही काम करते हैं, जो प्रथम दृष्टया विभाजनकारी ही कहे जा सकते हैं। ऐसे बयानों पर पूरी तरह से रोक लगनी चाहिए। क्योंकि यह विचार देश का भला नहीं कर सकता। अगर ऐसा विचार लेकर कोई राजनीतिक दल राजनीति करता है तो उसकी प्रासंगिकता पर भी सवाल हो सकते हैं। राजनीतिक दलों ने अपना स्वार्थ साधने के लिए पूर्व और पश्चिम को अलग पहचान के रूप में प्रचारित करने में जोर लगाया, तो वहीं उत्तर और दक्षिण के लोगों के मन में नफ़रत की दरार को और ज्यादा चौड़ा किया। जबकि हमारे देश के नायकों ने एक भारत के रूप में स्वतंत्रता प्राप्त की। आज की राजनीति को देखते हुए यही कहा जा सकता है कि उनके सपनों को पूरा करने का ईमानदारी से प्रयास नहीं किया जा रहा। इसी कारण कहीं जातिवाद को हवा दी रही है तो कहीं तुष्टिकरण का प्रयास किया जा रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि हमारे राजनीतिक दल समाज को एक करने की दिशा में कदम उठाएं। इससे समाज

का तो भला होगा ही, देश भी मजबूत होगा। वर्तमान में कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने अस्तित्व बरकरार रखने के जिस प्रकार का परिश्रम किया जा रहा है, वह निसंदेह आवश्यक भी था, लेकिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पिछले दो चुनावों की तरह इस बार भी पार्टी के इस अभियान को पलीता लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में शामिल विदेशी अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने जो बयान दिया है, उसे अनजाने में दिया बयान समझकर खारिज नहीं किया जा सकता, क्योंकि सैम पित्रोदा कांग्रेस नेताओं के बहुत ख़ास रहे हैं। यहां तक कि राहुल गांधी के विदेशी दौरे भी यही प्रबंधित करते हैं। सैम पित्रोदा ने जो बयान दिया है, उससे भारत की कांग्रेस ने भले ही किनारा कर लिया हो, लेकिन विदेशों में सैम पित्रोदा भारत को किस रूप में प्रस्तुत करते होंगे, इस बात का सहज़ अनुमान लगाया जा सकता है। सैम पित्रोदा के बयान का आशय यह भी निकाला जा सकता है कि वे भारत को एक देश के रूप में नहीं देख सकते। उनकी नजरों में शायद भारत की चारों दिशाओं में अलग अलग देश दिखाई देते हैं। कुछ ऐसे ही बयानों के कारण कांग्रेस अपने अस्तित्व से जूझ रही है। कुछ इसी प्रकार के बयान कांग्रेस के अन्य नेता भी देते रहे हैं। एक बार मैंने अपने एक लेख में लिखा था, जिसका उल्लेख अन्य लेखक भी कर चुके हैं कि कांग्रेस प्रधानमंत्री मोदी का विरोध करते करते अनजाने में देश का विरोध करने लगती है। हालांकि कांग्रेस नेताओं का आशय देश विरोध का नहीं होगा, लेकिन सवाल यह है कि कांग्रेस के नेता ऐसे बयान देते ही क्यों हैं, जिसका एक अर्थ ऐसा भी निकलता है, जिससे देश का विरोध होने का संकेत मिलता है। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा कांग्रेस के लिए कोई छोटा नाम नहीं है। वे कांग्रेस के मुख्य कर्ता धर्ताओं में गिने जाते हैं। हालांकि चुनाव में उनके बयान का विपरीत प्रभाव न हो, इसलिए सैम पित्रोदा का इस्तीफ़ा देना एक राजनीतिक कदम भी हो सकता है। अगर सैम पित्रोदा का इस्तीफ़ा लेना ही था तो उनके पहले दिए बयानों पर भी तो लिया जा सकता था। लेकिन कांग्रेस ने ऐसा नहीं किया। इससे कांग्रेस की सोच का पता चलता है और बैठे ठाले ही कांग्रेस ने भाजपा को एक और मुद्दा दे दिया। सैम पित्रोदा के बयान ने कांग्रेस की एक बार फिर से फ़जीहत करा दी। राहुल गांधी के इर्द गिर्द राजनीति करने वाले कांग्रेस के बड़े नेताओं के पलायन करने के बाद भी अगर शीर्ष नेतृत्व इस बात से अनभिज्ञ है कि कांग्रेस की ऐसी दुर्दशा क्यों हो रही है? तो स्वाभाविक ही है कांग्रेस को अपनी पिछली दो शर्मनाक पराजय का बोध भी नहीं हो सकता। अभी तक के राजनीतिक इतिहास में अपने सबसे बड़े दुर्दिनों का सामना कर रही कांग्रेस पार्टी समूहों में विभाजित होकर अवनति के मार्ग पर बेलगाम बढ़ती जा रही है। यह समस्याएं उसकी खुद की देन हैं। इसलिए यह कहा जा सकता है कि वर्तमान में कांग्रेस की राजनीति में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इसके पीछे बहुत सारे कारण हो सकते हैं, लेकिन सबसे बड़ा कारण यह भी माना जा रहा है कि आज की कांग्रेस में स्पष्ट दिशा और स्पष्ट नीति का अभाव सा पैदा हो गया है। उसके जिम्मेदार नेताओं को यह भी नहीं पता कि कौन से मुद्दे पर राजनीति की जानी चाहिए और किस पर नहीं। इसी कारण कांग्रेस का जो स्वरूप दिखाई दे रहा है, वह अविश्वसनीयता के घेरे में समाता जा रहा है। यह स्थिति जहां एक ओर कांग्रेस के वरिष्ठ नेतृत्व के प्रति अनास्था की धारणा को जन्म देने वाला कहा जा सकता है, वहीं यह भी प्रदर्शित कर रहा है कि राहुल गांधी युवाओं को आकर्षित करने में असफल साबित हुए हैं। इसमें उनकी अनियंत्रित बयानबाजी भी कारण है। हम जानते हैं कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक बार नहीं, बल्कि कई बार झूठे बयान दिए हैं, जिसमें वे माफी भी मांग चुके हैं। यह बात सही है कि झूठ के सहारे आम जनता को भ्रमित किया जा सकता है, लेकिन जब सत्य सामने आता है, तब उसकी कलई खुल जाती है। सबसे बड़ी विसंगति तो तब बनती है, जब अपने नेता के बयान को कांग्रेस के अन्य नेता समर्थन करने वाले अंदाज में निरर्थक रूप से पुष्ट करने का असफल प्रयास करते हैं। ऐसे प्रयासों से भले ही यह भ्रम पाल ले कि उसने केन्द्र सरकार को घेर लिया, लेकिन वास्तविकता यही है कि इसके भंवर में वह स्वयं ही फंसी नजर आती है।

दृष्टि कोण

क्या कहते हैं जीएसटी के आंकड़े?

कुछ समय से जीएसटी की बढ़ती प्राप्तियां देश की आर्थिकी में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। एक मई 2024 को जारी आंकड़ों के अनुसार देश में जीएसटी प्राप्तियां पहली बार 2 लाख करोड रुपए को लांघती हुई 2.10 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई हैं। पिछले साल के इस माह की तुलना में यह 12.4 प्रतिशत की वृद्धि है। लेकिन यदि रिफण्ड देने के बाद जीएसटी राशि की बात की जाए, तो यह अप्रैल 2024 में 1.92 लाख करोड़ रुपए है, जो अप्रैल 2023 की तुलना में 15.5 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है। यूं तो जीएसटी के प्रारंभ से ही, इसकी प्राप्तियों में निरंतर वृद्धि होती रही है, लेकिन वर्ष 2023-24 में जीएसटी की प्राप्तियां 20.18 लाख करोड़ रुपए की रही, जो वर्ष 2022-23 के 18.1 लाख करोड़ रुपए से 11.7 प्रतिशत अधिक थी। गौरतलब है कि 2022-23 की प्राप्तियां 2021-22 से 22 प्रतिशत अधिक थी। गौरतलब है कि जुलाई 2017 में देश के अधिकांश अप्रत्यक्ष करों (वस्तुओं व सेवाओं पर कर) को समाप्त करते हुए, उसके स्थान पर जीएसटी लगाया गया था। यह जीएसटी केंद्र और राज्यों को बीच बराबर बांट दिया जाता है। उसके अलावा वित्त आयोग की सिफारिश के अनुसार केंद्र के द्वारा लगाए गए करों का एक निश्चित प्रतिशत (जो वर्तमान में 42 प्रतिशत है), राज्यों को स्थानांतरित करने का प्रावधान है। इसके अनुसार भी राज्यों को जीएसटी का एक बड़ा हिस्सा मिलता है। जीएसटी के विभिन्न हिस्सों को यदि समझने का प्रयास करें तो अप्रैल 2024 में 2.1 लाख करोड़ रुपए की कुल जीएसटी प्राप्तियों में सेंट्रल जीएसटी 43846 करोड़ रुपए, स्टेट जीएसटी 53538 करोड़ रुपए, इंटीग्रेटिड जीएसटी 99623 करोड़ रुपए, जिसमें 37826 करोड़ रुपए आयातित वस्तुओं पर जीएसटी से प्राप्त हो रहा है। इसके अलावा 13260 करोड़ रुपए उपकर (सेस) के रूप में प्राप्त हुए, जिसमें 1008 करोड़ रुपए आयातित

वस्तुओं पर उपकर से प्राप्त हुए। जीएसटी वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन पर लगता है। इसकी खासियत यह है कि यह उत्पादन प्रक्रिया में हर बार के मूल्य संवद्र्धन यानी वैल्यू एडीशन पर लगता है। स्वाभाविक है कि देश में जैसे-जैसे वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन बढ़ता है, जीएसटी की दर समान रहने पर भी जीएसटी की प्राप्तियां बढ़ जाती हैं। कोविड के बाद पिछले कुछ वर्षों में जीडीपी ग्रोथ न केवल पहले से बेहतर हुई है, बल्कि बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत लगातार सबसे तेजी से बढने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। वर्ष 2021-22 में जीडीपी ग्रोथ 9.1 प्रतिशत, 2022-23 में 7 प्रतिशत रिकॉर्ड की गई। वर्ष 2023-24 के लिए अग्रिम अनुमानों के अनुसार 7.6 प्रतिशत जीडीपी ग्रोथ का अनुमान लगाया गया है। इस ग्रोथ में सभी क्षेत्रों का योगदान रहा। पिछले कुछ वर्षों में औद्योगिक ग्रोथ की दर बढ़ी है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक अप्रैल 2021 में 126.1 की तुलना में जनवरी 24 तक 153.0 तक पहुंच गया है। सेवा क्षेत्र में भी उल्लेखनीय ग्रोथ देखने को मिल रही है। औद्योगिक और सेवा क्षेत्र की ग्रोथ के चलते जीएसटी की प्राप्तियां बढना अस्वाभाविक नहीं है। चूंकि जीएसटी वस्तुओं के मूल्य पर लगता है, यह मात्र वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन बढने से ही नहीं, बल्कि मुद्रास्फीति, यानी कीमतों में वृद्धि के कारण भी बढ़ता है। पिछले तीन वर्षों में देश में मुद्रास्फीति की दर में भी वृद्धि हुई है। यह वृद्धि घरेलू कारणों से कम, विदेशी कारणों से ज्यादा हुई है। अमरीका, यूरोप समेत दुनिया के अधिकांश मुल्क मुद्रास्फीति से जूझ रहे हैं। लेकिन कारण जो भी हो, मुद्रास्फीति भी कुछ मात्रा में जीएसटी में वृद्धि का कारण बन रही है। भारत में उत्पादन का बहुत बड़ा क्षेत्र अनौपचारिक यानी नॉन-फार्मल रहा है और कुछ हद तक आज भी है। लेकिन पिछले कुछ समय से कुछ स्वाभाविक कारणों से और कुछ हद तक जीएसटी लागू होने से अर्थव्यवस्था का औपचारीकरण बढ़ा है। समझना होगा कि पूर्व की उत्पादन प्रक्रिया पर लगे जीएसटी का क्रेडिट आगामी उत्पादन में तभी मिल सकता है, जब उत्पादन प्रक्रिया में संलग्न सभी घटक जीएसटी में पंजीकृत हों। इस कारण से भी अर्थव्यवस्था का औपचारीकरण बढ़ा है, जिसके चलते जीएसटी की प्राप्तियां भी बढ़ रही हैं। देखा गया है कि जीएसटी की प्राप्तियों में आयात पर लगाए गए कर और उपकर (सेस) भी शामिल हैं। उस दृष्टि से उपकर मिलाकर अप्रैल 2024 में आयात से कुल जीएसटी प्राप्तियां 38834 करोड़ रुपए की हैं।

कुछ अलग

भविष्य पुराण...

दिलीप कुमार अभिनीत फिल्म 'गोपी' में राजेन्द्र कृष्ण के गीत 'रामचंद्र कह गए सिया से ऐसा कलियुग आएगा' पर भविष्य पुराण का कितना असर है, इस बारे कहना कठिन है। गीत में हंस के दाना दुनका चुगने और कौए के मोती खाने का जिक्र तो है, पर गधों और घोड़ों का कहीं उल्लेख नहीं आता। जबकि केन्द्र सरकार के एक प्रभावशाली मंत्री पिछले दिनों अपने सम्बोधन में कह रहे थे कि अजब दौर है कि घोड़ों को घास नहीं मिलता, पर गधे च्यवनप्राश खा रहे हैं। इससे इतना तो तय है कि वह ख़ुद को घोड़ा बता रहे थे। लेकिन वह जिन गधों की तरफ इशारा कर रहे थे, वे सत्ता का भरपूर आनन्द लूट रहे हैं। भविष्य पुराण में न गधों और घोड़ों का जिक्र है और न ही 21वीं सदी का। सत्ता का चरित्र हर युग में एक जैसा ही रहता आया है और आम आदमी की किस्मत भी। भविष्य पुराण के चार पर्वों में शामिल प्रतिसर्ग पर्व में घटनाएं घटित होने के बाद कालान्तर में जोड़ी गई हैं। ऐसे में इसे भविष्य पुराण कहा जाए या अतीत पुराण, इसका फैसला आप ही करें। लेकिन मैं कलियुग के उन लक्षणों का हवाला अवश्य देना चाहूंगा जिसके बारे में श्रीराम ने सीता को बताया था। पंचवटी में सावन की घटाओं का आनन्द उठाते हुए अपनी कुटिया में बैठे प्रभु श्रीराम से जब सिया ने कलियुग के लक्षणों के बारे में पूछा तो प्रभु ने कहा कि घोर कलियुग के दौर में न धर्म बचेगा और न ही कर्म। ऐसे में शर्म होने या आने के सवाल स्वतः समाप्त हो जाएंगे। राजा और प्रजा, दोनों नैतिक रूप से नग्न होकर घूमेंगे। कहने को लोकतंत्र होगा। लोगों को अपना राजा चुनने का अधिकार होगा। पर चुना हुआ राजा तमाम तरह के कुकर्मों पर आंखें मीचे अपने कुकर्मी सामन्तों को अभयदान प्रदान करता रहेगा। कोतवाल बलात्कारियों को सलाम ठोकेंगे। अगर कहीं पकड़े जाने की नौबत आई तो वे राज्य की मदद से विदेश भाग जाएंगे। राजस्व पर हाथ साफ करने वालों को राजा की शरण में जाने पर न केवल अभयदान मिलेगा बल्कि सामन्ती भी प्राप्त होगी। अपने कुकर्मों को छिपाने के लिए राजा मेरे नाम पर वोट मांगेगा। सामन्त राजा के साथ मेरे नाम का कीर्तन करेंगे। राजा अपने फायदे के लिए प्रजा की गैसलाइटिंग करेगा अर्थात मनोवैज्ञानिक तौर पर उसे धोखे में रखते हुए इस तरह भ्रमित करेगा कि प्रजा अपने विचारों और ख़ुद की क़ाबिलियत पर शक करने लगेगी। प्रजा के पेट में रहने वाले कीड़े उसके दिमाग़ में अपना घर बना लेंगे। राजा आत्ममुग्धता का इतना अधिक आदी होगा कि जगह-जगह उसके फोटो वाले होर्डिंग और बोर्ड लगे होंगे। यहां तक कि राज्य द्वारा बनाए जाने वाले सार्वजनिक शौचालयों के बाहर, दरवाज़ों और टॉयलेट पेपर पर भी उसके फोटो चिपके होंगे। अपनी छवि निर्माण के लिए वह झूठ का इस क़दर सहारा लेगा कि झूठ भी 'त्राहिमाम त्राहिमाम' कर उठेगा। अपनी छवि चमकाने के लिए राजा सरकारी मशीनरी से इतना प्रचार करेगा कि कालान्तर में यह अभियान प्रोपेगेंडा या अधिप्रचार में बदल जाएगा। लेकिन इसमें प्रजा भी बराबर की हिस्सेदार होगी। सतयुग से अपने उत्थान के लिए किसी अवतार की परिकल्पना में खोई रहने वाली प्रजा कलियुग में सरकारी सुविधाओं का उपभोग करते हुए अपने कत्र्तव्यों से विमुख रहेगी। अगर मुफ्त में ज़हर भी बंटेगा तब भी लोग यह सोचकर, उसे लेने के लिए क़तारबद्ध हो जाएंगे कि लेकर रख लेते हैं, कभी न कभी तो यह काम आएगा ही।

देश दुनीया से

केजरीवाल को जमानत

केजरीवाल की इस मामले में संलिप्तता को लेकर अभी प्रवर्तन निदेशालय जाँच कर ही रहा था कि केजरीवाल ने देश की सबसे बडी कचहरी में यही अर्ज़ी लगा दी कि उनका तो शराब घोटाले वाले मामले से कोई सम्बध नहीं है । उनको बिना किसी कारण से पकड़ लिया गया है । इसलिए उनके खिलाफ की जा रही जाँच को बन्द करके उन्हें रिहा कर दिया जाए । बाक़ी उनके वकील इस मामले में ज्यादा तर्क यह भी दे रहे थे कि चुनाव का मौसम है और केजरीवाल दिल्ली के निर्वाचित मुख्यमंत्री भी हैं , इसलिए और नहीं तो उनके मुवक्किल को चुनाव में प्रचार करने के लिए ही छोड़ दिया जाए । सबसे बडी कचहरी को उनके वकीलों का यह तर्क मज़ेदार लगा । इसलिए कचहरी ने स्वयं ही सुझाव दिया कि इसके लिए अंतरिम ज़मानत के लिए अर्ज़ी लगाओ तो देखते हैं ।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल शराब घोटाले में जेल में थे । वे इधर उधर सभी प्रकार के न्यायालयों में ज़मानत के लिए अर्ज़ी लगा रहे थे । जब जेल में दिल का दौरा पड़ने से मुख़्तार अंसारी की मौत हुई और उसके रिश्तेदारों ने कहना शुरू कर दिया कि जेल में उन्हें ज़हर दिया गया था , तो केजरीवाल ने भी कहना शुरु कर दिया था कि उन्हें भी जेल में ज़हर ही दिया जा रहा है । लेकिन उन्हें कचहरी से राहत नहीं मिली । उनके दो और साथी इसी शराब घोटाला मामले में साल भर से भी ज्यादा समय से जेल में हैं । लाख अर्ज़ियाँ लगाने के वाबजूद उन्हें ज़मानत नहीं मिली । केजरीवाल की इस मामले में संलिप्तता को लेकर अभी प्रवर्तन निदेशालय जाँच कर ही रहा था कि केजरीवाल ने देश की सबसे बडी कचहरी में यही अर्ज़ी लगा दी कि उनका तो शराब घोटाले वाले मामले से कोई सम्बध नहीं है । उनको बिना किसी कारण से पकड़ लिया गया है । इसलिए उनके खिलाफ की जा रही जाँच को बन्द करके उन्हें रिहा कर दिया जाए । बाक़ी उनके वकील इस मामले में ज्यादा तर्क यह भी दे रहे थे कि चुनाव का मौसम है और केजरीवाल दिल्ली के निर्वाचित मुख्यमंत्री भी हैं , इसलिए और नहीं तो उनके मुवक्किल को चुनाव में प्रचार करने के लिए ही छोड़ दिया जाए । सबसे बडी कचहरी को उनके वकीलों का यह तर्क मज़ेदार लगा । इसलिए कचहरी ने स्वयं ही सुझाव दिया कि इसके लिए अंतरिम

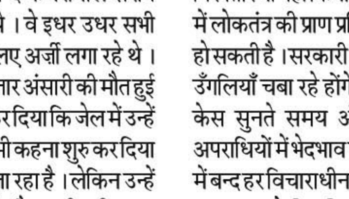

ज़मानत के लिए अर्ज़ी लगाओ तो देखते हैं । अब अर्ज़ी लगाने में भला कितनी देर लगती । तब अर्ज़ी पर बहस शुरु हुई । दोनों ओर से वकील कचहरी में डट गए । केजरीवाल के वकीलों का तो तर्क वही था कि 'लोगों के चुने हुए मुख्यमंत्री' जेल में हैं और चुनाव का मौसम है । केजरीवाल जेल से बाहर न निकाले गए तो देश में लोकतंत्र और संविधान दोनों ख़तरे में पड जायेंगे । यहाँ तक कहा गया कि केजरीवाल को तो पकड़ा ही इसलिए गया है ताकि वे प्रचार न कर सकें । बाक़ी शराब घोटाला तो बहाना है । इतना ही नहीं , प्रवर्तन निदेशालय की हिमाक़त तो देखें कि केजरीवाल को तब पकड़ा गया जब देश में आदर्श चुनाव संहिता लागू हो चुकी थी । वैसे ये तर्क सुन कर देश का आम आदमी तो सिर पीट रहा था । अभी तक तो यही माना जा सकता था कि चुनाव संहिता के दिनों में सरकार कोई ऐसा काम नहीं कर सकती , जिस से मतदाताओं को प्रभावित किया जा सके । लेकिन अब यह भी कहा जा रहा था चुनाव संहिता के दिनों में किसी तथाकथित अपराधी को भी गिरफ्तार भी नहीं किया जा सकता । बस एक ही रट थी कि देश में लोकतंत्र की प्राण प्रतिष्ठा केजरीवाल के बाहर आने से ही हो सकती है । सरकारी वकील यह सब सुन सुन कर दाँतों तले उँगलियाँ चबा रहे होंगे । सरकारी वकील गा कहना था कि केस सुनते समय और न्याय करते समय तथाकथित अपराधियों में भेदभाव नहीं करना चाहिए । इस प्रकार तो जेल में बन्द हर विचाराधीन व्यक्ति को कोई न काम लगा ही रहेगा । उदाहरण के लिए किसान कहेगा , हजूर बिठाई गा समय आ गया है । महीना भर में चला जाएगा । इसलिए दस दिन के लिए ज़मानत दे दें , गेहूँ बीज कर वापिस आ जाऊँगा । जितना जरुरी चुनाव में प्रचार करना है , शायद उससे भी ज्यादा जरुरी खेत में गेहूँ बोना है । वैसे भी राजनीतिज्ञों के तो मज़े लग जाँएगे । चुनाव तो पाँच साल चला ही रहता है । जैसे केजरीवाल साल भर से ईडी को कह ही रहे थे , सअपने समन सम्भाल कर रखो , मुझे पाँच राज्यों के चुनाव में प्रचार करना है । चुनाव निकल गया तो ईडी ने फिर समन भेजने शुरू कर दिए तो केजरीवाल ने फिर झिड़क दिया कि आपको शराब घोटाला की पड़ी है , इधर राज्य सभा के चुनाव सिर पर मँडरा रहे हैं । ईडी फिर हाथ मलती रही । ईडी ने कहा भी कि भाई , आपको अपराधी कौन कह रहा है , आप आ कर जाँच में शामिल हो जाएँ , ताकि पता तो चले कि शराब घोटाला का मामला कैसे हुआ । लेकिन केजरीवाल तो पैरों पर पानी नहीं पड़ने दे रहे थे । कभी कहने लगे सवाल लिख कर भेज दो , सिफ़र देख लेंगे । कभी कहने लगे वर्चुअल पूछ लो । ईडी परेशान कि यदि हर व्यक्ति ईडी को ही बताने लगे कि जाँच कैसे करनी है तब तो किसी केस की जाँच हो ही नहीं सकती । केजरीवाल की इसी ड्रामेबाज़ी के चलते लोक सभा के चुनाव आ गए । तब ईडी को लगा कि कोई न कोई चुनाव तो होते रहेंगे और केजरीवाल उसी की आड लेकर जाँच का सामना करने से बचते रहेंगे । पानी सिर के ऊपर तक ही आ गया था । तब ईडी ने केजरीवाल को एक और समन भेजा और इस बार उसने और रास्ता निकाला कि इस बात का इंतज़ार न किया जाए कि वे जाँच में शामिल होने के लिए आते हैं या नहीं । इसलिए उनके घर जाकर ही पूछताछ कर ली जाए । जब ईडी के अधिकारी उनके घर पूछताछ करने पहुँचे तो उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने ईडी अधिकारियों को घर के अन्दर जाने से रोकने की कोशिश भी की । लेकिन अन्ततः पिछले कई महीनों के संघर्ष के बाद केजरीवाल ईडी के सामने थे ।

आप का नजरीया

75 सीटों पर हो गया है दिलचस्प सीन

आम चुनाव अब अपने सेकंड हाफ में पहुंच गया है। ऐसे में अब सियासत बस चुनाव प्रचार तक सीमित नहीं रह गई है। तमाम राजनीतिक दल 4 जून की संभावित सियासी तस्वीर को समझने और decode करने में जुट गए हैं। हालांकि पक्ष-विपक्ष, दोनों पूरे आत्मविश्वास से यही बताने में लगे हैं कि अभी तक हुई वोटिंग उनके पक्ष में जाती दिख रही है। लेकिन सियासत में कई अनकहे सवालों के बीच ही आने वाले कल के भी संकेत छुपे होते हैं। चार चरणों के चुनाव के बाद जिस एक बात पर सभी सहमत हैं, वह है कि वोटिंग ने सभी का गणित बिगाड़ दिया है। इसके चलते इस बार चुनाव में बूथ मैनेजमेंट सबसे अहम फैक्टर हो गया है। बिना लहर वाले सामान्य चुनाव में वोटिंग ट्रेंड बहुत ही नियमित है। यह भी तय है कि इसमें 2019 के मुकाबले कुछ गिरावट तो होगी ही। चार राउंड के बाद दल यह तय कर रहे हैं कि किसका वोटर कम निकला है। सभी दलों में समीक्षा करने का भी दौर तेज है। हर उस जगह से फीडबैक लिए जा रहे हैं। कई सीटों पर अपेक्षाकृत कम वोट पड़े हैं तो कुछ जगहों पर उम्मीद से अधिक। पूरा सीन तो 4 जून को नतीजे के आने के बाद ही साफ होगा, लेकिन सभी इस बारे में अपने-अपने हिसाब से अर्थ तो निकाल ही रहे हैं। वोटिंग ट्रेंड का नजदीकी आकलन कर रहे समीक्षकों के अनुसार, इस बार बहुत ही अलग बात सामने आ रही है। एक ही संसदीय क्षेत्र में अलग-अलग विधानसभा से लेकर गांव-शहरी क्षेत्रों वाले इलाके में वोटिंग में बड़ा अंतर देखा जा रहा है। स्वाभाविक ही, इसका राजनीतिक संदेश बदल जा रहा है। कुछ इलाकों में BJP ने माना कि उसके मजबूत इलाकों में अधिक वोटिंग हुई, तो कहीं इसका उलटा होने का भी दावा किया गया है। ऐसे ही दावे विपक्षी दलों की ओर से किए जा रहे हैं। जाहिर है वोटिंग ट्रेंड ने आम चुनाव की जंग कांटे की बना दी है। जानकारों के अनुसार, नजदीकी मुकाबले में जो राजनीतिक दल अपने-अपने वोटरों को बूथ तक भेजने में सफल होगा, वह अधिक लाभ में रहेगा। खासकर ऐसे मुकाबले में, जहां पिछले दो चुनावों से जीत-हार का अंतर मामूली रहा है। 2019 के आम चुनाव में लगभग 75 ऐसी लोकसभा सीटें थीं, जहां टक्कर एकदम कांटे की थी। इन सीटों पर जीत-हार का अंतर 20 हजार से भी कम वोटों का था। कम वोटिंग होने से ऐसी सीटों पर बहुत असर पड़ेगा और परिणाम किसी भी तरफ झुक सकता है। आमतौर पर अधिक वोटिंग होने से ऐसा संदेश जाता है कि यह परिवर्तन के लिए उमड़ी भीड़ है जबकि वोटिंग में उदासीनता बताती है कि वोटरों में इसके प्रति उत्साह नहीं, जिसे सत्ता पक्ष अपने लिए उम्मीद के रूप में देखता है। हाल के दिनों में तमाम दूसरे चुनावों को देखें तो हर चुनाव में वोटिंग में औसतन सात से दस फीसदी की वृद्धि होती रही है। ऐसे में इन दोनों ट्रेंड के बीच भी कई बार उलटे परिणाम देखने को मिले। इस बार कई राज्यों में वोटिंग 2014 के मुकाबले या तो कम हुई या लगभग उसी अनुरूप हुई। यही कारण है कि पिछले कुछ दिनों से सभी राजनीतिक दलों ने वोटिंग के बाद अपनी रणनीतिक मीटिंग की और ग्राउंड से फीडबैक लिया। अब वोटिंग मूल रूप से हिंदी भाषी क्षेत्रों और शहरी इलाकों में होगी।

पीएम मोदी को रिकॉर्ड मतों से विजयी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं काशीवासी : योगी

वाराणसी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव के लिए मंगलवार को वाराणसी से तीसरी बार नामांकन किया। नामांकन के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। वहीं, अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट *एक्स* पर प्रधानमंत्री के नामांकन पर मुख्यमंत्री ने लिखा कि 140 करोड़ भारतीयों के सुख, समृद्धि और संतुष्टि के लिए साधनारत, भारत के *अमृतकाल के सारथी* प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज लोकसभा चुनाव के लिए वाराणसी से अपना नामांकन किया। सीएम ने लिखा कि हर काशीवासी अपने गौरव, अपने प्रिय सांसद प्रधानमंत्री को रिकॉर्ड मतों से विजयी बनाने के लिए पूरे मन और पूरी ऊर्जा के साथ प्रतिबद्ध हैं। हर-हर महादेव! हर हर गंगे!

मजबूत भारत के लिए मोदी सरकार की जरूरत : केशव प्रसाद मौर्य

उपमुख्यमंत्री ने कप्तानगंज विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशी हरीश द्विवेदी के समर्थन में मांगे वोट

बस्ती (हिंस)। लोकसभा चुनाव को लेकर कप्तानगंज विधानसभा क्षेत्र के शिवपुर में भाजपा प्रत्याशी हरीश द्विवेदी के जनसभा को संबोधित करने मंगलवार को उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य पहुंचे। उन्होंने मंच से जनता से कहा कि 2019 में मोदी के नाम की आंधी चल रही थी, 2024 में सुनामी चल रही है। 2014 और 19 में जनता ने कमल का बटन नहीं दबाया होता तो धारा 370 नहीं हटती और चार करोड़ गरीबों को छत नहीं मिली होती। भव्य राम मंदिर के निर्माण का सपना पूरा नहीं होता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के साथ कई दलों का गठबंधन है जिनका एक ही उद्देश्य है किसी तरह सत्ता हथिया लें और मनचाहा प्रधानमंत्री बना दें। भाजपा के 10 सालों के शासन में पाकिस्तान घुटनों पर आ गया है, उसके हाथ में कटोरा है। पाकिस्तान में कांग्रेस का डंका बज रहा है। देश में इंडी गंठबंधन की सरकार बनी तो सबसे ज्यादा खुशी पाकिस्तान को होगी। उपमुख्यमंत्री ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव को निशाने पर लेते हुए कहा कि संविधान खतरे में नहीं है बल्कि दोनों की राजनीति पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। 2024 में जनता इन दोनों की राजनीति खत्म कर देगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सबका साथ सबका विकास के सिद्धांत पर काम करती है, लेकिन कांग्रेस का सिद्धांत सबका साथ मुसलमानों का विकास है। अभी अयोध्या का विकास आपने देखा है, मथुरा काशी को भी इसी तर्ज पर विकसित करना है। मोदी ने नारा दिया था न खाऊंगा न खाने दूंगा और जो

खा लिया है उससे पाई पाई वसूल करूंगा। कांग्रेस की सरकार थी तो गरीबों को अमीर और अमीरों को गरीब दिखाकर सरकारी धन की लूट की। कांग्रेस को गरीबों की भलाई रास नहीं आ रही है। मोदी जी के कार्यकाल में पाकिस्तान कटोरा लेकर भीख मांग रहा है। इससे पहले भारत दुनिया के सामने गिडगिड़ाता था। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि समाजवादी पार्टी समाप्तवादी पार्टी बनने जा रही है। कन्नौज से अखिलेश यादव चुनाव हार चुके हैं, सिर्फ गिनती बाकी है। उन्होंने मंच से भाजपा सांसद हरीश द्विवेदी द्वारा कराए गए विकास कार्यों को गिनाते हुए जनता से उनको जिताने की अपील की। उन्होंने कहा आपने सपा-कांग्रेस के गठबंधन में भी हरीश द्विवेदी को चुनकर भेजा था। आज इंडी गठबंधन लड़ रहा है, पिछली बार से ज्यादा वोटों से हरीश द्विवेदी को जिताकर संसद भेजना होगा। उन्होंने दो बार लगातार हरीश द्विवेदी को चुनाव जीतने पर जनता का आभार जताया। उन्होंने भीड़ से हाथ उठवाकर पूछा, मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनायेंगे क्या? भीड़ से आवाज आई बनाएंगे। उपमुख्यमंत्री के आगमन पर पुलिस प्रशासन की ओर से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

जन अधिकार के लिए लड़ने वाले पंकज यादव को अंतर्राष्ट्रीय सम्मान

रांची (हिंस)। झारखंड के सोशल एक्टिविस्ट पंकज कुमार यादव को अंतर्राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया गया है। मंगलवार को मिली जानकारी के अनुसार उन्हें यह सम्मान सोमवार को मेडागास्कर की राजधानी अन्टाननरीवो में दी गई है। उन्हें यह सम्मान ओरफिलिनत होप नामक अंतर्राष्ट्रीय संस्था ने दी है। पंकज यादव झारखंड में जनाधिकार के प्रति लोगों को जागरूक करने, पब्लिक राइट के हक की लड़ाई लड़ने सहित अन्य जनहित में किए गए कार्यों के लिए इन्हे सम्मानित किया है। मेडागास्कर सरकार के सहयोग से संचालित इस अंतरास्ट्रीय संस्था ने पंकज के सम्मान में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया था। संस्था के बच्चों के बीच पंकज यादव ने झारखंड में किए गए जनहित कार्यों का उल्लेख किया। भारत में जनता के लिए बनाए गए शिक्षा के अधिकार, भोजन के अधिकार, सेवा के अधिकार, स्वास्थ के अधिकार सहित अन्य अधिकार और कर्तव्यों की जानकारी दी। मेडागास्कर के बच्चों ने उत्सुकता से भारत के लोगों और बच्चों को दिए गए अधिकारों को सुना तथा अपने अनुभव शेयर किए।

मेनका गांधी जीत की नहीं, लीड की लड़ाई लड़ रही हैं : एके शर्मा

सुलतानपुर (हिंस)। प्रदेश के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने कहा कि युवा भारत का भाग्य विधाता है। भाजपा सरकार युवाओं के सपने को पंख देने का काम कर रही है। हम युवाओं के बल पर 2024 के लोकसभा चुनाव में इतिहास रचेंगे और युवा एक नए भारत का निर्माण करेगा। वह मंगलवार को कुड़वार के एक मैरिज लॉन में सिटिंग सांसद व बीजेपी प्रत्याशी सांसद मेनका संजय गांधी के समर्थन में बतौर मुख्य अतिथि युवा सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने युवाओं से मेरा बूथ सबसे मजबूत की अवधारणा को साकार करने की अपील की। श्रीमती गांधी के विकास कार्यों व उनके कार्यशैली की सराहना की। उन्होंने कहा सुलतानपुर का सौभाग्य है कि आपको मेनका गांधी जैसी परिश्रमी व जनता के बीच में रहने वाली सांसद मिली हैं। यह सुलतानपुर के विकास को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। यह सुलतानपुर को यूपी का नम्बर एक जिला बनाएंगी। उन्होंने कहा मेनका

गांधी के जीत की नहीं लीड की लड़ाई लड़ रही हैं। उन्होंने कहा नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भर बन रहा है। इसके लिए पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर बन रहे औद्योगिक कोरिडोर से सुलतानपुर के हजारों युवाओं को नौकरी मिलेगी। जिसके लिए युवाओं को तकनिकी शिक्षा भी देनी आवश्यक है। आपकी लोकप्रिय सांसद ने यह प्रण किया है कि जिले में आईटीआई, पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग कॉलेज खोलेंगे जाएंगे। जिससे युवाओं को रोजगार मिलने में आसानी हो और वह भी विदेशी कंपनियों के कर्मियों की तरह वेतन और सुविधाएं अपने ही घर में रहते हुए पा सकें। श्री शर्मा ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में 2014 के बाद बड़ा परिवर्तन देश में आया है। अब देश डिफेंस सहित हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है। भारत जल्द ही पांचवें से दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनेगा। वहीं वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने कि दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने अपने मंत्रालय का रिपोर्ट कार्ड पेश करते हुए बताया कि आने वाले समय में 1000 करोड़ रुपए से 22 से 23000 मजरों का विद्युतकरण कर रोशनी पहुंचाई जाएगी। उन्होंने सुल्तानपुर में विद्युत विभाग द्वारा बदले गए जर्जर तारों, ट्रांसफार्मर के उच्चीकारण और नए विद्युत पोल लगाने के हुए कार्यों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में जिले में 1600 से अधिक ट्रांसफार्मरों की या तो क्षमता वृद्धि की गई है या बदले गए हैं। 21191 नए खंबे सुल्तानपुर जिले में लगाए गए हैं, जिसमें 996 कुड़वार में लगे हैं। साथ ही 350 ट्रांसफार्मर कुड़वार में सिर्फ बदले या उच्चकृत किए गए हैं। निर्बाध एवं उच्च श्रेणी की विद्युत अपूर्ति देने के लिए 1092 किलोमीटर जार्जर तार बदला जा चुका है। जिसमें कुड़वार में ही लगभग 100 किलोमीटर तार बदला गया है। उन्होंने नगर विकास के क्षेत्र में हुए कार्यों की चर्चा करते हुए बताया कि 2022-23 में सुल्तानपुर को नगर विकास मंत्रालय ने विभिन्न योजनाओं के लिए कुल 52 करोड़ वहीं 23-24 में 71 करोड़ रुपए नगर पालिका व नगर पंचायत को दिया है। श्री शर्मा ने कहा कि सम्मेलन में उपस्थित युवाओं को एकजुट होकर मतदान के प्रतिशत को बढ़ाना है। यह सुनिश्चित करना है कि एक भी मतदाता अपने मतदान केंद्र से बाहर न जाए। इसके लिए आपको बूथ अध्यक्ष और पन्ना प्रमुख के साथ कंधे से कन्धा मिलाकर सभी मतदाताओं से संपर्क उन्हें मतदान के लिए प्रेरित करना है और अपना बूथ सबसे मजबूत बनाना है।

प्रियंका गांधी जालोर आईं थीं, सचिन आते तो सब वेलकम करते पर बेवकूफी भरा बयान दिया : गहलोत

जयपुर (हिंस)। लोकसभा चुनावों के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत की सीट (जालोर-सिराही) पर प्रचार करने नहीं जाने के मुद्दे पर अब खींचतान शुरू हो गई है। सचिन पायलट ने कहा था कि उन्हें जालोर प्रचार के लिए बुलाया नहीं। अब अशोक गहलोत ने पायलट के बयान को बेवकूफी से जोड़ते हुए हमला बोला है। अमेठी, उत्तरप्रदेश में एक इंटरव्यू के दौरान गहलोत ने कहा कि यह अनावश्यक मुद्दा बनता है या कई बार बनाया जाता है। चुनाव के वक्त किसी को ऐसे कमेंट नहीं करने चाहिए। ऐसी बेवकूफी भी नहीं करनी चाहिए कि मुझे बुलाया नहीं गया। मैं गया नहीं। इसका ऐसा कोई मतलब नहीं होता है। वो बयान भी नहीं देना चाहिए था। उस बयान की जरूरत नहीं थी। गहलोत ने कहा कि प्रियंका गांधी वहां (जालोर-सिरोही) पर आई थीं। सचिन पायलट साथ आते तो कोई दिक्कत नहीं थी। सब उनका वेलकम करते। चुनाव में अब बहुत कम टाइम मिलता है। मुझे जयपुर ग्रामीण से कांग्रेस के युवा उम्मीदवार अनिल चौपड़ा ने प्रचार के लिए बुलाया था। मेरे ओएसडी से उनकी बात हुई थी। मेरा प्रोग्राम नहीं बन पाया था। अब मैं यह बयान दूं कि मैं अनिल चौपड़ा के यहां जाना चाहता था, मुझे इनवाइट नहीं किया। यह अच्छी बात नहीं। इससे पब्लिक में गलत मैसेज जाता है कि गहलोत क्यों नहीं आए या क्यों नहीं बुलाए गए। अनावश्यक उम्मीदवार को नुकसान होता है। चुनाव में कभी इस तरह नहीं बोलना चाहिए। चुनाव में कोई बुलाता है, कोई नहीं बुलाता है। सब अपने समीकरण देखते हैं। हर उम्मीदवार अपने हिसाब से प्रचार के लिए नेताओं को बुलाता है। कांग्रेस के कंट्रोल रूम में रिक्वेस्ट करता है। यह मुद्दा नहीं होना चाहिए। गहलोत ने कहा कि चुनावों के दौरान इस तरह के बयानों से मैं बचता हूं। मैंने कोई बयान नहीं दिए कि मुझे क्यों नहीं बुलाया? मान लीजिए मैं किसी को सूट नहीं करता तो नहीं बुलाएगा। मैं जाऊंगा तो कास्ट इक्वेशन बिगड़ जाएंगे। वो उम्मीदवार नहीं बुलाएगा।

करंट लगने से मां-बेटी की मौत, ससुर भी झुलसा

पाली (हिंस)। सिरियारी थाना के तहत गांव गुड़ा चतरा में (ठहडा की ढाणी) में मंगलवार को एक खेत पर बने मकान के लोहे की खिड़की में फैले करंट की चपेट में आने से मां-बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में मृत महिला का ससुर गंभीर रूप से झुलस गया, जिन्हें देवगढ़ हॉस्पिटल रेफर किया गया है। सिरियारी थाना प्रभारी गीता सिंह ने बताया कि खेत पर बने मकान पर मंजू अपने ससुर और बेटी के साथ रहती थी। उसका पति बन्ने सिंह कामकाज के सिलसिले में उड़ीसा रहता है। मंगलवार को गुड़ा चतरा (ठहडा की ढाणी) में खेत पर बने मकान पर बिजली का तार टूट कर गिर गया था। इससे मकान की लोहे की खिड़की में करंट फैल गया। इस बात से परिवार बेखबर था। सुबह खेलते समय डेढ़ साल की मासूम हर्षिता ने खिड़की को छू लिया और उसे करंट लग गया। करंट की चपट में आई अपनी बेटी को बचाने के लिए 27 साल की मां मंजू कंवर पत्नी बन्ने सिंह रावत राजपूत ने उसे छुड़ाने का प्रयास किया लेकिन वह भी करंट की चपेट में आ गई। दोनों मां-बेटी को करंट लगता देखकर मंजू के 70 साल के ससुर कानसिंह पुत्र हजारी सिंह रावत ने दोनों को बचाने का प्रयास किया लेकिन वह भी गंभीर रूप से झुलस गया। हादसे में गुड़ा चतरा (ठहडा की ढाणी) निवासी मंजू और उसकी डेढ़ साल की बेटी हर्षिता की मौत हो गई।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने किया सांकेतिक प्रदर्शन

भागलपुर (हिंस)। विभिन्न समस्याओं को लेकर तिलकामांझी विश्वविद्यालय में विगत कई दिनों से लगातार एबीवीपी के कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं। एबीवीपी कार्यकर्ता कुलपति भगाओ विश्वविद्यालय बचाओ अभियान चला रहे हैं। मंगलवार को भी एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय में सांकेतिक प्रदर्शन किया। संगठन के प्रदेश सदस्य कुणाल पांडेय ने कहा कि कुलपति अपने आवास में ढाई लाख का पर्दा लगा सकते हैं। लेकिन छात्रों की जिंदगी से उन्हें कोई मतलब नहीं है। यहां बीएड कालेज है लेकिन छात्रों को पढ़ाने के लिए शिक्षक नहीं है। कुलपति ने मोटी रकम लेकर उन्हें मान्यता दिया है। इस तरह की अनेक समस्या विश्वविद्यालय में कुलपति के संरक्षण में व्याप्त है। एक तरह से यहां के तमाम कुलपति के सहयोगी भ्रष्टाचार में लिप्त है। उन्होंने कहा कि छात्र विरोधी नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन जारी रहेगा।

भीषण गर्मी के साथ उमस की मार : आमजन हलकान

जोधपुर (हिंस)। प्रदेश सहित मारवाड़ में अब पश्चिमी विक्षोभ का असर आज खत्म हो गया है। एक बार फिर गर्मी और उमस की मार झेलनी होगी। मारवाड़ भीषण गर्मी की चपेट में है और उमस ने भी आमजन को बेहाल कर रखा है। मौसम विभाग की मानें तो आगामी 24 घंटे बाद फिर से गर्मी तेज होगी और पारा बढ़ने के आसार है। मंगलवार को सूर्यनगरी गर्मी के साथ उमस की मार झेलती रही। दिन भर लोग गर्मी और उमस से हलकान रहे। वहीं शाम को शहर के आसमां पर बादल छाने से सूर्यदेव उनकी ओट में छिप गए। प्रदेश में 11 से 13 मई तक कमजोर बने पश्चिमी विक्षोभ के असर बादल बारिश का दौर चला था। जोकि अब खत्म हो गया है। सोमवार को भी इसका असर बना रहा, मगर विक्षोभ निकल गया है।

सत्ता का दुरुपयोग कर रही है भाजपा : सचिन पायलट

रायबरेली (हिंस)। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि बीजेपी सत्ता का खूब दुरुपयोग कर रही है, जिसके लिए यहां सिंगल और डबल इंजन दोनों लगाए गए हैं। सभी तरह के संसाधनों का इस्तेमाल हो रहा है। लेकिन कुछ भी काम नहीं कर रहा है, लोग पहले ही मन बना चुके हैं। यह बातें पायलट मंगलवार को राहुल गांधी के समर्थन में आयोजित जनसभा के बाद पत्रकारों से कही। उन्होंने कहा कि रायबरेली का यह चुनाव धर्म और बिरादरी से आगे जा चुका है। यह अब भविष्य का चुनाव है और रायबरेली के लोग राहुल गांधी को आशीर्वाद देने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि रायबरेली की जनता 20 मई को राहुल गांधी को भारी मतों से जिताएगी। सचिन पायलट ने कहा कि रायबरेली में एकतरफा चुनाव है, यहां से राहुल गांधी रिकॉर्ड मतों से जीत कर आएंगे। रायबरेली की जनता राहुल गांधी को जिताना चाहती है। सचिन पायलट के अनुसार राहुल गांधी के चुनाव लड़ने से न केवल रायबरेली में बल्कि पूरे प्रदेश में इंडी गठबंधन को मजबूती मिल रही है। रायबरेली के लोग यहां मन बना कर बैठे हैं कि राहुल गांधी को जिताना है और पूरे देश की निगाह इस चुनाव पर है। इसके पहले सचिन पायलट ने कई नुक्कड़ सभाओं को संबोधित किया और गावों में जाकर जनसंपर्क किया। उनके साथ राजस्थान से आए कई कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

चंपारण में महागठबंधन के पक्ष में चल रहा है अंडर करंट : युवा कांग्रेस

पूर्वी चंपारण (हिंस)। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता डोर टू डोर कैंपेन के साथ सोशल मीडिया पर अपनी गतिविधि को केन्द्रित करे। उक्त बाते अखिल भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव व बिहार प्रभारी राजेश कुमार सन्नी ने मंगलवार को जिला कांग्रेस कार्यालय बंजरिया पंडाल में युवा कांग्रेस की एक बैठक को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि 10 साल से लगातार झूठे वायदे और विज्ञापन के बलबूते मोदी सरकार से जनता तंग हो चुकी है। महंगाई और बेरोजगारी से लोग त्रस्त है। पीएम मोदी लगातार जनता की भावनाओ को भड़का कर चंद पूंजीपतियो के चंदा से तानाशाह बन गए है। संविधान खतरे में है। मोदी सरकार ने कांग्रेस शासन में खड़ी की संस्थाओ को अपने चहेते पूंजीपति को बेच रहे है। उन्होने युवा कार्यकर्त्ताओ को पूर्वी व पश्चिमी चंपारण के साथ शिवहर लोकसभा क्षेत्र में महागठबंधन

के पक्ष में? मजबूती से जुटने का आह्वान करते कहा कि बेतिया से मदन मोहन तिवारी, मोतिहारी से राजेश कुशवाहा व शिवहर से रितु जयसवाल बेदाग छवि के उम्मीदवार है, जबकि इन तीनो लोकसभा में एनडीए के उम्मीदवार को लोग परख चुके है। इन लोगो ने जनता की अपेक्षा का अनादर किया है। इसके पूर्व कांग्रेस नेता सन्नी ने बनकटवा प्रखंड के बिजबनी सहित कई गांवों में आयोजित कार्यक्रमो में शिरकत कर लोगो से कांग्रेस के पक्ष वोट देने का आह्वान किया और कहा कि वोटर कांग्रेस प्रत्याशी मदन मोहन तिवारी के पक्ष में काफी उत्साहित है, जनता में अंडर करंट चल रहा है, जबकि उनके सामने खड़े एनडीए प्रत्याशी संजय जयसवाल और उनके पिता मदन जयसवाल को लोग देख चुके है। मौके पर युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष बिट्टू यादव, युवा कांग्रेस के प्रीतम अग्रवाल, अभिषेक रंजन, शिव पुजारी, आनंद कौशल, बिनय यादव, निशिकांत सिंह, मो. आमिर, एनएसयूआई नेता आशीष कुमार, प्रिंस मिश्रा, मोहमद एकराम, मनीष मिश्रा, मनीष रेड्डी, मोहमद सद्दाम, राकेश यादव, मोहमद जमाल, अखिलेश यादव समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

बुंदेलखंड की जनता भाजपा के अहंकार को करेगी खंड-खंड : अखिलेश यादव

जालौन (हिंस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को इंडी गठबंधन के प्रत्याशी नारायण दास अहिरवार के समर्थन में उरई मोदी ग्राउंड में जनसभा की। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि इस सरकार में सबसे ज्यादा अगर कोई लूटा है तो वो किसान, बेरोजगार। भाजपा सरकार जबसे आई है तब से देश में किसान आत्महत्या कर रहे हैं। भाजपा सरकार पर पलटवार करते हुए अखिलेश ने कहा कि बुंदेलखंड के लोगों ने भाजपा सरकार को भारी मतों से जिताया था। अब वहीं जनता भाजपा सरकार के अहंकार को खंड-खंड करेगी। आगे उन्होंने कहा कि गठबंधन सरकार आने पर राशन की मात्रा बढ़ाएंगे। पौष्टिक आटा के साथ-साथ डाटा भी फ्री दिलवाने का काम करेंगे। माताओं और बहनों को भी लखपति बनाने का काम करेंगे। इलेक्टोरल बांड का जिक्र करते हुए अखिलेश ने कहा कि सरकार ने चंदा वसूला और भ्रष्टाचार किया है। परीक्षाएं लीक हो जा रही हैं। मंच के आसपास खड़े पुलिसकर्मियों की ओर इशारा करते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि कभी-कभी खाकी वर्दी वाले भी हमसे नाराज हो जाते हैं। लेकिन इन्हें नहीं पता कि अभी फौज की नौकरी चार साल की है। आने वाले समय में इनकी नौकरी भी तीन साल की कर दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव का पांचवे चरण का चुनाव 20 मई को होना है। इसको लेकर पार्टी के शीर्ष नेताओं की रैली का सिलसिला जारी है। इसी के तहत अखिलेश यादव ने जालौन में चुनावी जनसभा करके गठबंधन प्रत्याशी को विजयी दिलाने की जनता से अपील की है।

पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी के निधन पर सरसंघचालक सहित राजनेताओं ने जताया दुख

पटना (हिंस)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी के निधन पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित राष्ट्रीय और राज्य स्तर के सभी वरीय नेताओं ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। बताया गया है कि दिवंगत सुशील मोदी का पार्थिव शरीर आज अपराह्न चार बजे बिहार विधान परिषद में लाया जाएगा। बिहार भाजपा के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए शाम पांच बजे पटना आयेंगे। सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि पूर्व उप मुख्यमंत्री और सांसद सुशील कुमार मोदी के निधन से अत्यंत दुःख हुआ। इस समय हम सबकी भावना उनके परिवार तथा असंख्य मित्र-प्रशंसकों के साथ है। संघ के निष्ठावान स्वयंसेवक एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री रहे सुशील मोदी सारे देश विशेषत: बिहार की चिंता करते थे। उनके निधन से एक जागृत सामाजिक कार्यकर्ता और कुशल राजनीतिक नेता को हमने खोया है। सुशील मोदी सार्वजनिक जीवन में सैद्धांतिक निष्ठा और पारदर्शिता के आदर्श उदाहरण थे। उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें दुःख सहन करने की शक्ति दें तथा दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करें। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपने शोक संदेश में कहा कि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। विद्यार्थी परिषद से लेकर अभी तक हमने साथ में संगठन के लिए लंबे समय तक काम किया। सुशील मोदी का पूरा जीवन बिहार के लिये समर्पित रहा। बिहार को विकास के पथ पर लाने में सुशील मोदी का प्रयास बहुत मददगार रहा है। उनका ना होना असंख्य कार्यकताओं के लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने शोक संदेश में कहा कि पूर्व उप मुख्यमंत्री और पूर्व राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी का निधन दुःखद है। वे जेपी आंदोलन के सच्चे सिपाही थे। उप

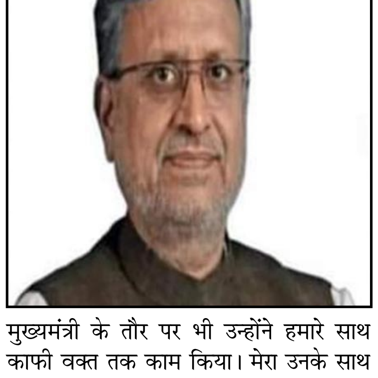

मुख्यमंत्री के तौर पर भी उन्होंने हमारे साथ काफी वक्त तक काम किया। मेरा उनके साथ व्यक्तिगत संबंध था और उनके निधन से मैं मर्माहत हूं। मैंने एक सच्चा दोस्त और कर्मठ राजनेता खो दिया है। उनके निधन से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है। उनके परिजनों, समर्थकों और प्रशंसकों को दुःख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना है। मुख्यमंत्री ने उनकी पत्नी जेसी जॉर्ज से टेलीफोन पर बात कर उन्हें सांत्वना दी। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने अपने शोक संदेश में कहा कि पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ के समय यानी विगत 51-52 वर्षों से हमारे मित्र भाई सुशील मोदी के निधन का अति दुःखद समाचार प्राप्त हुआ। वे एक जुझारू और समर्पित सामाजिक राजनीतिक व्यक्ति थे। ईश्वर दिवगंत आत्मा को चिरशांति तथा परिजनों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। सुशील कुमार मोदी के निधन पर बिहार विधान परिषद के पूर्व सभापति अवधेश नारायण सिंह ने भी गहरा दुख व्यक्त किया। भाजपा के वरीय नेता विनोद तावड़े में कहा कि बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता सुशील कुमार मोदी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। सुशील मोदी के निधन से मन बहुत द्रवित है। वो अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में मेरे वरिष्ठ सहयोगी एवं मार्गदर्शक थे। लंबे वक्त तक उनके साथ जनसेवा के कार्य करने का मौका मिला। ईश्वर उनकी आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। दुख की इस घड़ी में मेरी गहरी संवेदनाएं उनके परिजनों एवं शुभचिंतकों के साथ हैं।

पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन मामले में कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला, हलफनामा दाखिल करने का दिया समय

नई दिल्ली।
पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अवमानना याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को व्यक्तिगत पेशी से छूट दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि को हलफनामा दाखिल करने के लिए समय भी दिया है। इस हलफनामे में पतंजलि को यह बताना है कि उसने भ्रामक विज्ञापनों और उन दवाओं को वापस लेने के लिए क्या कदम उठाए हैं, जिनके लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं।

भ्रामक विज्ञापन पर सेलिब्रिटी के खिलाफ भी होगी कार्रवाई – जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने बीती 7 मई को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि अगर लोगों को प्रभावित करने वाले किसी प्रोडक्ट या सर्विस का विज्ञापन भ्रामक पाया जाता है तो इसके लिए सेलिब्रिटीज और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स को भी समान रूप से जिम्मेदार ठहराया जाए। आईएमए ने अपनी याचिका में कहा है कि पतंजलि ने कोविड वैक्सीनेशन और एलोपैथी के खिलाफ नकारात्मक प्रचार किया। याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा पतंजलि भ्रामक दावे करके देश को धोखा दे रही है कि उसकी दवाएं कुछ बीमारियों को ठीक कर देंगी, जबकि इसका कोई ठोस प्रमाण नहीं है। हालांकि कोर्ट के आदेश बावजूद पतंजलि की तरफ से प्रिंट मीडिया में कथित भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित कराए गए। इस पर 3 जनवरी 2024 को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही करने को लेकर बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को नोटिस जारी किया।

कोर्ट ने पतंजलि को अखबारों में माफीनामा प्रकाशित करने का दिया था निर्देश – अवमानना नोटिस जारी करने के बावजूद बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण की तरफ से जवाब नहीं दिया गया। इस पर कोर्ट ने दोनों को सुनवाई के दौरान व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया। बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने माफीनामा जारी किया, लेकिन कोर्ट ने माफीनामा खारिज कर दिया। 6 अप्रैल 2024 को कोर्ट ने अखबारों में माफीनामा प्रकाशित करने का निर्देश दिया।

न्यूज ब्रीफ

आईटीआर फाइल करने से आसानी से मिलता है लोनः सालाना इनकम ढाई लाख से कम तब भी भरें इनकम टैक्स रिटर्न

नई दिल्ली। साल 2023-24 के लिए 31 जुलाई तक इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करना है। कई लोगों का मानना है कि अगर उनकी सालाना इनकम ढाई लाख से कम है और वो टैक्स के दायरे में नहीं आते हैं तो उन्हें आईटीआर भरने की जरूरत नहीं है, लेकिन ऐसा नहीं है। अगर आप इनकम टैक्स के दायरे में नहीं भी आते हैं तब भी आपको रिटर्न फाइल करना चाहिए, क्योंकि अगर आप आईटीआर फाइल करते हैं तो इससे आपको कई फायदे होते हैं। आईटीआर फाइल करने से लोन मिलने में आसानी होती है। इसके अलावा ये वीजा के लिए भी जरूरी होता है। हम आपको आईटीआर फाइल करने के 5 फायदों के बारे में बता रहे हैं। 1. लोन मिलने में आसानी आईटीआर आपकी इनकम का प्रूफ होता है। इसे सभी बैंक और एनबीएफसी इनकम प्रूफ के तौर पर स्वीकार करते हैं। अगर आप बैंक लोन के लिए आवेदन करते हैं तो बैंक कई बार आईटीआर मांगते हैं। अगर आप नियमित तौर पर आईटीआर फाइल करते हैं तो आपको बैंक से आसानी से लोन मिल जाता है। इसके अलावा आप किसी भी फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन से लोन के अलावा दूसरी सेवाएं भी आसानी से हासिल कर सकते हैं। 2. वीजा के लिए जरूरी अगर आप किसी दूसरे देश में जा रहे हैं तो वीजा के लिए जब आप आवेदन करते हैं तो आपसे इनकम टैक्स रिटर्न मांगा जा सकता है। कई देशों की वीजा अथॉरिटीज वीजा के लिए 3 से 5 साल का आईटीआर मांगते हैं। आईटीआर के जरिए वे चेक करते हैं कि जो आदमी उनके देश में आना चाहता है कि उसका फाइनेंशियल स्टेटस क्या है। 3. टैक्स रिफंड क्लेम करने के लिए अगर आपकी आमदनी से टैक्स काटकर सरकार के पास जमा करा दिया गया है तो आप आईटीआर फाइल किए बिना उसे वापस नहीं पा सकते, भले ही आपकी आमदनी इनकम टैक्स के दायरे में नहीं आती हो। आपको अगर टैक्स रिफंड क्लेम करना है तो इसके लिए आईटीआर दाखिल करना जरूरी है। आप जब आईटीआर दाखिल करते हैं तो इनकम टैक्स डिपार्टमेंट उसका असेस्मेंट करता है। आपका अगर रिफंड बनता है तो वह सीधे बैंक अकाउंट में क्रेडिट कर दिया जाता है। 4. आईटीआर रसीद एड्रेस प्रूफ के रूप में भी आती है काम आईटीआर रसीद आपके पंजीकृत पते पर भेजी जाती है, जो एड्रेस प्रूफ के रूप में काम कर सकती है। इसके अलावा यह आपके लिए इनकम प्रूफ का भी काम करती है। 5. घाटे को कैरी फॉरवर्ड करना रहता है आसान अगर आप शेयर या म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं और आपको घाटा होता है तो घाटे को अगले साल कैरी फारवर्ड कराने के लिए निर्धारित समय सीमा में इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करना जरूरी है, क्योंकि अगले साल आपको अगर कैपिटल गेन होता है तो यह घाटा इस फायदे से एडजस्ट होगा और आपको लाभ पर टैक्स छूट का फायदा मिल सकता है।

डाटा की बढ़ रही खपत, 24 करोड़ घरों को ब्रॉडबैंड सेवाओं से जोड़ने के लिए 4.2 लाख करोड़ की जरूरत

नई दिल्ली। देश के 24 करोड़ घरों को अगले छह साल में यानी 2030 तक तेज रफ्तार वाली ब्रॉडबैंड सेवाओं से जोड़ने के लिए 4.2 लाख करोड़ रुपये के भारी निवेश की जरूरत होगी। ईवाई ग्लोबल के दूरसंचार क्षेत्र के प्रमुख एवं भागीदार प्रशांत सिंघल ने ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम के सम्मेलन में इसका ब्योरा देते हुए कहा, फाइबर बिछाने पर 2.7-3 लाख करोड़ रुपये, बुनियादी ढांचे पर 90,000-96,000 करोड़, वाईफाई एवं इन-बिल्डिंग समाधान पर 6,600-9,000 करोड़ रुपये, डाटा सेंटर पर 9,700-14,100 करोड़ रुपये और उपग्रह ब्रॉडबैंड सेवाओं पर 26,000-29,000 करोड़ रुपये का निवेश करना होगा। चार करोड़ घरों में ही सुविधा सिंघल ने कहा, भारत में अभी चार करोड़ घर से ब्रॉडबैंड से जुड़े हैं इनमें शहरी इलाकों में ब्रॉडबैंड की पहुंच 3.6 करोड़ घरों तक है। ग्रामीण क्षेत्रों में 30 लाख कनेक्शन हैं। इन्हें 2030 तक क्रमशः 10 करोड़ और 15.3 करोड़ घरों तक पहुंचाने की जरूरत है। बढ़ती डाटा खपत के लिए मौजूदा ढांचा पर्याप्त नहीं ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम के अध्यक्ष टीवी रामचंद्रन ने कहा, देश में फिक्स्ड ब्रॉडबैंड का मौजूदा ढांचा डाटा की बढ़ती खपत के साथ तालमेल नहीं बिठा सकता है। छह साल में फिक्स्ड ब्रॉडबैंड कनेक्शन में 20 फीसदी की न्यूनतम वार्षिक वृद्धि दर हासिल करनी होगी।

थोक महंगाई दर 13 महीने के उच्चतम स्तर पर अप्रैल महीने में 1.26 प्रतिशत हुआ आंकड़ा

नई दिल्ली।
थोक महंगाई दर अप्रैल महीने में सालाना आधार पर 13 महीने के उच्चतम स्तर 1.26 प्रतिशत पर पहुंच गई। मार्च में यह 0.53 प्रतिशत थी। वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार को इससे जुड़े आंकड़े जारी किए। जानकारों ने थोक महंगाई दर 1 प्रतिशत पर रहने का अनुमान जताया था। थोक महंगाई दर में यह इजाफा खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि के कारण है।

आलू-प्याज की थोक कीमतों में इजाफा

अप्रैल महीने में प्याज की कीमतों की वृद्धि दर 59.75 प्रतिशत रही जो मार्च महीने में 56.99 प्रतिशत थी। वहीं आलू के मामले में कीमतों की वृद्धि दर 71.97 प्रतिशत रही, मार्च महीनें में यह 52.96 प्रतिशत थी। एक साल पहले से तुलना करें तो उस दौरान प्याज की कीमतों में 5.54 प्रतिशत की नरमी आई थी, वहीं आलू की कीमतों में 30.56 प्रतिशत का इजाफा हुआ था। खाद्य पदार्थों की थोक महंगाई दर सालाना आधार पर 5.52 प्रतिशत बढ़ी, मार्च महीने में यह 4.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। मासिक आधार पर मार्च महीने के 0.95 प्रतिशत की तुलना में इसमें 1.94 प्रतिशत का इजाफा हुआ। सरकार के अनुसार अप्रैल महीने में थोक महंगाई दर में इजाफा मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, बिजली, क्रूड पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस, उत्पादित खाद्य पदार्थों और अन्य उत्पादित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण है।

क्रूड पेटोलियम के थोक भाव भी बढ़े

अप्रैल 2024 में क्रूड पेटोलियम की थोक महंगाई दर पिछले साल के 1.64 प्रतिशत के मुकाबले बढ़कर 4.97 प्रतिशत पर पहुंच गई। प्राथमिक वस्तुओं की थोक महंगाई दर अप्रैल महीने में बढ़कर 5.01 प्रतिशत हो गई, जो पिछले महीनें में 4.51 प्रतिशत थी। प्राथमिक वस्तुओं के अंतर्गत खाद्य पदार्थों, सब्जियों और खनिजों की कीमतें आती हैं।

खुदरा महंगाई दर में आई नरमी

विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में 0.42 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि पिछले महीने में इसमें 0.85 प्रतिशत की गिरावट आई थी। ईंधन और बिजली की कीमतों में मार्च में 0.77 प्रतिशत की गिरावट के मुकाबले 1.38 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इससे पहले सांख्यिकी मंत्रालय ने खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े भी जारी किए, जिसके अनुसार खुदरा महंगाई दर सालाना आधार पर 11 महीने के निचले स्तर 4.83 प्रतिशत पर आ आ गई, जबकि पिछले महीने में यह 4.85 प्रतिशत थी।

एआई जॉब मार्केट को सुनामी की तरह प्रभावित कर रहा, आईएमएफ प्रमुख जॉर्जीवा ने यह काम करने पर दिया जोर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने हाल ही में कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जॉब मार्केट को नाटकीय रूप से बदलने वाली है। उन्होंने कहा कि यह बाजार को सुनामी की तरह प्रभावित कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगले दो वर्षों में, एआई विकसित देशों में 60 प्रतिशत नौकरियों और दुनिया भर में 40 प्रतिशत नौकरियों को प्रभावित कर सकता है। जॉर्जीवा ने इन परिवर्तनों के लिए तैयार होने के महत्व पर जोर दिया। उसने कहा, हमारे पास लोगों को इसके लिए तैयार करने के लिए बहुत कम समय है, इसके लिए व्यवसायों को तैयार करने में बहुत कम समय है। एआई के जरिए हम कितना उत्पादन करते हैं उसे बढ़ा सकते हैं और चीजों को और अधिक कुशल बना सकते हैं। लेकिन यह झूठी जानकारी को भी बढ़ा सकता है और आमदनी के अंतर को व्यापक बना सकता है। उन्होंने एआई का अधिकतम लाभ उठाने के लिए सावधानीपूर्वक प्रबंधन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। जॉर्जीवा ने कहा, अगर हम इसे अच्छी तरह से प्रबंधित करते हैं, तो यह उत्पादकता में जबरदस्त वृद्धि ला सकता है, लेकिन इससे अधिक गलत सूचना और निश्चित रूप से, हमारे समाज में अधिक असमानता भी हो सकती है।

मेलिंडा ने गेट्स फाउंडेशन से दिया इस्तीफा, समझौते के तहत मिलेंगे साढ़े बारह अरब डॉलर

वॉशिंगटन।
दुनिया के शीर्ष अरबपतियों में शुमार बिल गेट्स की पूर्व पत्नी मेलिंडा गेट्स ने बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की सह-अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन दुनियाभर में समाज सेवा के काम करती है और आज दुनिया का शीर्ष गैर सरकारी संगठन है। मेलिंडा गेट्स का गेट्स फाउंडेशन में आखिरी दिन 7 जून होगा। मेलिंडा गेट्स ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में दी इस्तीफे की जानकारी मेलिंडा गेट्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर अपने इस्तीफे की जानकारी दी। मेलिंडा ने लिखा कि काफी सोच-विचार के बाद मैंने बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन से इस्तीफा देने का फैसला किया है। फाउंडेशन में मेरा आखिर दिन 7 जून होगा। मेलिंडा ने लिखा कि मैंने और बिल ने मिलकर एक कमाल का संगठन बनाया है, जो दुनियाभर में असमानता से निपट रहा है। मेलिंडा ने अपने पोस्ट में लिखा कि फाउंडेशन इसके सीईओ मार्क सुजमैन के नेतृत्व में मजबूत हाथों में है। मेलिंडा ने लिखा कि अब सही वक्त है, जब मुझे आगे बढ़ना चाहिए और परोपकार के नए अध्याय में दाखिल होना चाहिए। मेलिंडा गेट्स को समझौते के तहत 12.5 अरब डॉलर मिलेंगे। वहीं मार्क सुजमैन ने बताया कि मेलिंडा गेट्स के इस्तीफे के बाद अब बिल गेट्स ही फाउंडेशन के एकमात्र अध्यक्ष होंगे। उन्होंने ये भी बताया कि अब बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेश का नाम बदलकर गेट्स फाउंडेशन किया जाएगा। मेलिंडा गेट्स को समझौते के तहत 12.5 अरब डॉलर मिलेंगे। वहीं मार्क सुजमैन ने बताया कि मेलिंडा गेट्स के इस्तीफे के बाद अब बिल गेट्स ही फाउंडेशन के एकमात्र अध्यक्ष होंगे। उन्होंने ये भी बताया कि अब बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेश का नाम बदलकर गेट्स फाउंडेशन किया जाएगा। साल 2021 में हुआ था बिल और मेलिंडा गेट्स का तलाक मेलिंडा गेट्स के इस्तीफे के बाद बिल गेट्स ने भी सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में मेलिंडा गेट्स को उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया। बिल और मेलिंडा गेट्स ने 27 साल की शादी के बाद साल 2021 में तलाक ले लिया था।

सोना-चांदी खरीदना हुआ और महंगा, सोना 72 हजार और चांदी 85,300 हजार के पार

नई दिल्ली।
गिरावट के बाद मंगलवार को सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 72 हजार रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 85,300 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। लेकिन बाद में इनके भाव में सुधार देखा जाने लगा। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 81 रुपये की तेजी के साथ 71,936 रुपये के भाव पर खुला। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 182 रुपये की तेजी के साथ 85,068 रुपये पर खुला। इस समय यह 414 रुपये की तेजी के साथ 85,300 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,342.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,343 डॉलर था। जो इस समय 4.10 डॉलर की तेजी के साथ 2,347.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.42 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 28.44 डॉलर था। इस समय यह 0.13 डॉलर की तेजी के साथ 28.57 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

एफटीए भागीदारों को 14.48 प्रतिशत बढ़ा भारत का निर्यात, इन देशों से आयात में 37.97 प्रतिशत वृद्धि

नई दिल्ली।
भारत का संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया जैसे मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वाले देशों को निर्यात 2018-19 से 2023-24 के बीच यानी छह साल में 14.48 फीसदी बढ़कर 122.72 अरब डॉलर पहुंच गया। 2018-19 में भारत ने इन देशों को 107.20 अरब डॉलर का निर्यात किया था। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के मुताबिक, छह साल की इस अवधि में एफटीए भागीदारी वाले देशों से भारत का आयात 37.97 फीसदी बढ़कर 187.92 अरब डॉलर पहुंच गया। 2018-19 में भारत ने इन देशों से 136.20 अरब डॉलर का माल आयात किया था। यह वृद्धि भारत की वैश्विक व्यापार गतिशीलता पर एफटीए के महत्वपूर्ण और विविध प्रभाव को दर्शाती है।

वैश्विक व्यापार में भारत की कुल 1.8 फीसदी हिस्सेदारी

भारत का वैश्विक व्यापार में 1.8 फीसदी हिस्सा है। यह निर्यात में दुनियाभर में 17वें स्थान पर है। आयात के मोर्चे पर भारत वैश्विक व्यापार में 2.8 फीसदी हिस्सेदारी के साथ 8वें स्थान पर है। 2023-24 में भारत का निर्यात 3.11 फीसदी घटकर 437.1 अरब डॉलर रहा। आयात भी 5.4 फीसदी गिरकर 677.2 अरब डॉलर रहा।

यूएई को 18.25 प्रतिशत ज्यादा निर्यात

आंकड़ों के मुताबिक, 2023-24 में भारत ने यूएई को 35.63 अरब डॉलर का निर्यात किया। यह आंकड़ा 2018-19 के 30.13 अरब डॉलर से 18.25 फीसदी ज्यादा है। इस अवधि में यूएई से भारत का आयात 29.79 अरब डॉलर से 61.21 फीसदी बढ़कर 48.02 अरब डॉलर पहुंच गया। दोनों देशों के बीच एफटीए मई 2022 में लागू हुआ था।

इसी प्रकार, 2018-19 से 2023-24 के बीच जापान, ऑस्ट्रेलिया, 10 देशों वाले दक्षिणपूर्व एशियाई गुट आसियान और दक्षिण कोरिया के साथ भी एफटीए के बाद निर्यात-आयात में बढ़ोतरी देखने को मिली है।

उड़ान रद्द होने से अस्पताल में भर्ती पति से नहीं मिल सकी महिला, घर पहुंची मौत की खबर

नई दिल्ली।

पिछले हफ्ते एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान रद्द होने के कारण एक महिला ओमान के अस्पताल के आईसीयू में भर्ती अपने पति को मौत से पहले आखिरी बार नहीं देख सकी। उसके परिवार ने यह आरोप लगाया है। अमृता नाम की महिला ने मस्कट में अपने पति से मिलने के लिए आठ मई का टिकट बुक कराया था, लेकिन यहां हवाई अड्डे पहुंचने पर उसे बताया गया कि उड़ान रद्द हो गई है।

हवाई अड्डे पर इसका विरोध करने पर उन्हें अगले दिन एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक अन्य उड़ान का टिकट दिया गया, लेकिन दुर्भाग्य से, उसे भी रद्द कर दिया गया और उन्हें अपनी यात्रा की योजना पूरी तरह से छोड़नी पड़ी। ओमान से उनके पति की मौत की खबर उनके पास पहुंची।

अमृता की मां ने एक टीवी चैनल को बताया, यह इतना अनुचित था कि वह अपने पति को आखिरी बार नहीं देख सकी। हमने एयरलाइन से किसी और विमान में जगह देने के लिए विनती की ताकि हम उन्हें (अमृता के पति को) आखिरी बार देख सकें। लेकिन उन्होंने (एयरलाइन ने) कुछ नहीं किया।

उन्होंने यह भी कहा कि अमृता के पति ने कहा था कि वह अपनी पत्नी और बच्चों से मिलना चाहते हैं और इसीलिए परिवार ने उन्हें देखने जाने के लिए टिकट बुक कराए थे। अमृता ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि दूसरी उड़ान भी रद्द होने के बाद एयरलाइन ने उन्हें बताया कि कुछ नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि अगले चार दिनों के लिए उनकी उड़ानें भरी हुई हैं और वे कुछ नहीं कर सकते। उनके पति को दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अमृता ने कहा, मैंने उनसे (पति से) फोन पर बात की। उनसे कहा मैं वहां पहुंचने की पूरी कोशिश करूंगी, पर ऐसा नहीं हो पाया।

एयरलाइन की ओर से इस मामले में फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

केबिन क्रू के छुट्टी पर जाने से 260 से अधिक उड़ानें रद्द हुई थीं

टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन में कथित कुप्रबंधन के विरोध में चालक दल के सदस्यों की कमी के कारण एयर इंडिया एक्सप्रेस ने पिछले सप्ताह बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द कर दी थीं। कम लागत वाली एयरलाइन में केबिन क्रू के सदस्यों के असंतोष कारण ये उड़ानें दर्द की गईं। केबिन क्रू का यह असंतोष एआईएक्स कनेक्ट (पूर्व में एयर एशिया इंडिया) के साथ एयर इंडिया एक्सप्रेस की विलय की प्रक्रिया शुरू होने के बाद शुरू हुआ।

बाद में 10 मई को छुट्टी पर गए केबिन क्रू के सदस्यों ने समझौते के बाद काम पर लौटने की हामी भरी, जिसके बाद एयरलाइन की ओर से केबिन क्रू के 25 सदस्यों को जारी टर्मिनेशन लेटर वापस ले लिया गया। एयरलाइन के एक सूत्र ने बताया था कि चालक दल की कमी के कारण आठ मई से 10 मई के बीच एअर इंडिया एक्सप्रेस को 260 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ी।

एयरलाइन ने 12 मई को कहा था कि वह धीरे-धीरे अपनी उड़ान सेवाओं को बहाल कर रही है और स्थिति पूर्ण रूप से सामान्य होने की उम्मीद है। उसी दिन, केबिन क्रू यूनियन ने कहा कि बीमार होने की सूचना देने वाले सभी सदस्यों ने 11 मई तक ड्यूटी ज्वाइन कर ली।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए बांग्लादेश टीम का ऐलान : शांतो टीम की कप्तानी करेंगे ; बांग्लादेश का पहला मैच 7 जून को श्रीलंका से

नई दिल्ली । बांग्लादेश ने अगले महीने अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए 15 मेंबर्स स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। बांग्लादेश बोर्ड ने यह ऐलान किया। नजमुल हुसैन शांतो वर्ल्ड कप में टीम की कप्तानी करेंगे। शांतो को इस साल की शुरुआत में सभी फॉर्मेट में बांग्लादेश का कप्तान बनाया गया था।

टीम में अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन को भी शामिल किया गया हैं। शाकिब ने 2007 ओपनिंग एडिशन से हर टी-20 वर्ल्ड कप में खेला है। अफीफ हुसैन और हसन महमूद रिजर्व के रूप में टूर्नामेंट में जाएंगे।

बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे को टी-20 सीरीज में 4-1 हराया

शाकिब लगभग एक साल के बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज से टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी किए हैं। शाकिब को जिम्बाब्वे के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज के आखिरी दो मैचों में बांग्लादेश टीम में शामिल किया गया था। उन्होंने चौथे मैच में चार विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। बांग्लादेश ने हाल ही जिम्बाब्वे के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 सीरीज को 4-1 से अपने नाम किया।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए बांग्लादेश टीम

नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), तस्कीन अहमद (उपकप्तान), लिटन दास, सौम्या सरकार, तंजीद हसन, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदोय, महमुदुल्लाह, जेकर अली, तनवीर इस्लाम, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरफुल इस्लाम, तंजीम हसन।

ट्रैवलिंग रिजर्व : हसन महमूद, अफीफ हुसैन।

बांग्लादेश ग्रुप डी में शामिल

बांग्लादेश टी-20 वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका, श्रीलंका, नीदरलैंड और नेपाल के साथ के ग्रुप डी में रखा गया है। टीम का पहला मैच 7 जून को डलास में श्रीलंका के खिलाफ होगा।

न्यूज ब्रीफ

भविष्य में स्ट्राइक रेट के आधार पर टीम में चुने जाएंगे खिलाड़ी : मिलर

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर डेविड मिलर ने कहा है कि जिस प्रकार से आजकल टी20 क्रिकेट हो रहा है और स्ट्राइक रेट पर ही जोर दिया जा रहा है। उस स्थिति में आने वाले समय में खिलाड़ी बेहतर औसत नहीं बल्कि तेजी से खेलने की क्षमता के आधार पर ही चयनित किये जाएंगे। मिलर पिछले कुछ साल में फिनिशर की भूमिका में ही नजर आये हैं। इस आईपीएल सत्र में कई टीमों ने 250 से अधिक के सात स्कोर बनाए जिससे बल्लेबाज 'पावर गेम को अगले स्तर पर ले गए हैं जिससे स्ट्राइक रेट को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। मिलर ने कहा, 'हमने इस साल कुछ बड़े स्कोर देखे हैं। कुछ टीमों के साथ ही कुछ खिलाड़ियों ने जबरदस्त बल्लेबाजी की है। मैंने हमेशा देखा है कि हर कोई बल्लेबाज को औसत के आधार पर आंकता है। साथ ही कहा, 'टी20 क्रिकेट में किसी को पूरी तरह से इस आधार पर आंकना कठिन हो सकता है। शीर्ष तीन बल्लेबाजों के साथ निश्चित रूप से आप ऐसा कर सकते हैं, उन्हें बल्लेबाजी करने के लिए मिलने वाले ओवरों की संख्या पर्याप्त होती है। वहीं मध्य क्रम की बात आती है तो यह हमेशा स्ट्राइक रेट और बल्लेबाज के खेल का मैच पर पड़ने वाले प्रभाव की बात होती है ,ऐसे में मुझे लगता है कि लोगों को मैच जीतने की क्षमता के आधार पर टीमों का चयन करना होगा। वहीं अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप को लेकर मिलर का मानना है कि जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ियों के साथ मुकाबले कड़े रहेंगे। मैं एक बल्लेबाज हूं और बुमराह शीर्ष स्तर के गेंदबाज होने के कारण मेरे लिए खतरा बन सकते हैं। मिलर का मानना है कि उनकी टीम के पास टी20 विश्वकप में ट्रॉफी जीतने का अवसर है। यह आक्रामक बल्लेबाज इस चुनौती को लेकर उत्साहित है। उन्होंने कहा, 'इस समय हमारे पास जो टीम है, उसने पिछले कुछ वर्षों में एक साथ काफी क्रिकेट खेला है और इसमें काफी आत्मविश्वास है और काफी सफलता हासिल की है।

निकहत-मीनाक्षी और अनामिका की जीत से शुरुआत, सोनिया को मिली हार

अस्ताना। विश्व चैंपियन निकहत जरीन ने एलोर्डा कप बॉक्सिंग टूर्नामेंट में जीत के साथ अभियान शुरू किया है। उन्होंने 52 भार वर्ग में स्थानीय बॉक्सर कजाखस्तान की राखिमबेरदी झानसाया को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से पराजित किया। मीनाक्षी (48) और अनामिका (50) ने भी जीत से शुरुआत की है। मीनाक्षी ने कजाखस्तान की गासीमोवा रोक्साना को 4-1 से और अनामिका ने जुंबायेवा अरालिम को पहले दौर में ही आरएससी (रेफरी ने मुकाबला रोका) कर दिया। वहीं इशमीत सिंह (75) को कजाखस्तान अरमानूली अरमात से और सोनिया (54) को चीन की चांग यूआन के हाथों 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। इस टूर्नामेंट के लिए 21 सदस्यीय टीम भेजी गई है, जिसमें कजाखस्तान, उज्बेकिस्तान, चीन, जापान जैसे देश भाग ले रहे हैं। पुरुष वर्ग में इश्मीत सिंह (75 किग्रा) को कजाकिस्तान के अर्मानुली आर्मैट ने 5-0 से हराया। छह बार के एशियाई चैंपियनशिप पदक विजेता शिव थापा (63.5 किग्रा), संजय (80 किग्रा) और गौरव चौहान (92 किग्रा से अधिक) तीन अन्य भारतीय मुक्केबाजों के साथ चुनौती पेश करेंगे।

केकेआर की सफलता में युवा तेज गेंदबाज हर्षित की रही है अहम भूमिका

कोलकाता । आईपीएल में इस बार केकेआर की सफलता में युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा की अहम भूमिका रही है। राणा ने इस सत्र में अबतक 10 मैच में 20.75 की औसत से 16 विकेट लिए हैं। इस प्रकार वह आईपीएल की खोज साबित हुए हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ जिस प्रकार इस गेंदबाजा ने अंतिम ओवर फेंका उससे इसका आत्मविश्वास झलकता है। इस काम को उन्होंने बिना किसी दबाव के पूरा किया। अंतिम ओवर में मुम्बई को 22 रन बनाने थे और ऐसे में राणा ने पहली ही गेंद पर बल्लेबाजी कर रहे नमन धीर को पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद तीसरी गेंद पर तिलक वर्मा को आउट कर मैच में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली। राणा ने अंतिम ओवर में तीन रन देते हुए दो विकेट लिए। इस तरह उन्होंने अपने चार ओवर में 34 रन देकर दो विकेट लिए। दिल्ली के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले राणा को केकेआर ने घायल हुए रसिख सलाम डार के विकल्प के तौर पर साल 2022 में 20 लाख रुपये में खरीदा था। वहीं अब रसिख दिल्ली के लिए खेलते हैं।

ओलिंपिक में टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल : खिलाड़ी के परिवार की हार्ट रेट होगी मॉनिटर ; पेरिस 1924 की तस्वीरें होंगी रंगीन

नई दिल्ली । पेरिस ओलिंपिक में केवल ढाई महीने का समय बचा है। इस बार इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी खेलों की सुरक्षा से लेकर मनोरंजन तक में एआई का इस्तेमाल करेगी। इसके तहत खिलाड़ियों के परिवार के भावों को मॉनिटर किया जाएगा।

वहीं, रियल टाइम एनालिसिस से जज की मदद की जाएगी। 1924 में पेरिस में हुए ओलिंपिक की तस्वीरों को रंगीन करने की योजना भी है। पेरिस ओलिंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त के बीच होना है।

पेरेंट्स का रिएक्शन लाइव दिखाने की तैयारी

एक रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रॉडकास्टर एनबीसी यूनिवर्सल ने ओलिंपिक एथलीट्स के माता-पिता को हार्ट रेट मॉनिटर देने की योजना बनाई है, ताकि वे टूर्नामेंट के दौरान उनके रिएक्शन लाइव दिखा सकें।

एआई लैस कैमरों से होगी सुरक्षा

गेम्स के दौरान संदिग्ध घटनाओं को मॉनिटर करने के लिए सर्विलांस में एआई लैस कैमरों की मदद ली जाएगी। अगर खेलों में हथियार का इस्तेमाल या ग्राउंड में बिना अनुमति घुसने जैसी घटना रिकॉर्ड होती है तो इसके बाद तुरंत सुरक्षा टीम को अलर्ट चला जाएगा।

रियल टाइम वीडियो एनालिसिस से होंगे निर्णय

एआई की मदद से महज 10 सेकंड के भीतर वीडियो का एनालिसिस कर निर्णय दिए जा सकेंगे। एक उदाहरण में एआई ने सिर्फ 10 सेकंड में डाइविंग इवेंट के सारे पक्षों का एनालिसिस कर लिया था।

8के में हाई क्वालिटी स्ट्रीम, फ्यूचर टैलेंट की भी खोज

ओलिंपिक से अनुबंधित इंटेल ने इस बार टूर्नामेंट की लाइव स्ट्रीमिंग 8के हाई-पिक्चर क्वालिटी में करने की घोषणा की है। इस अमेरिकन कंपनी ने कई गांव के बच्चों की जम्पिंग और रेसलिंग के वीडियो को एनालिसिस कर उनके टैलेंट को तलाशने और तराशने की कोशिश की भी है। इंटेल के क्रिस्टोफ शेल ने बताया कि उन्होंने 5 गांव के 1000 बच्चों की खोज की। डेटा के जरिए बच्चे के लिए सही खेल चुनने में भी मदद मिली।

जोहान बोथा 3 साल के अनुबंध पर ब्रिस्बेन हीट, क्वींसलैंड बुल्स के मुख्य कोच बने

ब्रिस्बेन। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर जोहान बोथा को अगले तीन वर्षों के लिए बिग बैश लीग क्लब ब्रिस्बेन हीट और ऑस्ट्रेलिया की घरेलू क्रिकेट टीम क्वींसलैंड बुल्स का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। मुख्य कोच के रूप में बोथा की भूमिका वेड सेकोम्बे के जाने के बाद आई है, जिन्होंने सीज़न की समीक्षा के बाद दोनों नौकरियों के लिए फिर से आवेदन करने के लिए कहे जाने के बाद अपनी भूमिका से इस्तीफा दे दिया था। 42 वर्षीय दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी बीबीएल सीजन 12 में स्ट्राइकर्स के लिए सहायक कोच थे और आईएलटी20 2024 में शारजाह वॉरियर्स के मुख्य कोच थे और संयुक्त राज्य अमेरिका में उद्घाटन मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) 2023 प्रतियोगिता में सिएटल ओर्कास के सहायक कोच थे। । बोथा इससे पहले पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में मुल्तान सुल्तांस, कराची किंग्स और इस्लामाबाद यूनाइटेड और कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में गयाना के मुख्य कोच रह चुके हैं। बोथा ने कहा, क्वींसलैंड क्रिकेट में आगे देखने के लिए बहुत कुछ है और मैं एक रोमांचक और संतुष्टिदायक चुनौती में भाग लेने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। बुल्स का सफलता से गहरा संबंध है, और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि खेल समूह पहले से ही इस गर्मी में गहराई से प्रतिस्पर्धी होने की आकांक्षा रखता है। हीट अपने बीबीएल खिताब के रास्ते में कुशल और पेशेवर थे।

भारतीय टीम के कोच जीवनजोत के बेटे का शानदार प्रदर्शन, कनाडा के लिए जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली । भारतीय कंपाउंड तीरंदाजी टीम के कोच जीवनजोत सिंह तेजा के पुत्र हरकुंवर सिंह तेजा ने कनाडा के लिए पैन अमेरिकन यूथ तीरंदाजी चैंपियनशिप में विश्व कीर्तिमान के साथ स्वर्ण पदक जीता है। जीवनजोत वही तीरंदाजी कोच हैं, जिन्होंने उपेक्षाओं से दुखी होकर भारत छोड़ दिया था। अंतिम क्षणों में द्रोणाचार्य अवॉर्ड से नाम काटे जाने के चलते वह पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला की नौकरी छोड़ परिवार समेत कनाडा में चले गए थे।

2020 में बेटे को सिखाना शुरू की तीरंदाजी

जीवनजोत के मुताबिक उन्होंने प्रण लिया था कि जो सम्मान उन्हें नहीं मिला वह अपने बेटे के जरिए हासिल करेंगे। उन्होंने कनाडा में ही 2020 में बेटे को तीरंदाजी सिखाना शुरू किया, लेकिन भारत का मोह वह नहीं छोड़ पा रहे थे। हांगझोऊ एशियाई खेलों में तीन स्वर्ण जीतने वाली ज्योति सुरेखा और अन्य शिष्यों के दबाव में वह द्रोणाचार्य अवॉर्ड के लिए आवेदन करते रहे। उनके शिष्यों का प्यार रंग लाया और जिस द्रोणाचार्य अवॉर्ड के लिए 2018 में उनका नाम चयनित होने के बावजूद काटा गया, 2022 में उन्हें इस पुरस्कार के लिए चुना गया। जीवनजोत ने इसके बाद भारत आने का फैसला लिया। वह इस वक्त भारतीय कंपाउंड तीरंदाजी टीम के कोच हैं।

भारत में आकर तैयारी की

जीवनजोत के मुताबिक बेटा कनाडा में ही शिक्षा अर्जित कर रहा है, लेकिन तीरंदाजी सीखने के लिए उनके पास यहां आता है। पैन अमेरिकन चैंपियनशिप के लिए वह उनके पास यहां तीन माह रहकर गया। यहां उन्होंने उसे तैयारी कराई, जिसका नतीजा यह निकला कि हरकुंवर ने अंडर-15 कंपाउंड ओपन वर्ग के मुकाबले में 720 में से 682 का स्कोर कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। फाइनल में हरकुंवर ने कोलंबिया के अल्मारियो फ्लोरेस जुआन एस्तेबान को 145-140 से पराजित किया। जीवनजोत इसी माह कोरिया में होने जा रहे विश्वकप में भारतीय टीम के साथ बतौर कोच जा रहे हैं।

श्यामनिखिल को मिला सब्र का फल, बने भारत के 85वें ग्रैंडमास्टर, 12 वर्षों तक किया था इंतजार

नई दिल्ली । भारत के शतरंज खिलाड़ी पी श्यामनिखिल को आखिरकार सब्र का फल मिला और वह भारत के 85वें ग्रैंडमास्टर बन गए। आठ साल की उम्र में शतरंज खेलना शुरू करने वाले श्यामनिखिल को तीसरे नॉर्म के साथ इस उपलब्धि के लिए 12 साल का इंतजार करना पड़ा। हालांकि उनका यह इंतजार दुबई पुलिस मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में समाप्त हुआ जहां उन्होंने अपना तीसरा और अंतिम ग्रैंडमास्टर (जीएम) नॉर्म हासिल किया।

तीसरा नॉर्म हासिल करने में लगाया लंबा समय

श्यामनिखिल को लंबे समय से प्रतीक्षित जीएम नॉर्म पूरा करने के लिए सिर्फ एक जीत और आठ ड्रॉ की जरूरत थी, जो उन्होंने दुबई में खेले गये टूर्नामेंट में हासिल किया। इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने 2012 में दो ग्रैंडमास्टर नॉर्म के साथ आवश्यक 2500 ईएलओ रेटिंग अंक हासिल कर लिए थे जो जीएम बनने के लिए

न्यूनतम आवश्यकता है। उन्हें हालांकि तीसरे नॉर्म को पूरा करने के लिए 12 साल तक इंतजार करना पड़ा। श्यामनिखिल ने मुंबई मेयर्स कप 2011 में अपना पहला जीएम नॉर्म हासिल किया था। उन्होंने इसके कुछ समय के बाद 19 साल की उम्र में इंडियन चैंपियनशिप के दौरान दूसरा नॉर्म हासिल किया और फिर 2012 की शुरुआत में रेटिंग की आवश्यकता पूरी की। वह 2012 में दुबई ओपन में अपना अंतिम नॉर्म हासिल करने से चूक गए थे। वह इसके बाद अब तक कई मौकों का फायदा उठाने में विफल रहे।

सुदर्शन ने कहा विराट, धोनी की सलाह से लाभ हुआ

मुम्बई । गुजरात टाइटंस की ओर से इस आईपीएल सत्र में बल्लेबाज साई सुदर्शन ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए पहली बार 500 से ज्यादा रन बनाये हैं। सुदर्शन ने इस सत्र में टाइटंस के लिए शीर्ष क्रम में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। इस बल्लेबाज ने 141.28 के स्ट्राइक रेट से 12 मैच में 527 रन बनाये। इस प्रकार वह सबसे अधिक रन बनाने वाले शीर्ष पांच बल्लेबाजों में शामिल हो गये है। उन्होंने इस बार टी20 प्रारूप में शतक भी लगाया है। सुदर्शन ने यह भी कहा कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के साथ बातचीत से भी लाभ हुआ। उन्होंने कहा कि पिछले मैच के बाद मेरी विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी से बात हुई थी। इन दिग्गजों की सलाह से भी उन्हें लाभ हुआ। इसके अलावा उन्हें दक्षिण अफ्रीका दौरे में मिले अनुभवों से

भी लाभ हुआ।

सुदर्शन और शुभमन गिल ने पहले विकेट के लिए संयुक्त रूप से सर्वाधिक 210 रन की साझेदारी की। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को टाइटंस ने 2022 सत्र में टीम के लिए पदार्पण से पहले 20 लाख रुपए के आधार मूल्य पर खरीदा था।

वहीं सुदर्शन ने कहा कि मेरी बल्लेबाजी में गत सत्र की तुलना में अधिक बदलाव नहीं आया है पर निर्णय लेने की क्षमता है। खेल के प्रति जागरूकता या समझ में सुधार हुआ है। इससे मुझे प्रदर्शन में निरंतरता में थोड़ी सहायता मिल रही है। आजकल टी20 क्रिकेट में पावर हिटिंग काफी अहम है पर सुदर्शन अपनी टाइमिंग पर ही अधिक भरोसा करते हैं। पिछले साल की तुलना में वह विश्व स्तरीय गेंदबाजों के खिलाफ अपने को बेहतर स्थिति में रखने में सफल रहे हैं। इस सत्र में जहां ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा और सुनील नारायण जैसे बल्लेबाजों ने 200 के आसपास के स्ट्राइक रेट के साथ पावर हिटिंग के जरिये रन बनाये।

स्वदेशी खिलाड़ियों के बल पर आईपीएल में वापसी करने में सफल रही आरसीबी

नई दिल्ली । आईपीएल के इस सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) की टीम खराब शुरुआत के बाद भी वापसी करने में सफल हुई है पर इसका श्रेय देश के ही खिलाड़ियों को जाता है। इस सत्र में जब मोटी रकम लेकर खरीदे गये विदेश खिलाड़ी असफल हुए तो युवा देशी खिलाड़ियों युवा यश दयाल और स्वप्निल सिंह आदि को अवसर दिय गया। इसके अलावा अनुभवी रजत पाटीदार और दिनेश कार्तिक ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। टीम को कठिन हालात से उबारने में सबसे अहम भूमिका विराट कोहली की रही। विराट ने इस सत्र में 600 से अधिक रन बनाकर टीम को बेहतर हाल में पहुंचाया। लगातार 6 मैच हार चुकी आरसीबी को हर कोई प्लेऑफ की दौड़ से बाहर मान रहा था पर टीम ने हार नहीं मानी। आरसीबी ने पलटवार किया और तीन सप्ताह में 5 मैच जीत अंक तालिका में टीम पांचवें नंबर पर पहुंच

गयी। आरसीबी ने आईपीएल 2024 में अपने अभियान की शुरुआत 22 मार्च को चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के साथ मुकाबले से की। शुरआत में टीम में ग्लेन मैक्सवेल, अल्जारी जोसेफ जैसे विदेशी खिलाड़ी थे जिन्हें 10 करोड़ से अधिक की रकम देकर खरीदा गया था पर वे असफल रहे। वेस्टइंडीज के जोसेफ फेल हुए तो इंग्लैंड के रीस टॉपली आए। टॉपली को बेहतरीन टी20 गेंदबाजों में शामिल किया जाता है पर वह भी टीम को पटरी पर नहीं ला पाये। इसके बाद स्वदेशी खिलाड़ियों को अंतिम ग्यारह में लाया गया। इस प्रकार युवा यश दयाल और स्वप्निल सिंह को अवसर दिया गया, इन सभी ने बेहतर प्रदर्शन किया। शुरुआती सत्र में विफल रहे रजत पाटीदार और मोहम्मद सिराज भी दूसरे दौर में लय में आ गये। विराट पहले से ही जमे हुए थे। अब उनको अन्य खिलाड़ियों का साथ भी मिल गया था। इस प्रकार देखा जाये तो जब विदेशी दिग्गज नाकाम हो गए तो आरसीबी की कमान भारतीय खिलाड़ियों ने संभाली। इस टीम की ओर से जिन 4 बल्लेबाजों ने 300 से ज्यादा रन बनाए हैं, उनमें से तीन भारतीय हैं। बल्लेबाजी की बात करें तो विराट , पाटीदार और कार्तिक ने आरसीबी को जीत की राह पर धकेला। विराट ने सबसे अधिक 661 रन बनाए हैं जबकि रजत पाटीदार ने 320 और दिनेश कार्तिक ने 301 रन बनाए हैं। टीम की ओर से 300 से ज्यादा रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज कप्तान फाफ डू प्लेसी के नाम 367 रन हैं ।

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सेमीफाइनल में पहुंचेंगी ये चार टीमें, हरमनप्रीत कौर ने की बड़ी भविष्यवाणी

मुम्बई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भरोसा जताया कि इस साल होने वाले महिला टी20 वर्ल्ड कप में उनकी टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी। इसके साथ ही हरमनप्रीत कौर ने अनुमान लगाया कि महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सेमीफाइनल में कौनसी चार टीमें जगह पक्की कर सकती हैं। बता दें कि बांग्लादेश की मेजबानी में 3 से 20 अक्टूबर तक महिला

टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आयोजन होगा। भारत को ग्रुप ए में छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ रखा गया है। महिला टी20 वर्ल्ड कप के 9वें संस्करण में ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड को जगह मिली है। हरमनप्रीत कौर ने कहा कि बांग्लादेश की स्थिति भारतीय टीम को रास आएगी और ऐसे में वो खिताबी जीत दर्ज करने के लिए पूरा जोर लगाएगी। हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में भारतीय टीम ने हाल ही में बांग्लादेश का उसके घर में टी20 इंटरनेशनल सीरीज में 5-0 से क्लीन स्वीप किया।

कितनी लंबी हैं ये महिलाएं...

अमिताभ बच्चन की फिल्म 'लावारिस' का वह गाना तो आपने सुना ही होगा, 'जिसकी बीवी लंबी, उसका भी बड़ा नाम है।' गाने की इसी लाइन को सच साबित कर दिया है इन महिलाओं ने। बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन, दीपिका पादुकोण जैसी लंबाई तो आमतौर पर हम सबने देखी होगी, लेकिन जितनी लंबी ये महिलाएं हैं, शायद ही आपने देखीं हों।

याओ डेफेन

याओ डेफेन ने दुनिया की सबसे लंबी महिला होने का दावा किया है। इनकी लंबाई 7 फीट 8 इंच यानी 233 सेंटीमीटर है। इनका वजन 200 किलो है। उनके शरीर की ग्रंथि में ट्यूमर बताया जाता है।

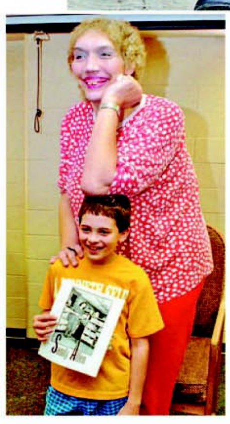

सैंडी एलेन सैंडी

सैंडी ने 1976 में अपना नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराया। 2008 तक इनका नाम उस किताब में यथावत रहा। 2008 तक इसलिए क्योंकि इस सन में उनकी मृत्यु हो गई थी। इनकी लंबाई 7 फुट 7 इंच थी।

माल्गोर्जेटा डायडेक

माल्गोर्जे टा डायडेक यूएस की बास्केटबॉल खिलाड़ी थीं। इनकी लंबाई 7 फुट 2 इंच थी।

उल्जाना सेमजोनावा

7 फुट यानी 213 सेंटीमीटर लंबी लातवियाई उल्जाना 1970 से 1980 तक दुनिया के बास्केटबॉल खेल की लीडिंग वूमेन रहीं।

जैनब बीबी

जैनब बीबी को हाल ही में ब्रिटेन में हमेशा-हमेशा के लिए रहने की इजाजत मिली है। दरअसल इनका कहना था कि इनकी लंबाई के कारण पाकिस्तान में लोग इनको अपनी बातों का निशाना बनाए रहते थे, तो वह ब्रिटेन आ गई। इनकी लंबाई 7 फुट 2 इंच है।

समाजशास्त्र में बेहतर करियर ...

मानव समाज के अध्ययन को समाजशास्त्र कहते हैं। भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार पूरी दुनिया में मनुष्य की सामाजिक संरचना बदल जाती है। हर समाज की अलग- अलग परंपराएं होती हैं। आधुनिकीकरण और बढ़ती सामाजिक जटिलताओं के कारण अब समाजशास्त्र के अंतर्गत चिकित्सा, सैन्य संगठन, जन संपर्क और वैज्ञानिक ज्ञान का भी अध्ययन किया जाता है।

आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रणालियों सहित समाजशास्त्र की शुरुआत भी पश्चिमी देशों से ही हुई। समाजशास्त्र, समाज में रहने वाले लोगों से जुड़ा हुआ विषय है। सीधा समाज से जुड़ा होने के कारण आज के दौर में इसका बड़ा महत्त्व है। मौजूदा दौर में इसकी तुलना एमबीए से की जाती है। इसमें रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। यह विषय न केवल साधारण है बल्कि रोचक भी है। समाज की जीवन में अहम भूमिका है और इसी समाज का अध्ययन इस विषय में किया जाता है। यही वजह है कि इस विषय का इतना महत्त्व है।

शैक्षणिक योग्यता

समाजशास्त्र में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए कला संकाय में स्नातक होना आवश्यक है। इसके साथ सोशल साइंस, पोलिटिकल साइंस, इंटरनेशनल रिलेशन, साइकोलॉजी और ह्यूमेनिटी का व्यावहारिक ज्ञान होना जरूरी है। पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद इसमें पीएचडी की जा सकती है।

समाज शास्त्र का इतिहास

ऐसा माना जाता है कि 14वीं शताब्दी के उत्तर अफ्रीकी अरब विद्वान इब्न खल्दून प्रथम समाजशास्त्री थे, जिन्होंने सामाजिक एकता और सामाजिक संघर्ष के वैज्ञानिक सिद्धांतों को पहली बार उजागर किया। एक विषय के रूप में समाजशास्त्र की शुरुआत सबसे पहले 1890 में अमरीका के कंसास विश्वविद्यालय में हुई। 1891 ई. में कंसास विश्वविद्यालय में इतिहास और समाजशास्त्र विभाग की स्थापना की गई। समाजशास्त्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग 1895 में शुरू हुआ। 1905 में सारी दुनिया के पेशेवर समाजशास्त्रियों के संगठन की स्थापना हुई। एक विषय के रूप में समाशास्त्र सर्वप्रथम 1890 में अमरीका के कंसास विश्वविद्यालय में पढ़ाया गया।

क्यों खास है समाजशास्त्र

मनुष्य एक समाजिक प्राणी है। बिना समाज के मनुष्य जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। इस वजह से समाज का महत्त्व बढ़ा है और जरूरत बढ़ी है समाजशास्त्र की। समाजशास्त्र यह जानने के लिए जरूरी है कि जिन परिस्थितियों में हम रह रहे हैं, उनकी विसंगतियों को कैसे दूर किया जाए।

इस तरह यह अपने पारंपरिक मूल्यों व बाहरी दुनिया के बीच संतुलन बनाने तथा व्यक्तिगत व सार्वजनिक क्रियाओं को पूरा करने का विवेक भी देता है। एक तरह से कहा जाए तो सभी तरह की नीतियों और रणनीतियों का संबंध मानव जीवन की उन्नति से जुड़ा होता है। इसलिए करियर के लिहाज से इस विषय का महत्त्व स्वता ही बढ़ जाता है। मानव सभ्यता, संस्कृति, सोसायटी, जातीयता और सामाजिक संगठन आदि की जानकारी से हम अपने वर्तमान को अधिक बेहतर बना सकते हैं। इन सारे विषयों के बारे में बच्चों को शिक्षित कर उनका बेहतर सामाजिकरण किया जा सकता है। इससे समाज में हमारी अपनी संस्कृति की तादात्मयता बनी रहती है।

रोजगार के अवसर

आज दुनिया में हजारों की संख्या में स्वयंसेवी संस्थाएं, मानवीय, सामाजिक, पर्यावरण संबंधी समस्याओं के समाधान में जुटी हुई हैं और इसी कारण संस्थानों को बड़ी संख्या में ऐसे लोगों की आवश्यकता है, जिनमें न केवल सेवा का जज्बा हो, अपितु संबंधित क्षेत्र की जानकारी भी हो। अंतरराष्ट्रय स्तर पर काम करने वाली संस्थाएं जैसे यूनीसेफ, रेडक्रॉस तो हर वर्ष समाजशास्त्र एवं समाज कार्य में विशेषज्ञों की खोज में बड़े-बड़े शहरों में सेमिनार का आयोजन करती हैं।

इन संस्थाओं में निदेशक, प्रोग्राम आफिसर, टीम लीडर जैसे उच्च पदों पर अच्छे वेतनमान के साथ नियुक्ति दी जाती है। इसके अलावा अन्य कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां छात्रों को को.आर्डिनेटर, सर्वे आफिसर या पब्लिक रिलेशन आफिसर जैसे उच्च पदों पर कार्य करने का मौका मिलता है। अपराध विज्ञान और सुधारात्मक प्रशासन में विशेषज्ञता रखने वाले सामाजिक कार्यकर्ता, जेल, सुधारगृहों, बालगृहों जैसे स्थानों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं।

एनजीओ के माध्यम से भी एड्स जागरूकता, महिला कल्याण, गरीबी उन्मूलन, आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में काम किया जा सकता है। सामाजिक कार्य क्षेत्र में आप निजी और सरकारी कंपनियों में कार्मिक अधिकारी, समुदाय संगठनकर्ता या समन्वयक, सामाजिक कार्यकर्ता आदि के रूप में भी काम कर सकते हैं। इसके अलावा अध्यापन के क्षेत्र में बेहतरीन करियर बनाया जा सकता है।

रोजगारपरक है विषय

देश में नए उद्योग, विद्युत प्रोजेक्ट और सीमेंट कारखाने लग रहे हैं। यहां पर इस विषय के जानकारों की जरूरत है। यह एक प्रोफेशनल विषय है। यदि आपको नौकरी नहीं करनी है तो आप एनजीओ बनाकर समाजसेवा कर सकते हैं। कंपनियां जहां अपना प्रोजेक्ट लगाती हैं, वहां श्रमिकों के पुनर्वास के लिए योजना बनाने के लिए समाजशास्त्रियों की मदद लेती हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य को देखते हुए यह करियर ज्यादा रोजगारपरक है। स्कूलों और कालेजों में इस विषय की काफी डिमांड होने से इस का महत्त्व बढ़ता जा रहा है। इसके अलावा कई गैर सरकारी संगठन भी हैं, जिनमें समाजशास्त्रियों की बहुत डिमांड रहती है।

शिक्षण संस्थान

- बरकतउल्ला विश्व विद्यालय भोपाल
- देवी अहिल्या विवि इंदौर
- हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, शिमला
- पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़
- कर्नाटक यूनिवर्सिटी हुबली,धरवाड़ (कर्नाटक)
- जम्मू यूनिवर्सिटी, जम्मू
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र

विभिन्न कोर्सेज

अप्लाइड सोशोलॉजी
सोशोलॉजी ऑफ रिलीजन
इकॉनोमिक सोशोलॉजी
पोलिटिकल सोशोलॉजी
सोशोलॉजी ऑफ किनशिप

समाजशास्त्र के उद्देश्य

- सामाजिक जीवन में आ रहे परिवर्तनों की पहचान करना।
- समाज से अंधविश्वास एवं नकारात्मक सोच को दूर करने का प्रयास
- समाज विशेषताओं की पहचान कर मानवता को एकसूत्र में बांधने का प्रयास

कितनी होगी सैलरी

इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करने के अवसर उपलब्ध हैं। इस क्षेत्र में शुरुआती वेतनमान लगभग 15 से 20 हजार रुपए है। कार्य अनुभव और पद के अनुसार वेतनमान बढ़ता जाता है। समाजशास्त्र में विशेषज्ञता हासिल करने के बाद रोजगार की संभावनाएं काफी होती हैं। ये अवसर अपने देश में भी काफी हैं, पर विदेशों में भी समाजशास्त्र विशेषज्ञों की कमी नहीं है। यूनिसेफ और रेडक्रॉस जैसी संस्थाएं समाजशास्त्र के विशेषज्ञों को काफी अच्छे पैकेज पर अवसर उपलब्ध करवाती हैं। यानी कि इसका करियर विस्तार विदेशों तक संभावनाएं पैदा करता है।

कई मर्ज की दवा है देसी गुलाब

भारत में गुलाब की बहुत सी प्रजातियां पाई जाती हैं। जिनमें से देसी गुलाब बहुत ही लाभदायक फूल है। यह केवल गुलाबी और लाल रंग की मनमोहिनी खुशबु में पाया जाता है। सर्दी का मौसम आते ही गुलाब का पौधा प्रत्येक घर की शोभा बढ़ाता है क्योंकि गर्मी की अपेक्षा यह सर्दी के मौसम में जल्दी बढ़ता है। इनकी जितनी देखभाल की जाए उतना ही यह महकेंगे। देसी गुलाब की कलमें सितम्बर के अंत में लगाई जाती है जो अक्टूबर माह में तैयार हो जाती है। मौसम ठंडा होते ही इनकी कलमों को लगाया जा सकता है। इनको लगाने के लिए मिट्टी में गोबर की खाद का प्रयोग सबसे बेहतर विकल्प है। गुलाब सौंदर्य प्रसाधन के रूप में तो लाभदायक होता ही है, साथ ही सेहत का भी खजाना है।

गुलाब के अन्य फायदे

- आंखों में जलन हो रही हो तो गुलाब जल से आंखों में छिट्टे मारें।
- सिर दर्द में गुलाब का तेल लगाने से राहत मिलती है।
- गुलाब का इत्र लगाने से बदन महक उठता है।
- गुलाब के फूलों में भरपूर मात्रा में रेशे पाए जाते हैं इसलिए यह कब्ज नाशक होता है। पुराने से पुराना कब्ज जड़ से खत्म करने के लिए 4 मुनक्के, आधा चम्मच सौंफ और 250 ग्राम गुलाब की पत्तियां 1 गिलास पानी डालकर उबाल लें। जब पानी आधा रह जाए तो इसे सर्दी में गर्म और गर्मी में ठंडा करके पीएं।
- 2 चम्मच गुलकंद रात को सोते समय गर्म दूध के साथ खाने से कब्ज में आराम मिलता है।
- मुंह में छाले हो गए हो तो गुलकंद वाला पान खाने से राहत मिलती है।
- गुलाब की पंखुड़ियों से उबटन बना कर चेहरे पर लगाने से निखार आता है।
- मुंह की बदबू को दूर करने के लिए कुछ भी खाने के उपरांत थोड़ा सा गुलकंद खाएं।
- सर्दी के मौसम में होंठ सुखने लगते हैं अथवा फट जाते हैं। गुलाब की पत्तियों को पीसकर उसके रस को ग्लिसरीन में मिला कर लगाने से होंठ लाल, नरम और चमकदार हो जाते हैं।
- चेचक के रोगी के बिस्तर पर गुलाब की पंखुड़ियां का सूखा चूर्ण डालने से दानों के जख्म ठंडक पा कर सूख जाते हैं।
- टीवी के रोगी को प्रतिदिन गुलाब की पंखुड़ियों का सेवन करना चाहिए।
- पायरिया के रोगियों को प्रतिदिन गुलाब की पंखुड़ियां चबानी चाहिए। इससे रोग में लाभ के साथ-साथ दांत मजबूत होते हैं।

नौकरी पाने के लिए न दें झूठी जानकारी

जल्द नौकरी हासिल करने या अत्यधिक महत्वाकांक्षा के चलते उम्मीदवार नौकरी मांगने के दौरान कई बार योग्यता संबंधी ऐसी जानकारी दे देते हैं, जो उनके पास होती ही नहीं। हकीकत सामने आने पर वे जॉब से तो वंचित हो ही जाते हैं, उनके आगे की राह भी कठिन हो जाती है।

एक सर्वे के अनुसार वर्तमान समय में ज्यादातर संस्थान अपने कर्मचारियों द्वारा दिए जाने वाले शिक्षा संबंधी प्रमाण-पत्रों में गड़बड़ियों की समस्या से जूझ रहे हैं। एक कंपनी छोड़ दूसरी ज्वाइन करने पर दोनों में दी गई जानकारी में भी काफी अंतर देखने को मिल रहा है। यह सही है कि कंपनियां जॉब देते समय उम्मीदवार के पिछले तीन-चार साल का अनुभव, शैक्षिक योग्यता और अंतिम 4-5 साल का पता खंगालती हैं, लेकिन ज्यादातर कंपनियां सीनियर पद पर किसी को ज्वाइन कराते वक्त लचीला रुख अपनाती हैं।

वे उम्मीदवार के प्रोफाइल व पैकेज को ही आधार बनाती हैं। सर्वे बताते हैं कि भारत ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन और अमेरिका जैसे विकसित देशों में भी ऐसे उम्मीदवारों की संख्या ज्यादा है, जो बायोडाटा में अपनी उपलब्धियों, अनुभव और शैक्षिक योग्यताओं के बारे में बढ़ा-चढ़ा कर लिखते हैं। बाद में वेरिफिकेशन के दौरान उनकी गलतियां उजागर होती हैं। इन नेगेटिव वेरिफिकेशन रिपोर्ट से न सिर्फ उनकी नौकरी जाती है, बल्कि इंडस्ट्री में उनकी प्रतिष्ठा भी धूमिल होती है।

नहीं मिल पा रहे सही लोग

ग्लोबलाइजेशन और जॉब मार्केट में कड़ी प्रतिस्पर्धा के चलते हर कंपनी चाहती है कि वह कुशल व प्रतिभाशाली कर्मचारियों को नियुक्त करे। देश में जितनी ज्यादा नौकरियां हैं, उससे कई गुना ज्यादा नौकरी ढूंढने वाले लोग। हर साल देश में लगभग 23 लाख ग्रेजुएट पैदा होते हैं, लेकिन इनमें से ज्यादातर को उनकी पढ़ाई और स्किल्स के मुताबिक नौकरी नहीं मिल पाती। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय कंपनियों में 61 प्रतिशत पद खाली हैं। सबसे ज्यादा अवसर सेल्स, आईटी, अकाउंटिंग, फाइनेंस व ऑफिस सपोर्ट जैसे सेक्टरों में मौजूद हैं। इनमें सही टैलेंट नहीं मिल पा रहा है, क्योंकि आवेदन के समय उम्मीदवार अपनी उपलब्धियों को बढ़ा-चढ़ा कर लिख रहे हैं या झूठी सूचनाएं दे रहे हैं।

दें सही जानकारी

एक अच्छी नौकरी पाने की तलाश में जुटे उम्मीदवार कई बार अपने रेज्यूम में भ्रामक सूचनाएं दे जाते हैं। इसके चलते उन्हें शर्मिंदगी का सामना भी करना पड़ता है। इसलिए यदि आप किसी नई नौकरी के लिए रेज्यूम देने जा रहे हैं तो अपनी वर्तमान जिम्मेदारियों और उपलब्धियों के बारे में बताने से पहले विशेष सावधानी बरतें। जॉब की जरूरत के हिसाब से अपनी स्किल्स मैच कराएं। एक-एक बिन्दु का स्पष्ट उल्लेख करें, दूसरों का सीवी कॉपी करने से पहले बचें।

ऐसे होती है हेराफेरी

क्वालिफिकेशन : उम्मीदवार आवेदन के दौरान कई बार ऐसी शैक्षिक योग्यता का जिक्र कर बैठते हैं, जो उनके पास होती ही नहीं या गलत तरीके से हासिल की गई होती है। ज्यादातर संस्थानों में आवेदन के दौरान ऐसा देखने को मिलता है। बैकग्राउंड चेकिंग फर्म्स के जरिए ऐसे फ्रॉड को पकड़ा जाता है।

फर्जी डिग्री: देश में कई ऐसे संस्थान चल रहे हैं, जिनकी मान्यता नहीं है या उनके कोर्स को संबंधित अथॉरिटी से मान्यता प्राप्त नहीं है। वहां की डिग्री फर्जी डिग्री की श्रेणी में आती है। कई बार अज्ञानता में तो कई बार जान-बूझ कर उम्मीदवार इन डिग्रियों का इस्तेमाल करते हैं।

सेलरी पैकेज: एक कंपनी से दूसरी कंपनी ज्वाइन करने पर सबसे अहम फैक्टर सैलरी पैकेज होता है। मोटा पैकेज पाने की चाहत में उम्मीदवार या तो अपनी स्लिप से छेड़छाड़ करते हैं या फर्जी सेलरी स्लिप बनवाते हैं। एचआर डिपार्टमेंट की छानबीन में इस तरह के मामले पकड़ में आ जाते हैं।

एक्सपीरिएंस: उम्मीदवार एक्सपीरिएंस सर्टिफिकेट के रूप में अकसर किसी ऐसे संस्थान से 2-3 साल का अनुभव दर्शाते हैं, जो वर्तमान में बंद हो चुका होता है या उसकी पुष्टि नहीं हो पाती। कई बार वे अनुभव के साल बढ़ा-चढ़ा कर दिखाते हैं। वे मान कर चलते हैं कि उनका खेल पकड़ में नहीं आएगा, पर वेरिफिकेशन में इस खेल से पर्दा उठ जाता है।

मैरिटल स्टेटस: सैन्य अथवा कई ऐसे सेवा क्षेत्र हैं, जिनमें अविवाहित उम्मीदवारों से आवेदन मांगा जाता है। ऐसे नौकरी के लिए विवाहित उम्मीदवार अकसर अपनी पहचान छुपा लेते हैं। इस आधार पर वे कई साल नौकरी भी कर लेते हैं। बैकग्राउंड अथवा एड्रेस वेरिफिकेशन में इसका पता चलता है।

क्रिमिनल रिकॉर्ड: उम्मीदवारों पर नौकरी के लिए आवेदन देने से पूर्व यदि कोई आपराधिक मामला दर्ज हुआ है तो वे आवेदन में इसका उल्लेख नहीं करते। इस तरह की प्रवृत्ति वाले उम्मीदवारों को कोई भी अपने यहां नहीं रखना चाहता। हेल्थकेयर व फाइनेंशियल कंपनियां ऐसी पृष्ठभूमि की जांच करवाती हैं।

कंपनी का नुकसान

गलत सूचना देकर नौकरी हासिल करने वाले कर्मचारियों की मंशा कंपनी को नुकसान पहुंचाने की बेशक न हो, लेकिन वह उसकी कार्यनीति और परंपरा को गहरा नुकसान पहुंचा सकती है। गलत सूचना देकर नौकरी हासिल करने पर कंपनी को अपने प्रोजेक्ट में निवेश करने से पहले अयोग्य प्रोफेशनल्स की ट्रेनिंग में पैसा लगाना पड़ता है। इससे उनको भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ सकता है।

सुरक्षा की दृष्टि से घातक

अपने बारे में गलत सूचना देने वाले किसी भी ऐसे व्यक्ति को जिम्मेदार पद पर बैठाना कंपनी की सुरक्षा की दृष्टि से घातक हो सकता है। चूंकि कंपनियों को गोपनीय सूचनाएं या डेटा लीक होने का खतरा रहता है, इसलिए ज्यादातर कंपनियां किसी व्यक्ति को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने से पहले उसकी पूरी छानबीन कराती हैं। कोई कंपनी कभी नहीं चाहती कि ऐसे लोगों को अपने यहां जॉब दे, जिनकी बुनियाद ही झूठ के सहारे रखी गई हो।

ऑनलाइन मॉनीटरिंग

आजकल कई ऐसे एप प्रचलन में हैं, जिनके जरिए उम्मीदवार अपनी योग्यता, अनुभव व अन्य विवरण ऑनलाइन भेज सकते हैं।

इसके लिए आवेदनकर्ता और नियोक्ता दोनों का रजिस्ट्रेशन होना जरूरी है। इस आईडी नंबर के जरिए वे उम्मीदवार का पूरा वेरिफिकेशन कर सकते हैं। यह ऐप जल्द ही सोशल मीडिया 'डिजिटल टैलेंट पूल' के जरिए लोगों को नौकरी पर रखे जाने की प्रक्रिया में अहम भूमिका अदा करेंगे। कंपनियां भी एप्लिकेंट ट्रैकिंग सिस्टम का इस्तेमाल कर रही हैं, जो सीवी का विश्लेषण करता है।

इसलिए आ रही दिक्कत

एक सर्वे के मुताबिक भारत में जितनी नौकरियां पैदा हो रही हैं, उनमें से करीब 90 प्रतिशत के लिए खास स्किल्स की जरूरत पड़ती है।

इसकी ट्रेनिंग स्कूल-कॉलेज अथवा इंस्टीट्यूट में नहीं मिल पा रही, लिहाजा बड़ी आबादी बेरोजगारी का दंश झेल रही है। जल्दी नौकरी पाने की चाहत में उम्मीदवार कई बार झूठी सूचनाएं देकर नौकरी हासिल करने की कोशिश करते हैं या अपने नकारात्मक पहलुओं को छिपाने का प्रयास करते हैं।

जापान क्यों है खास...?

एक छोटा सा देश जहां अमेरिका या दूसरे विकसित देशों की तरह न तो प्रचुर मात्रा मे प्राकृतिक संसाधन मौजूद हैं और न ही उसके पास प्रचुर मात्रा मे ह्यूमन रिसोर्सेज ही है,जिस एकलौते देश ने दो-दो बार परमाणु हमले झेले है! इन सब मुश्किलों के बावजूद भी उस देश को एशिया महाद्वीप का एकमात्र विकसित देश होना का गौरव प्राप्त हुआ है वो देश है जापान! आखिर जापान में ऐसा क्या है जो इसे इतना खास बनाता है, यही जानने की कोशिश है यह आलेख।

मोटा होना अवैध

जापान में मोटा होना अवैध है हालांकि जापान ने दुनियाभर को मोटे लोगों की सूमो कुश्ती से परिचित करवाया है लेकिन वर्ष 2009 में कानून निर्माताओं ने पेट के आकार को सीमित कर दिया था। इसके तहत 40 साल से अधिक उम्र वाले पुरुषों का पेट 31 इंच और महिला का 35 इंच से ज्यादा नहीं होना चाहिए।

सफाई का पाठ

जापान ही एक ऐसा देश है, जहां हर जापानी बच्चा शिक्षक के साथ मिलकर प्रतिदिन 15 मिनट अपने स्कूल की सफाई करता है, जो वाकई ये दिखाता है कि यहां के बच्चे तक साफ सफाई को लेकर कितने उत्सुक है। जापान में पहली से छठी कक्षा तक के बच्चो को सर्वप्रथम नैतिकता का पाठ पढ़ाया जाता है। इस दौरान उन्हें ये सिखाया जाता है की मनुष्य को आखिर अपने अंदर नैतिकता लाना क्यों आवश्यक है। जापान के स्कूलों में बच्चे मध्यांतर भोजन के बाद भी अपने दांत अनिवार्यरूप से साफ करते है।

अर्थव्यवस्था को लेकर गंभीर

इस देश में हर साल लगभग 1500 भूकम्प आते है। इतना सबकुछ होने के बाद भी जापान देश की अर्थव्यवस्था दूसरे नंबर पर है और ये बात साबित करती है की यहां के लोग देश की अर्थव्यवस्था को लेकर कितने गंभीर है। द्वितीय विश्वयुद्ध के दरम्यान जापान के हिरोशिमा और नागासाकी मे परमाणु बम से हमला किया गया था।

बच्चों की परीक्षा नहीं

जापान में पहली कक्षा से लेकर तीसरी कक्षा तक बच्चो का कोई एक्जाम नहीं लिया जाता क्योंकि इस देश की शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य बच्चों के अंदर कांसेप्ट और करैक्टर की महत्वता का बोध कराना है, न की परीक्षा प्रणाली के बारे में बच्चों को अवगत कराना।

भोजन को लेकर जागरूक

जापान देश के बच्चे भोजन ग्रहण को लेकर बहुत जागरूक है। वो अपना भोजन खत्म करने में लगभग आधे घंटे का समय लेते हैं, जो कि भोजन की पाचन प्रक्रिया के हिसाब से बिलकुल सही है और ये दिखाता है बच्चे अपने शरीर को लेकर किसी भी तरह का समझौता नहीं करते।

कुत्ते के साथ सड़क पर

जापान में हर एक व्यक्ति कुत्ते के साथ सड़क पर चलते समय उस जानवर की गन्दगी को उठाने के लिए अपने साथ एक बैग लेकर चलता है, जो ये दर्शाता है कि वहां के लोग स्वच्छता के प्रति कितने सजग हैं। जापान देश में सफाई कर्मचारी को स्वास्थ्य इंजीनियर का दर्जा दिया गया है। इस देश के सफाई कर्मचारी को प्रत्येक महीने 5000 से 8000 अमरीकी डॉलर वेतन दिया जाता है। सफाई कर्मचारी की भर्ती से पहले उनके मौखिक एवं लिखित परीक्षण भी होते हैं।

मोबाइल फोन मना है

जापान में ट्रेन, होटल और इंडोर्स में मोबाइल का उपयोग करना सख्त मना है। मोबाइल के उपयोग की खामियों को देखते हुए वाकई ये एक अच्छा कदम भी है। जापानी आज भले ही दुनिया के अमीर लोगों में से एक है, मगर वो कभी भी नौकरों की जरुरत महसूस नहीं करते। चाहे कोई व्यक्ति कितना भी अमीर क्यों न हो, वो अपने घर और बच्चो का ख्याल खुद ही रखता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)